साप्ताहिक

सबका जम्मू कश्मीर

आरएनआई न. :- जेकेएचआईएन/25/ए0631

हिन्दी • वर्षः 1 • अंकः 30 • कठुआ, शनिवार 20 दिसंबर 2025 • पृष्ठः 16 • मूल्यः 5 रुपए

लोकसभा के अनिश्चितकाल के लिए स्थगित होने के बाद प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्री, प्रियंका गांधी और अन्य लोगों ने स्पीकर बिरला से मुलाकात की

सबका जम्मू कश्मीर

नई दिल्ली : शुक्रवार को संसद का शीतकालीन सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित होने के बाद राजनीतिक शिष्टाचार और संवाद की एक सकारात्मक तस्वीर देखने को मिली, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा, एनसीपीदृएसपी की सुप्रिया सुले सहित विभिन्न दलों के नेताओं ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से उनके कक्ष में मुलाकात की। इस अवसर पर नेताओं ने शीतकालीन सत्र के समग्र संचालन, कार्यवाही की व्यवस्था और सदन में चर्चा को आगे बढ़ाने में अध्यक्ष की भूमिका की सराहना की और उन्हें धन्यवाद दिया।

इस मुलाकात के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय मंत्री के. राम मोहन नायडू, राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह,

चिराग पासवान और प्रल्हाद जोशी भी मौजूद रहे। नेताओं के बीच अनौपचारिक माहौल में चाय पर बातचीत हुई, जिसमें संसद की कार्यवाही, लोकतांत्रिक परंपराओं और भविष्य की विधायी प्राथमिकताओं पर विचार–विमर्श हुआ। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने इस अवसर को सदन की सामूहिक उपलब्धि बताते हुए कहा कि 18वीं लोकसभा के छठे सत्र के समापन के बाद माननीय प्रधानमंत्री और सभी दलों के सम्मानित नेताओं के साथ उनका सुखद वार्तालाप हुआ।

संसद का शीतकालीन सत्र 1 दिसंबर को प्रारंभ हुआ था और 19 दिसंबर को समाप्त हुआ। इस सत्र के दौरान लोकसभा की बैठकें कुल 92 घंटे 25 मिनट तक चलीं, जो निर्धारित समय से अधिक रही और 111 प्रतिशत उत्पादकता दर्ज की गई। यह आंकड़ा सदन में सक्रिय भागीदारी, लंबी चर्चाओं और अपेक्षाकृत सुचारू कार्यवाही को दर्शाता है। कार्यवाही के दौरान सरकार और विपक्ष, दोनों पक्षों ने कई अहम मुद्दों पर अपने विचार रखे, जिससे संसदीय विमर्श को मजबूती मिली।

शीतकालीन सत्र में कुल दस सरकारी विधेयक पेश किए गए, जिनमें से आठ विधेयक पारित किए गए। इन विधेयकों में नागरिक परमाणु ऊर्जा, बीमा और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्रों में सुधार से जुड़े महत्वपूर्ण प्रस्ताव शामिल थे। सरकार का कहना है

▪ शेष पेज 2...

एडवेंचर टूरिज्म ऑपरेटरों का कहना है कि कश्मीर में सब कुछ सामान्य है

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगरः एडवेंचर टूर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एटीओएआई) ने शुक्रवार को जोर देकर कहा कि कश्मीर घाटी में सब कुछ सामान्य है और कहा कि केंद्र सहित सभी हितधारक यह सुनिश्चित करने के लिए उत्सुक हैं कि केंद्र शासित प्रदेश में पर्यटन जल्द से जल्द पुनर्जी. वित हो।

हम सभी मानते हैं कि जम्मू–कश्मीर भारत का एडवेंचर डेस्टिनेशन है और हम सरकार के साथ मिलकर काम करना चाहते हैं और यहां अधिक से अधिक एडवेंचर टूरिस्ट को आकर्षित करने और सुरक्षित और टिकाऊ एडवेंचर टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए हर संभव प्रयास

▪ शेष पेज 2...

केंद्र द्वारा लद्दाख के मुद्दों को सुलझाने के लिए उठाए गए कदम केंद्र शासित प्रदेश के हित में होंगे : उपराज्यपाल गुप्ता

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता ने शुक्रवार को कहा कि संबंधित पक्षों ने विभिन्न मुद्दों को संबोधित करते हुए अपने मसौदा प्रस्ताव प्रस्तुत कर दिए हैं और केंद्र सरकार केंद्र शासित प्रदेश और राष्ट्र के हित में कार्रवाई करेगी।

उन्होंने कहा कि लद्दाख में बात. चीत जारी है और प्रक्रिया सुव्यवस्थित तरीके से आगे बढ़ रही है। गुप्ता ने कहा, "उन्होंने अपना मसौदा प्रस्तुत कर दिया है और आगे की चर्चा उसी मसौदे के आधार पर की जाएगी।" उन्होंने संकेत दिया कि विचार–विमर्श सहमत ढांचे के अनुसार आगे बढ़ेगा।

उन्होंने आगे कहा कि प्रशासन सभी चिंताओं का रचनात्मक तरीके से समाधान सुनिश्चित करने के लिए निरंतर संवाद के प्रति प्रतिबद्ध है।

लद्दाख के प्रतिनिधियों ने 22 अक्टूबर को दिल्ली में गृह मंत्रालय की उप–समिति के साथ बैठक की। समिति ने राज्य का दर्जा और संविधान की छठी अनुसूची के तहत केंद्र शासित प्रदेश के लिए सुरक्षा उपायों की अपनी प्राथमिक मांग पर ध्यान केंद्रित करते हुए वार्ता में भाग लिया।

जोधपुर जेल में बंद जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी पर विपक्ष की आलोचना के बारे में एक प्रश्न के उत्तर में गुप्ता ने कहा, "केवल वही

▪ शेष पेज 2...

युवा पीढ़ी को वर्तमान जीवन में प्राचीन मूल्यों को आत्मसात करना चाहिए : एलजी सिन्हा

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने युवा पीढ़ी से प्राचीन मूल्यों और आदर्शों को वर्तमान जीवन में आत्मसात करने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि वेदों पर आधारित और समग्र विश्वदृष्टि को समाहित करने वाली संपूर्ण भारतीय ज्ञान प्रणाली आधुनिक चुनौतियों का समाधान प्रदान करती है।

उपराज्यपाल ने लोक भवन में श्री कैलाश ज्योतिष और वैदिक संस्थान ट्रस्ट द्वारा प्रकाशित वार्षिक पत्रिका "कर्तव्य मार्ग" के चौथे अंक का विमोचन करते हुए ये बातें कहीं। उपराज्यपाल ने कहा, हमारी प्राचीन ज्ञान प्रणाली और उसमें निहित बुद्धिमत्ता एक

सफल आधुनिक विश्व के लिए खाका प्रस्तुत करती है, साथ ही सभी के कल्याण को सुनिश्चित करती है, सतत विकास और नवाचार के लिए एक मार्ग प्रशस्त करती है और जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों से प्रभावी ढंग से निपटने और एक सतत भविष्य के निर्माण के लिए एक समग्र ढांचा प्रदान करती है।"

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि "कर्तव्य मार्ग" जैसे प्रयास युवा पीढ़ी को उनकी परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने में प्रेरक भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा, "युवा पीढ़ी को प्राचीन मूल्यों और आदर्शों को अपने

▪ शेष पेज 2...

शहरी चुनौती निधि, ऑटो डीसीआर और झील संरक्षण उपायों के कार्यान्वयन का आकलन सीएस ने किया

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने आज शहरी चुनौती निधि, भवन निर्माण अनुम. तियों के लिए ऑटो विकास नियंत्रण विनियमन (ऑटो डीसीआर) प्रणाली और डल और निगीन झीलों के चल रहे संरक्षण और विकास कार्यों सहित आवास और शहरी विकास पहलों के कार्यान्वयन और प्रगति की समीक्षा की।

समीक्षा बैठक में आवास एवं शहरी

विकास विभाग (एच एंड यूडीडी) के आयुक्त सचिव; ग्रामीण विकास विभाग (आरडीडी) के सचिव; जम्मू विकास प्राधिकरण (जेडीए) के उपाध्यक्ष; जम्मू नगर निगम (जेएमसी) के आयुक्त; झील संरक्षण एवं प्रबंधन प्राधिकरण (एलसीएमए) के उपाध्यक्ष और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। बैठक के दौरान, मुख्य सचिव ने शहरी चुनौती निधि का अधिकतम उपयोग करने की आवश्यकता पर जोर दिया और संबंधित विभागों को भारत सरकार द्वारा इस योजना के तहत निर्धारित एक लाख करोड़ रुपये में से कम से कम 1 प्रतिशत का लक्ष्य रखने का निर्देश दिया। उन्होंने आगे सलाह दी कि चिन्हित परियोजनाओं को सुचारू, समयबद्ध और निर्बाध निष्पादन सुनिश्चित करने के लिए एसएएससीआई से अतिरिक्त निधि सहायता प्रदान की जाए। इस पहल के रणनीतिक महत्व पर जोर देते हुए, मुख्य सचिव ने जनसंख्या वृद्धि और बदलती नागरिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए, शहरी केंद्रों को टिकाऊ, लचीला और भविष्य के लिए तैयार

▪ शेष पेज 2...

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

शेष पेज 1 से.....

लोकसभा के...

कि इन सुधारों का उद्देश्य नीतिगत ढांचे को अधिक आधुनिक, पारदर्शी और जनोन्मुखी बनाना है, ताकि बदलते समय की जरूरतों के अनुरूप देश की संस्थागत क्षमता को मजबूत किया जा सके।

इस सत्र की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (एमजीएनआरईजीए) के स्थान पर विकसित भारत रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) से संबंधित विधेयक का पारित होना रहा। सरकार के अनुसार, यह नया मिशन ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों को अधिक प्रभावी ढंग से सृजित करने, कौशल विकास को बढ़ावा देने और आजीविका के स्थायी साधन उपलब्ध कराने पर केंद्रित होगा। इस विधेयक पर सदन में विस्तृत चर्चा हुई, जिसमें विभिन्न सदस्यों ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था, रोजगार की गुणवत्ता और सामाजिक सुरक्षा से जुड़े मुद्दों को उठाया।

लोकसभा ने अनुदान के लिए पूरक मांगें, प्रथम बैच 2025–26 और विनियोग (संख्या 4) विधेयक भी पारित किए। इन प्रस्तावों के माध्यम से सरकार को अतिरिक्त व्यय के लिए संसदीय स्वीकृति मिली, जिससे विभिन्न विकासात्मक और प्रशासनिक कार्यक्रमों के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जा सकेंगे। बजटीय विषयों पर चर्चा के दौरान वित्तीय अनुशासन, प्राथमिकताओं के निर्धारण और संसाधनों के न्यायसंगत उपयोग पर भी जोर दिया गया।

शीतकालीन सत्र के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रगान "वंदे मातरम" के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में एक विशेष चर्चा की पहल की। इस ऐतिहासिक और भावनात्मक विषय पर सदन में 11 घंटे 32 मिनट तक चर्चा हुई, जिसमें 65 सदस्यों ने भाग लिया। चर्चा के दौरान "वंदे मातरम" के ऐतिहासिक महत्व, स्वतंत्रता संग्राम में इसकी भूमिका और राष्ट्रीय चेतना को सशक्त करने में इसके योगदान पर विचार व्यक्त किए गए।

इसी प्रकार, चुनावी सुधारों के मुद्दे पर भी संसद में व्यापक विमर्श हुआ। 9 और 10 दिसंबर को लगभग 13 घंटे तक चली चर्चा में 63 सदस्यों ने भाग लिया। इस दौरान चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता, निष्पक्षता, मतदाता सहभागिता और लोकतंत्र को और मजबूत बनाने से जुड़े विभिन्न सुझाव सामने आए। सदस्यों ने तकनीकी सुधारों, कानूनी ढांचे और संस्थागत मजबूती की आवश्यकता पर भी अपने विचार रखे।

कुल मिलाकर, संसद का यह शीतकालीन सत्र विधायी कार्य, सार्थक चर्चाओं और अपेक्षाकृत उच्च उत्पादकता के लिए उल्लेखनीय रहा। सत्र के समापन पर विभिन्न दलों के नेताओं द्वारा लोकसभा अध्यक्ष से मुलाकात ने यह संदेश दिया कि राजनीतिक मतभेदों के बावजूद लो. कतांत्रिक संस्थाओं के प्रति सम्मान और संवाद की परंपरा कायम है, जो संसदीय लोकतंत्र की मूल आत्मा को प्रतिबिंबित करती है।

एडवेंचर टूरिज्म...

करना चाहते हैं, एटीओएआई के अध्यक्ष अजीत बजाज ने यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा।

बजाज ने कहा कि एटीओएआई ने अपना 17वां वार्षिक सम्मेलन यहां आयोजित किया और घाटी के शानदार आतिथ्य का आनंद लिया।

"आज हमारे कुछ सदस्य पहलगाम, सोनमर्ग और गुलमर्ग की यात्रा पर गए थे। हमने खूब आनंद लिया। इस सम्मेलन की शुरुआत मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भारत में और विशेष रूप से जम्मू–कश्मीर में साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की थी," उन्होंने कहा।

एटीओएआई के अध्यक्ष ने कहा कि सम्मेलन में पहलगाम हमले और दिल्ली विस्फोट के बाद निराशाजनक वर्ष के बाद जम्मू–कश्मीर में पर्यटन को फिर से बढ़ावा देने के लिए कई उपायों पर चर्चा की गई।

बजाज ने बताया कि एटीओएआई ने भारत के पर्यटन संचालकों और जम्मू–कश्मीर के स्थानीय संचालकों के साथ एक सत्र आयोजित किया। उन्होंने कहा, ष्हम उनके साथ एक मजबूत संबंध और नेटवर्क बनाना चाहते हैं ताकि वे यहां कारोबार ला सकें।ष्

उन्होंने आगे कहा कि देश के सभी हितधारक चाहते हैं कि जम्मू–कश्मीर में पर्यटन जल्द से जल्द पटरी पर लौट आए।

"यह हमारे देश का एक खूबसूरत हिस्सा है, पर्यटन का अनमोल रत्न। हम सभी हितधारकों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। हमारे साथ भारत सरकार के पर्यटन विभाग के अतिरिक्त सचिव और महा. निदेशक भी उपस्थित थे। वे भी यहाँ आए थे और उन्होंने भी यही संदेश दिया कि यहाँ सब कुछ बढ़िया है और एक देश के रूप में हमें अपने वर्दीधारी पुरुषों और महिलाओं पर गर्व है।"

"हमने खुद देखा है कि सब कुछ सामान्य हो गया है। हम जल्द से जल्द जम्मू और कश्मीर में अधिक से अधिक पर्यटकों को वापस लाना चाहते हैं," बजाज ने कहा।

22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद कई पर्यटन स्थलों के लगातार बंद रहने के बारे में पूछे जाने पर, बजाज ने कहा कि एटीओएआई चाहता है कि जैसे–जैसे स्थिति धीरे–धीरे सुधरती है, सभी क्षेत्रों को पर्यटन और साहसिक पर्यटन के लिए पूरी तरह से खोल दिया जाए।

उन्होंने कहा, "एडवेंचर ऑपरेटर होने के नाते, यह हमारे नियंत्रण में नहीं है। हम केवल यही सुझाव दे सकते हैं कि धीरे–धीरे सभी क्षेत्रों को पर्यटन के लिए खोला जाना चाहिए।"

प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, पर्यटन क्षेत्र के प्रमुख व्यक्ति मुश्ताक छाया ने यहां सम्मेलन आयोजित करने के लिए एटीओएआई के प्रति आभार व्यक्त किया।

"देश भर से 200 से अधिक सदस्य यहां आए थे। वे यहां की स्थिति का जायजा लेने आए थे। हमने उनसे अपील की है कि वे पूरे देश में हमारे प्रतिनिधि बनकर लोगों को कश्मीर की असलियत बताएं। कुछ घटनाएं घटित हुईं। हमने उनकी निंदा की और हमें आज भी उन पर खेद है। अब स्थिति सुधर रही है और सब ठीक है," छाया ने कहा।

उन्होंने कहा कि कई अन्य यात्रा योजनाकारों और भागीदारों ने भी कश्मीर का दौरा किया है और उन्होंने उन सभी से कश्मीर को बढ़ावा देने और देश भर के लोगों को यह बताने की अपील की है कि कश्मीर सुरक्षित है।

उन्होंने आगे कहा, "हम चाहते हैं कि वे लोगों को बताएं कि कश्मीर भारत का है और भारत कश्मीर का है। भारत के लोग हमारे हैं, यह उनका राष्ट्र है और हम उनकी सेवा के लिए हमेशा तत्पर हैं।"

केंद्र द्वारा...

किया जाएगा जो देश के हित में होगा, और जो कुछ भी किया जाएगा वह लद्दाख के हित में होगा। इससे अधिक कुछ नहीं किया जाएगा।" उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार उचित कदम उठा रही है और लिया गया कोई भी निर्णय लद्दाख के हित में होगा।

लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर हुए हिंसक प्रदर्शनों के दो दिन बाद, 26 सितंबर को वांगचुक को कड़े राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत हिरासत में लिया गया था। इन प्रदर्शनों में केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में चार लोगों की मौत हो गई थी और 90 लोग घायल हो गए थे। सरकार ने उन पर हिंसा भड़काने का आरोप

लगाया था। उपराज्यपाल ने यहां मास्टर संसार चंद गैलरी में प्रख्यात कलाकार मिलन शर्मा की तीन दिवसीय चित्रकला प्रदर्शनी श्मेमोरी इम्प्रिंट्सश का उद्घाटन करते हुए कहा कि लद्दाख में वर्तमान में बड़ी संख्या में अवसंरचना और सड़क परियोजनाएं चल रही हैं और इन सभी परियोजनाओं को भारत सरकार और वित्त मंत्री के साथ उठाया गया है।

उन्होंने कहा, "इनमें से कई परियोजनाओं में केंद्र शासित प्रदेश के फंड का भी उपयोग किया जा रहा है। भूमि अधिग्रहण से संबंधित कुछ कठिनाइयाँ थीं, जिनके बारे में मैंने केंद्रीय गृह मंत्री और वित्त मंत्री को भी सूचित कर दिया है।"

गुप्ता ने केंद्र सरकार के सहयोग के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि केंद्र सरकार लद्दाख के विकास के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा पर लद्दाख का बढ़ता ध्यान इसके विकास पथ में एक नया अध्याय खोलेगा। उन्होंने कहा,

"हाल ही में हमने दुनिया की पहली अनूठी तापीय ऊर्जा परियोजना स्थापित की है। हाल के दिनों में पैंगोंग क्षेत्र में सौर ऊर्जा परियोजना को भी आगे बढ़ाया गया है। ओएनजीसी भी वहां काम कर रही है। मुझे विश्वास है कि भविष्य में लद्दाख में स्थापित होने वाली भूतापीय ऊर्जा परियोजनाएं पूरे देश को बिजली की आपूर्ति करने में सक्षम होंगी।"

पर्यटन के विषय पर उपराज्यपाल गुप्ता ने कहा कि लद्दाख को साल भर चलने वाले पर्यटन स्थल के रूप में विकसित होना चाहिए। उन्होंने कहा

, "पर्यटन पूरे साल चलता रहना चाहिए। हमारा निरंतर प्रयास यह सुनिश्चित करना होगा कि अधिक से अधिक पर्यटक लद्दाख आएं। यह सिर्फ तीन–चार महीने का पर्यटन स्थल नहीं है, बल्कि इसे साल भर चलने वाले पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाना चाहिए। आने वाले समय में, हम पर्यटकों को इसके अनुरूप सभी आवश्यक सुविधाएं प्रदान करेंगे।"

एमजीएनआरईजीए योजना के नाम परिवर्तन पर टिप्पणी करते हुए गुप्ता ने कहा, "सरकार इस पर पहले ही निर्णय ले चुकी है, और इसका क्या प्रभाव होगाकृमुझे नहीं लगता कि इस पर टिप्पणी करना मेरे लिए उचित होगा।" मिलन शर्मा द्वारा तीन दिवसीय प्रदर्शनी "मेमोरी इम्प्रिंट्स" का आयोजन जम्मू के कला केंद्र द्वारा मास्टर संसार चंद गैलरी में किया जा रहा है।

युवा पीढ़ी को...

वर्तमान जीवन में आत्मसात करना चाहिए। एलजी सिन्हा ने भारत की प्राचीन ज्ञान परंपराओं, लोक संस्कृति, ज्योतिष और वैदिक विज्ञान को बढ़ावा देने के साथ–साथ समाज में नैतिक जागरूकता और सांस्कृतिक गौरव को बढ़ावा देने के प्रति श्री कैलाश ज्योतिष और वैदिक संस्थान ट्रस्ट की प्रतिबद्धता और प्रयासों की सराहना की।

शहरी चुनौती...

बनाने में सार्थक योगदान देने वाली परियोजनाओं की सावधानीपूर्वक पहचान करने की आवश्यकता पर बल दिया। निर्माण अनुमतियों के लिए ऑटो डीसीआर प्रणाली के कार्यान्वयन की समीक्षा करते हुए, मुख्य सचिव ने स्वास्थ्य एवं शहरी विकास विभाग को अधिनियम के तहत वैधानिक अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए इस प्लेटफॉर्म को आरईआरए पोर्टल के साथ एकीकृत करने का निर्देश दिया। उन्होंने ग्रामीण विकास विभाग को आवश्यक भवन उपनियमों को अंतिम रूप देने के बाद, एनआईसी के तकनीकी सहयोग से ग्रामीण क्षेत्रों के लिए इसी तरह की ऑनलाइन भवन अनुमति प्रणाली अपनाने का भी निर्देश दिया।

स्वास्थ्य एवं शहरी विकास विभाग की आयुक्त सचिव, मनदीप कौर ने जम्मू और कश्मीर के लिए शहरी चुनौती कोष के महत्व पर प्रकाश डाला और बैठक को योजना के तहत चिन्हित परियोजनाओं से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि इनमें पार्किंग अवसंरचना का संवर्धन, आवासीय आवास परियोजनाएं, स्वच्छता पहल, अपशिष्ट जल प्रबंधन प्रणाली और शहरों में जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने के उद्देश्य से अन्य शहरी उपयोगिता सेवाएं शामिल हैं। नगरपालिका नगर निगम के आयुक्त देवांश यादव ने बैठक को सूचित किया कि ऑटो डीसीआर प्रणाली भवन योजनाओं के सीएडी चित्रों की स्वचालित जांच को सक्षम बनाती है, जिससे मैन्युअल हस्तक्षेप के बिना नगरपालिका और प्रांतीय उपनियमों का अनुपालन सुनिश्चित होता है। उन्होंने बताया कि यह प्रणाली भवन निर्माण की अनुमति देने में पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाते हुए प्रसंस्करण समय को काफी कम करती है।

उन्होंने आगे बताया कि यह प्लेटफॉर्म प्रस्तावों को ऑनलाइन जमा करने और ट्रैक करने की सुविधा देता है, स्पष्ट पदानुक्रम स्थापित करता है जिसमें भूमिकाएं और जिम्मेदारियां निर्धारित हैं, अलर्ट और एमआईएस रिपोर्ट तैयार करता है, और इसमें पेमेंट गेटवे और डिजिटल हस्ताक्षर सुविधा से लैस एक उपयोगकर्ता–अनुकूल डैशबोर्ड है। यह प्रणाली आंतरिक और बाहरी विभागों से आवश्यक अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) की सुगम प्राप्ति को भी सक्षम बनाती है।

आरडीडी सचिव, एजाज असद ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों के लिए भवन उपनियमों का निर्माण अंतिम चरण में है और विभाग ग्रामीण क्षेत्रों में प्रभावी और समयबद्ध तरीके से भवन निर्माण की अनुमति देने के लिए इसी तरह की एक सिंगल–विंडो ऑनलाइन प्रणाली शुरू करने की योजना बना रहा है। एलसीएमए के उपाध्यक्ष, मंजूर अहमद कादरी ने मुख्य सचिव को डल और निगीन झीलों के संरक्षण और सौंदर्यीकरण के लिए किए जा रहे उपायों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने झील पारिस्थितिकी तंत्र की रक्षा और पुनर्जीवन के उद्देश्य से चल रहे कार्यों और आगामी परियोजनाओं की स्थिति के बारे में अद्यतन जानकारी प्रदान की।

इन परियोजनाओं में खरपतवार और झील के कचरे का बायोमेथेनेशन, संगीत और उच्च–तीर वाले फव्वारों की स्थापना, झील के किनारों पर एक थीम पार्क का विकास और झील पारिस्थितिकी तंत्र के दीर्घकालिक संरक्षण के लिए एक एकीकृत प्रबंधन योजना की तैयारी शामिल है। उन्होंने इको–हैमलेट्स परियोजना के बारे में भी जानकारी दी, जिसमें पीएमडीपी और अन्य योजनाओं के तहत झील क्षेत्रों में स्थित घरों के लिए सीवरेज नेटवर्क और संबंधित विकास कार्यों का निर्माण शामिल है। मुख्य सचिव ने जम्मू और कश्मीर में शहरी विकास और पर्यावरण संरक्षण को साथ–साथ चलाने के लिए समन्वित प्रयासों, समयबद्ध क्रियान्वयन और सतत नियोजन के महत्व पर जोर दिया।

जम्मू-कश्मीर के रामबन में कथित दुर्व्यवहार के आरोप में सरकारी स्कूल के शिक्षक को निलंबित किया गया

सबका जम्मू कश्मीर

रामबन/जम्मू : गुरुवार को अधिकारियों ने एक सरकारी स्कूल के शिक्षक को सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक सामग्री पोस्ट करने के आरोप में निलंबित कर दिया।

रामबन के मुख्य शिक्षा अधिकारी (सीईओ) ने सिविल सेवा नियमों के तहत बाटोटे जोन के किलसेरी स्थित सरकारी प्राथमिक विद्यालय में तैनात द्वितीय श्रेणी के शिक्षक बलवंत सिंह को निलंबित करने का आदेश जारी किया।

आदेश के अनुसार, निलंबन अवधि के दौरान शिक्षक रामबन के सीईओ कार्यालय से संबद्ध रहेंगे। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि शिक्षक द्वारा कथित तौर पर सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक और आपत्तिजनक सामग्री पोस्ट करने के बाद यह कार्रवाई शुरू की गई, जिसमें कथित तौर पर एक विशेष समुदाय को निशाना बनाया गया था। इन पोस्टों से स्थानीय लोगों में चिंता पैदा हो गई, जिसके बाद अधिकारियों ने प्रशासनिक कार्रवाई की।

लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश की विशाल सौर ऊर्जा क्षमता का अब तक केवल एक छोटा सा हिस्सा ही उपयोग में लाया गया है

सबका जम्मू कश्मीर

जम्म : एक संसदीय स्थायी समिति ने लद्दाख की अपार सौर ऊर्जा क्षमता और उसकी नगण्य स्थापित क्षमता के बीच स्पष्ट असंतुलन पर गंभीर चिंता व्यक्त की है, और कहा है कि केंद्र शासित प्रदेश में नवीकरणीय ऊर्जा का विकास अपेक्षाओं से काफी कम है।

भारत के सबसे धूप वाले क्षेत्रों में से एक होने के बावजूद, जहां सौर विकिरण का स्तर अत्यधिक उच्च है और देश में सौर ऊर्जा उत्पादन के लिए सर्वोत्तम परिस्थितियां प्रदान करता है, लद्दाख की स्थापित सौर क्षमता केवल 11 मेगावाट या 0.01 गीगावाट (6 मेगावाट ग्राउंड माउंटेड सोलर और 5 मेगावाट आरटीएस, जिसमें पीएम–सूर्य घर योजना शामिल है) है। संसद की ऊर्जा संबंधी स्थायी समिति ने देश में सौर ऊर्जा परियोजनाओं के प्रदर्शन मूल्यांकन पर अपनी रिपोर्ट में यह उल्लेख किया है।

समिति ने इस बात पर जोर दिया है कि लद्दाख का उच्च सौर विकिरण स्तर इसे सौर ऊर्जा विकास के लिए आदर्श बनाता है, फिर भी केंद्र और क्षेत्रीय स्तर पर इस क्षमता को स्थापित क्षमता में परिवर्तित करने का प्रयास विफल रहा है। समिति ने चिंता व्यक्त की है कि वर्तमान प्रयास खंडित और स्थानीय ऊर्जा आवश्यकताओं और व्यापक नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्यों को पूरा करने के लिए अपर्याप्त हैं। हाल ही में संसद में पेश की गई रिपोर्ट में समिति ने कहा है, "हम नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय और अन्य केंद्रीय एजेंसियों से उम्मीद करते हैं कि वे लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश जैसे कम सौर ऊर्जा क्षमता वाले क्षेत्रों में सौर ऊर्जा के विकास को बढ़ावा दें। इसके लिए सहायक नीतियों, समय पर केंद्रीय वित्तीय सहायता (सीएफए) जारी करने, परियोजनाओं की नियमित निगरानी और विभिन्न मुद्दों का शीघ्र पता लगाने और समय पर समाधान के लिए निरंतर सहयोग की आवश्यकता है।"

यह मानते हुए कि भूमि अधिग्रहण सौर परियोजनाओं, विशेष रूप से बड़े पैमाने की परियोजनाओं के समय पर विकास को प्रभावित करने वाले प्रमुख मुद्दों में से एक है, स्थायी समिति ने एक एकल खिड़की मंजूरी तंत्र बनाने की सिफारिश की है, जिससे केंद्र और केंद्र शासित प्रदेश स्तर के सभी हितधारकों को एक ही स्थान पर लाया जा सके, ताकि भूमि संबंधी मुद्दों की आसानी से पहचान की जा सके और उनका समयबद्ध समाधान किया जा सके।

हरित ऊर्जा कॉरिडोर चरण–प्प्रू लद्दाख में 13 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए अंतर–राज्यीय पारेषण प्रणाली के बारे में समिति को बताया गया कि परियोजना को 15.02.2024 को मंजूरी दी गई थी और नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता 13 गीगावाट (9 गीगावाट सौर + 4 गीगावाट पवन) + 12 गीगावाट घंटा (जीडब्ल्यूएच) बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएस) है।

लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, पंजाब और हरियाणा को कवर करने वाली इस ट्रांसमिशन प्रणाली को पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड द्वारा सात वर्षों के भीतर 20,773.70 करोड़ रुपये की लागत से लागू किया जाएगा। संसदीय स्थायी समिति ने इस बात पर जोर दिया है कि निर्धारित समय–सीमा का सख्ती से पालन किया जाना चाहिए और किसी भी प्रकार की बाधाओं को दूर करने के लिए नियमित समीक्षा की जानी चाहिए। समिति की रिपोर्ट में इस बात पर बल दिया गया है कि रणनीतिक प्रोत्साहनों और ठोस कार्यान्वयन के बिना, लद्दाख अपनी विश्व स्तरीय सौर ऊर्जा क्षमता के बावजूद एक कम उपयोग वाला सौर ऊर्जा केंद्र बना रह सकता है। यदि प्रभावी ढंग से ध्यान दिया जाए, तो नवीकरणीय ऊर्जा विकास न केवल निवासियों के लिए स्वच्छ ऊर्जा सुनिश्चित कर सकता है, बल्कि भारत के व्यापक ऊर्जा परिवर्तन लक्ष्यों में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है।

इसके विपरीत, जम्मू–कश्मीर में छतों पर सौर पैनल लगाने और वितरित उत्पादन योजनाओं के माध्यम से नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में हासिल की गई उपलब्धियां लक्षित नीतिगत हस्तक्षेप के परिणामों को दर्शाती हैं। केंद्र शासित प्रदेश ने हजारों इमारतों में छतों पर सौर पैनल लगाए हैं, जो इसकी कुल स्थापित सौर ऊर्जा क्षमता का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

31 जुलाई, 2025 तक, जम्मू–कश्मीर की स्थापित सौर ऊर्जा क्षमता 74.49 मेगावाट है, जिसमें 2.49 मेगावाट ग्राउंड माउंटेड सौर ऊर्जा, पीएम–सूर्य घर योजना सहित 42.2 मेगावाट आरटीएस और 29.8 मेगावाट ऑफ–ग्रिड सौर ऊर्जा शामिल है।

पीएम–कुसुम योजना के घटक–बी के संदर्भ में, जम्मू–कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश ने स्वीकृत 5000 के मुकाबले 2955 स्टैंडअलोन सौर कृषि पंप स्थापित किए हैं, जबकि लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश में 1400 पंप स्वीकृत होने के बावजूद एक भी पंप स्थापित नहीं किया गया है, संसदीय स्थायी समिति ने यह बात उठाई।

स्थायी समिति ने नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई), विद्युत मंत्रालय और दोनों केंद्र शासित प्रदेशों के प्रशासन से स्पष्ट समयसीमा और विक्रेता चयन के साथ सौर और हाइब्रिड नवीकरणीय परियोजनाओं को तेजी से आगे बढ़ाने, ग्रिड कनेक्टिविटी और बिजली निकासी बुनियादी ढांचे में तेजी लाने और बड़े पैमाने की उपयोगिता परियोजनाओं को बढ़ाते हुए स्थानीय ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रूफटॉप सौर ऊर्जा और वितरित उत्पादन का लाभ उठाने का आग्रह किया है।

उमर के नेतृत्व वाली सरकार नेशनल कांग्रेस के संस्थापक की जयंती और 13 जुलाई की छुट्टियों को बहाल कराने में विफल रही

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : जम्मू–कश्मीर सरकार ने वर्ष 2026 के लिए आधिकारिक छुट्टियों की सूची जारी की है, जिसमें एक बार फिर नेशनल कॉन्फ्रेंस के संस्थापक शेख मोहम्मद अब्दुल्ला की जयंती (5 दिसंबर) और शहीद दिवस (13 जुलाई) को शामिल नहीं किया गया है।

सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) ने दो अलग–अलग आदेश जारी किए हैंकृसरकारी आदेश संख्या 1895–जेके (जीएडी) 2025 और सरकारी आदेश संख्या 1894–जेके (जीएडी) 2025कृजिनमें 2026 के दौरान केंद्र शासित प्रदेश में मनाए जाने वाले अवकाशों का विवरण दिया गया है।

परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881 के तहत जारी किया गया सरकारी आदेश संख्या 1895–जेके (जीएडी) 2025 मुख्य रूप से बैंकों और संबद्ध संस्थानों पर लागू होता है।

इसमें गणतंत्र दिवस, महाशिवरात्रि, जम्मू प्रांत में होली, शब–ए–क़द्र, नवरात्रि, जुमात–उल–विदा, ईद–उल–फितर, बैंकों का वार्षिक अवकाश, बैसाखी, डॉ. बी.आर. अंबेडकर की जयंती, बुद्ध पूर्णिमा, ईद–उल–अज़हा, आशूरा, स्वतंत्रता दिवस, गुरु हरगोबिंद जी का जन्मदिन, ईद–ए–मिलाद–उन–नबी, जन्माष्टमी, महाराजा हरि सिंह का जन्मदिन, महात्मा गांधी का जन्मदिन, दशहरा, विलय दिवस, दिवाली, गुरु नानक देव जी का जन्मदिन और क्रिसमस सहित 25 सार्वजनिक अवकाशों की अधिसूचना जारी की गई।

आदेश में कहा गया है कि सभी मुस्लिम अवकाश चांद दिखने पर ही मान्य होंगे।

इसके अलावा, सरकारी आदेश संख्या 1894–जेके 2025 में जम्मू–कश्मीर भर में सरकारी कार्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों के लिए अवकाश निर्दिष्ट किए गए हैं। इनमें गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस, महाशिवरात्रि, ईद–उल–फितर, ईद–उल–अज़हा, जन्माष्टमी, दिवाली, गुरु नानक देव जी का जन्मदिन और क्रिसमस जैसे प्रमुख राष्ट्रीय और धार्मिक पर्व शामिल हैं। इस आदेश के अंतर्गत मुस्लिम त्योहार भी चंद्रमा के दिखने पर निर्भर हैं।

आदेश में प्रांतीय, स्थानीय और प्रतिबंधित त्योहारों का भी उल्लेख किया गया है।

कश्मीर प्रांत में, प्रांतीय त्योहारों में शब–ए–मिराज के बाद का शुक्रवार, उर्स शाह–ए–हमदान साहिब, मेला खीर भवानी और उर्स शेख नूर–उद–दीन साहिब शामिल हैं। जम्मू प्रांत में, लोहड़ी, श्री गुरु रवि दास का जन्मदिन और होली को प्रांतीय त्योहार घोषित किया गया है।

चुनिंदा जिलों और क्षेत्रों के लिए स्थानीय त्योहार घोषित किए गए हैं, जिनमें जम्मू जिले में मेला बहू किला, किश्तवार में उर्स शाह फरीद–उद–दीन साहिब और डोडा और किश्तवार के कुछ हिस्सों में सार्थल देवी जी यात्रा, कैलाश यात्रा और मेला पट शामिल हैं।

महावीर जयंती, गुड फ्राइडे, परशुराम जयंती, गुरु अर्जुन देव जी का शहादत दिवस, कबीर जयंती और रक्षा बंधन जैसी छुट्टियां प्रतिबंधित हैं, और इनकी प्रयोज्यता जिले या प्रांत के अनुसार भिन्न–भिन्न है।

यह उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा 5 दिसंबर और 13 जुलाई को आधिकारिक अवकाश बहाल करने के प्रयास अब तक सफल नहीं हुए हैं। इस वर्ष की शुरुआत में, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने 14 जुलाई को श्रीनगर स्थित शहीदों के कब्रिस्तान का दौरा किया, जहां उन्हें परिसर में प्रवेश करने और श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए चारदीवारी फांदते हुए देखा गया।

गोयल को सीआईसी नियुक्त किया गया

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : पूर्व विधि सचिव राज कुमार गोयल को केंद्रीय सूचना आयोग का प्रमुख नियुक्त किया गया है, जबकि आठ अन्य, जिनमें से अधिकांश पूर्व सिविल सेवक हैं, को सूचना आयुक्त के रूप में चुना गया है। गोयल जम्मू–कश्मीर कैडर के आईएएस अधिकारी थे और उन्होंने जम्मू–कश्मीर और नई दिल्ली में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है।

इसके साथ ही, 11 सदस्यीय केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) ने पिछले सात वर्षों में पहली बार पूर्ण संख्या प्राप्त कर ली है। केंद्रीय पारदर्शिता पैनल सितंबर से ही बिना प्रमुख के था और केवल दो सूचना आयुक्तों के साथ काम कर रहा था।

गोयल सोमवार को सुबह 11 बजे मुख्य सूचना आयुक्त के रूप में शपथ लेंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू गोयल को शपथ दिलाएंगी, जो बाद में आठों सूचना आयुक्तों को शपथ दिलाएंगे।

रिक्त पदों को भरने का निर्णय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली चयन समिति की बैठक के बाद लिया गया, जिसमें गृह मंत्री अमित शाह और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी सदस्य थे। बैठक में राहुल ने असहमति पत्र प्रस्तुत किया।

आत्मसमर्पण करने वाले आतंकवादियों ने उन लोगों की जगह ले ली है जिन्होंने परियोजना के लिए जमीन दी थी

सबका जम्मू कश्मीर

जम्म : पहाड़ी किश्तवार जिले में जलविद्युत परियोजना के लिए नियुक्त कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी द्वारा 230 श्रमिकों की छंटनी, विवादास्पद ठेकेदारों की नियुक्ति और कश्मीर से एक मानव संसाधन अधिकारी की नियुक्ति से स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया है। स्थानीय लोगों का दावा है कि संवेदनशील क्षेत्र में परियोजना कार्यों में आत्मसमर्पण कर चुके आतंकवादियों को भी लगाया जा रहा है।

हालांकि, मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (एमईआईएल) के संयुक्त मुख्य परिचालन अधिकारी, हरपाल सिंह, जिन पर श्रमिकों को बेदखल करने और सभी विवादास्पद कृत्यों के आरोप हैं, ने बार–बार किए गए फोन कॉल का जवाब नहीं दिया। उन्होंने मीडिया के एक वर्ग को बताया कि स्थानीय विधायक परियोजना कार्यों में हस्तक्षेप कर रहे हैं।

यहां यह उल्लेख करना प्रासंगिक है कि विद्युत मंत्रालय के अधीन भारत की प्रमुख जलविद्युत कंपनी एनएचपीसी लिमिटेड ने जम्मू–कश्मीर राज्य विद्युत विकास निगम लिमिटेड (जेकेएसपीडीसी) के साथ संयुक्त उद्यम कंपनी (जेवीसी) रैटले हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड का गठन किया है, ताकि द्राबशल्ला गांव में चिनाब नदी पर रन–ऑफ–रिवर जलविद्युत संयंत्र का कार्यान्वयन किया जा सके। इस जेवीसी का गठन एनएचपीसी और जेकेएसपीडीसी के साथ 1 जून, 2021 को हुआ था। निर्माण कार्य एमईआईएल द्वारा किया जा रहा है।

सूत्रों ने बताया कि किश्तवार जिले में 850 मेगावाट की रतले जलविद्युत परियोजना के निर्माण में 1,434 लोगों को रोजगार मिला था, जिनमें से 960 किश्तवार जिले से, 220 डोडा से, 24 रामबन से और 215 जम्मू–कश्मीर के बाहर से थे।

उन्होंने बताया कि निकाले गए कर्मचारियों में से लगभग 35 वे लोग हैं जिनकी जमीनें इस जलविद्युत परियोजना में हड़प ली गई हैं। परियोजना में अपनी जमीन खो चुके एक निकाले गए कर्मचारी ने कहा, "हमें परिवार का भरण–पोषण करना है, हमारे बच्चों को भी शिक्षा की जरूरत है और हमारे कई अन्य खर्चे भी हैं।" उन्होंने आगे कहा कि सितंबर 2025 में जिस तरह से उन्हें नौकरी से निक. ाला गया वह अनैतिक था।

प्रभावित कर्मचारी अपने परिवारों के साथ किश्तवार जिला प्रशासन के कार्यालयों में भी गए और हरपाल सिंह से पूछताछ की गई, जिसके बाद उन्होंने निकाले गए कर्मचारियों को फिर से काम पर रखने का आश्वासन दिया, लेकिन वे किसी न किसी बहाने से ऐसा करने से बचते रहे। परियोजना से जुड़े सूत्रों ने बताया कि सिंह कश्मीर से एक नए महाप्रबंधक (जीएम एचआर) को भी लाए थे, जिन्होंने आत्मसमर्पण कर चुके आतंकवादियों को भी काम पर लगा दिया था। किश्तवार एक संवेदनशील इलाका होने के कारण, स्थानीय लोगों ने इस तरह के अजीब घटनाक्रम पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने यह भी कहा कि सिंह की एक राजनीतिक दल से निकटता तब उजागर हुई जब उन्होंने कुछ चुनिंदा ठेकेदारों को हटाकर काम दूसरों को सौंप दिया, ताकि कश्मीर स्थित एक विशेष राजनीतिक दल के अपने आकाओं के साथ अच्छे संबंध बनाए रख सकें।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

सुरेश शर्मा ने पंचायत कनेडी में बनी दो सड़कों का किया लोकार्पण

सबका जम्मू कश्मीर

अखनूर। भाजपा नेता एवं जिला विकास परिषद के सदस्य पंडित सुरेश शर्मा ने ब्लॉक चौकी चौरा की पंचायत कनेडी में लोगों की बहुत ही लंबित मांगों को पूरा करते हुए 30 लाख रुपए की लागत से बने खैंडा मोहल्ला सडक मार्ग और कनेडी पुडून सड़क मार्ग का लोकार्पण किया।

खैंडा मोहल्ला सडक मार्ग लोगों की मांग थी और कनेडी से पूडुन सडक मार्ग जो कि बरसात के दिनों अक्सर बंद हो जाती थी लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। इस सड़क मार्ग पर 5 लाख रुपए की राशि जिला विकास परिषद निधी से भी खर्च की गई है जिसे गांव पूडुन, मनाल वगला, गंन्नी के लोगों को इसका लाभ मिलेगा।

जनता दरबार के दौरान लोगों ने इसकी पूरजोर मांग रखी थी पक्का सड़क मार्ग न होने की वजह से लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था जिसका आज लोकार्पण किया गया। सुरेश शर्मा ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा प्रत्येक गांव मोहल्ले को पक्के सड़क मार्ग के साथ जोड़ने के संकल्प को लेकर हम आगे बढ़ रहे हैं। सुरेश शर्मा ने कहा देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जम्मू कश्मीर में बड़े–बड़े मेगा प्रोजेक्ट्स पर काम चल रहा है जिसमें जम्मू–पुंछ राष्ट्रीय राजमार्ग और कनेडी पंचायत में ही सबसे बड़ा टनल बन रहा है जिसका काम तेजी से चल रहा है।

यह सब मोदी सरकार के कुशल नेतृत्व से ही संभव हो पा रहा है। आने वाले दिनों में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना–4 के अंतर्गत जुथल–थोरनी सड़क मार्ग का निर्माण कार्य शुरू होने वाला है और 9 करोड रुपए की लागत से नाबार्ड के अंतर्गत में मेहाडी ब्रिज पर भी काम शुरू हो गया है। इसके अलावा सुरेश शर्मा ने कहा आने वाले समय में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना–4 के तहत कनेडी से पुडून मनाल बगला, संडल से पलेल, सुलिया, घार से कनाह, जालडा से कनाह,कनाह–बसाबा सड़क मार्ग जिनकी डीपीआर तैयार हो चुकी है आने वाले समय में इन सड़क का निर्माण कार्य क्षेत्र में तरक्की की नई गाथा लिखेगा जब पिछड़े हुए गांवों में सड़क मार्ग बनेंगे। लोगों ने सुरेश शर्मा का जोरदार स्वागत कर सड़क मार्गों के निर्माण कार्य के लिए धन्यवाद किया। इस मौके पर भाजपा नेता कैप्टन बीडी शर्मा, मंडल अध्यक्ष अशोक कुमार शर्मा, मंडल महामंत्री राक.श शर्मा, पूर्व सरपंच आशु देवी, चमन लाल, चुन्नीलाल, पूर्व पंच मोहन लाल, पुरशोतम लाल, कैप्टन जगदीश राज, रिटायर्ड इंस्पेक्टर बंस.लाल, कौशल शर्मा, विभाग के अधिकारी व अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सुचेतगढ़ विधायक ने सड़क पर तारकोल बिछाने का कार्य करवाया शुरू

सबका जम्मू कश्मीर

आरएस पुरा। सुचेतगढ़ विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक प्रोफेसर गारू राम भगत ने रविवार को गांव चक मोहम्मद यार से लेकर गांव टांडा तक जाने वाले लिंक मार्ग पर तारकोल बिछाने का कार्य शुरू करवाया। पहले चरण के तहत लगभग 1 किलोमीटर लिंक मार्ग पर तारकोल डाली जाएगी जिस पर लगभग 26 लाख रुपए की राशि खर्च होगी। इस मौके पर भाजपा के मंडल अध्यक्ष देवी दिता नीटा, सूरज सिंह चौहान, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के वरिष्ठ नेता जोगिंदर सिंह राजू, नथाराम, देवी दास, नंबरदार राजकुमार, साहिल महाजन सहित काफी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे। इस मौके पर विधायक प्रोफेसर गारू राम भगत ने कहा कि सड़क की हालत पिछले लंबे समय से काफी खस्ता बनी हुई थी और खासकर बरसात के दिनों में इस सड़क से गुजरना भी मुश्किल हो जाता था जिसके चलते आज इस महत्वपूर्ण सड़क पर तारकोल बिछाने का कार्य शुरू करवाया गया है। उन्होंने बताया कि लगभग 1 किलो मीटर लंबे लिंक मार्ग पर तारक.ोल डालने में 26 लाख रुपए की राशि खर्च होगी। उन्होंने कहा कि उनका प्रयास रहेगा कि आने वाले दिनों में भी दूसरे चरण के तहत कार्य शुरू करवाया जाए ताकि पूरी सड़क पक्की हो सके। उन्होंने बताया कि सड़क पक्की होने से क्षेत्र के हजारों लोगों को फायदा मिलेगा क्योंकि इस सड़क पर क्षेत्र की दर्जनों पंचायत के लोग निर्भर करते हैं। विधायक ने कहा कि लोगों को बेहतर बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने के लिए लगातार प्रयास किया जा रहे हैं और बिजली, पानी, सड़क जैसी मूलभूत सुविधाएं देने में केंद्र सरकार लगातार प्रयास कर रही है।

भंडारकुट, किश्तवाड़ में सैनिक व मिलिट्री स्कूल अभ्यर्थियों के लिए भारतीय सेना की 30 दिवसीय कोचिंग पहल

सबका जम्मू कश्मीर

किश्तवाड : दूरदराज और पिछड़े क्षेत्रों के युवाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए भारतीय सेना ने सैनिक स्कूल और मिलिट्री स्कूलों में प्रवेश की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए 30 दिवसीय कोि.चंग कार्यक्रम की शुरुआत की है। यह विशेष कार्यक्रम जम्मू–कश्मीर के जिला किश्तवाड़ के भंडारकुट क्षेत्र में 11 दिसंबर 2025 से 10 जनवरी 2026 तक आयोजित किया जा रहा है।

इस पहल का मुख्य उद्देश्य ऐसे मेधावी और योग्य छात्रों को संरचित शैक्षणिक मार्गदर्शन प्रदान करना है, जो सीमित संसाधनों और अवसरों के कारण गुणवत्तापूर्ण कोचिंग से वंचित रह जाते हैं। भारतीय सेना ने इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए इस कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की है कि ग्रामीण और सुदूर क्षेत्रों में रहने वाले छात्रों में अपार प्रतिभा होती है, लेकिन उन्हें अक्सर उचित मार्गदर्शन, प्रशिक्षण और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध नहीं हो पाते।

इसी अंतर को पाटने के लिए सेना द्वारा यह कोचिंग कार्यक्रम शुरू किया गया है, ताकि इन छात्रों को समान शैक्षणिक अवसर मिल सकें और वे भी राष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित संस्थाओं में प्रवेश पा सकें।

इस 30 दिवसीय कोचिंग कार्यक्रम में सैनिक स्कूल और मिलिट्री स्कूलों की प्रवेश परीक्षाओं के अनुरूप पाठ्यक्रम तैयार किया गया है। इसमें विज्ञान, गणित, सामान्य अध्ययन और अंग्रेज़ी जैसे प्रमुख विषयों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जिससे छात्रों की समग्र और संत.ुलित तैयारी सुनिश्चित हो सके। कक्षा शिक्षण के साथ–साथ विषयों की गहराई से समझ विकसित करने पर जोर दिया जा रहा है, ताकि छात्र न केवल परीक्षा में सफल हों बल्कि एक मजबूत शैक्षणिक आधार भी प्राप्त कर सकें।

कार्यक्रम के दौरान अनुभवी शिक्षकों और प्रशिक्षित प्रशिक्षकों द्वारा नियमित कक्षाएं संचा.लित की जा रही हैं। छात्रों की प्रगति का आकलन करने और उनकी कमजोरियों को पहचानने के लिए समय–समय पर मॉक टेस्ट और मूल्यांकन भी कराए जा रहे हैं। इसके अलावा, प्रत्येक छात्र की व्यक्तिगत जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विशेष मेंटरशिप पर भी जोर दिया जा रहा है, ताकि उनके संदेह दूर किए जा सकें, अवधारणाएं स्पष्ट हों और उनमें आत्मविश्वास का निर्माण हो सके।

यह पहल भारतीय सेना की उस दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जिसके तहत वह ग्रामीण और वंचित पृष्ठभूमि से आने वाले युवाओं की प्रतिभा को पहचानने और निखारने का कार्य कर रही है।

अधिवक्ता केपी सिंह ने भारत के संविधान स्मृति चिन्ह देकर महंत राजू चंदेल को सम्मानित किया

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू । सार्थक चैरिटेबल ट्रस्ट के प्रमुख अध्यक्ष अधिवक्ता केपी सिंह ने आज भाजपा वरिष्ठ नेता एवं महंत गुरु जी राजू चंदेल को भारत के संविधान स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया इस मौके पर भाजपा प्रदेश महामंत्री रूपेश मेहरा राम भूल सिंह श्रीमती शांति देवी कांची लाल सहित गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

इस मौके पर स्वास्तिक चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष अधिवक्ता केपी सिंह ने बोलते हुए कहा कि हमारे महंत राजू चंदेल जो की सामाजिक धार्मिक और राजनीतिक मंचों परबाबा साहब अंबेडकर की विचारधारा को आगे बढ़ने का कार्य कर रहे हैं वह भिन्न–भिन्न क्षेत्रों में समाज को समाज के लोगों को नई दिशा दिखाते हुए समाज के उत्थान में कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं आज हमें उन्हें सम्मानित करते हुए गर्व व फक्र महसूस हो रहा है।

हमारे महंत चंदेल जी समाज के लिए एक प्रेरणा स्रोत हैं और समाज को नई दिशा देने वाले ऐसे महापुरुषों के साथ हमें कंधे से कंधा मिलाकर चलने की अति आवश्यकता है जो सम्मान आज हमने अपने चैरिटेबल ट्रस्ट की तरफ से महंत गुरु जी राजू चंदेल को दिया है वाक्य में यह इस के हकदार हैं आप बाबा साहब के आदर्शों और सिद्धांतों को संपूर्ण देश भर में ऊंचाइयों पर लेकर जाने का कार्य बड़ी ईमानदारी के साथ कर रहे हैं आप राष्ट्रीय वाल्मीकि सेना के राष्ट्रीय चेयरमैन के पद पर होने के नाते लगातार बाबा साहब डॉ भीमरावअंबेडकर के प्रत्येक जन्म शताब्दी आदि कार्यक्रमों को देशभर में जन–जन तक करने का कार्य पिछले लंबे अरसे से करते चले आ रहे हैं।

भारतीय सेना ने पुंछ में गुर्जर और बकरवालों के साथ बातचीत की

सबका जम्मू कश्मीर

पुंछ : भारतीय सेना ने 13 दिसंबर 2025 को बटालियन के एरिया ऑफ़ रिस्पॉन्सिबिलिटी के सभी इलाकों में ष्गुर्जर और बकरवालों के साथ बातचीतष् का आयोजन किया। स्थानीय लोगों के साथ तालमेल बिठाकर नई ऊंचाइयों को हासिल करने की अपनी लगन को जारी रखते हुए, भारतीय सेना हमेशा सौहार्दपूर्ण नागरिक–सैन्य संबंध बनाए रखने में सबसे आगे रही है।

इस बातचीत के दौरान शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक–आर्थिक विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई।

भारतीय सेना ने इस अवसर का उपयोग समुदाय की चिंताओं को दूर करने और भविष्य में सहयोग और समर्थन के रास्ते तलाशने के लिए किया।

इस पहल का मकसद क्षेत्र में शांति, विकास और सद्भावना को बढ़ावा देना है।

यह पहल सभी समुदायों, खासकर दूरदराज और पिछड़े इलाकों में रहने वालों के कल्याण के प्रति भारतीय सेना की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। समुदाय के सदस्यों ने भारतीय सेना के प्रयासों के लिए आभार व्यक्त किया और उन्हें दिए जा रहे लगातार समर्थन की सराहना की।

एनसीआर में अवैध नेटवर्क की जड़ें : गाज़ियाबाद, लोनी : नोएडा में झोपड़ियों से फर्जी पहचान तक का पूरा खेल

रविंद्र आर्य

इमिग्रेशन और विदेशियों संबंधी विधेयकदृ2025 लागू होने के बाद दिल्लीदृएनसीआर के कई इलाक़ों में जो हलचल हुई, दिल्ली के बाद उसका सबसे बड़ा असर गाज़ियाबाद और नोएडा पर दिखाई दे रहा है। यहाँ पिछले कई वर्षों से बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुस्लिम समूह बेहद सुनियोजित तरीके से 'अदृश्य आबादी' बनकर रह रहे थेकृकभी झोपड़ियों में, कभी कबाड़ी बनकर, कभी कूड़ा बीनने वाले के रूप में, और कभी स्थानीय मुस्लिम बस्तियों में किरायेदार बनकर।

यह नेटवर्क न तो अचानक बना, न अचानक खत्म होगाकृलेकिन नया इमिग्रेशन क़ानून इसकी जड़ों पर सीधी चोट है।

'उड़ीसा से उत्तर प्रदेश तकरू अवैध घुसपैठ, जनसांख्यिकीय दबाव और राज्य की प्रतिक्रिया'

भारत के अलगदृअलग हिस्सों से आ रही घटनाएं पहली नजर में असंबद्ध लग सकती हैं, लेकिन गहराई से देखने पर इनके सूत्र एक ही सवाल से जुड़ते हैंकृदेश के भीतर अवैध रूप से बसते विदेशी समूह, प्रशासनिक शिथिलता और देर से जागती राज्य शक्ति।

उड़ीसा के मलकानगिरी ज़िले में हाल ही में जो हुआ, उसने पूरे देश को चौंका दिया। हथियारबंद आदिवासी समूहों द्वारा कथित रूप से बांग्लादेशी मूल के लोगों के एक पूरे गांव को निशाना बनाकर लगभग 150 घर जला दिए जाने की घटना ने यह प्रश्न खड़ा किया कि हालात यहां तक कैसे पहुँचे। यह केवल एक हिंसक घटना नहीं, बल्कि वर्षों से सुलगते असंतोष, संसाधनों पर दबाव और पहचान के संघर्ष का विस्फोट था। आदिवासी इलाकों में बाहरी आबादी की चुपचाप होती बसावट, स्थानीय रोज़गार, ज़मीन और सांस्कृतिक संतुलन को प्रभावित करती रही हैकृजिस पर समय रहते न तो प्रशासन ने ध्यान दिया और न ही राजनीतिक इच्छाशक्ति दिखाई दी।

ऐसी ही एक और तस्वीर जम्मू क्षेत्र में करीब 15 वर्ष से बसे वर्मा के आये रोहिंग्या मुस्लिम की घटना हाली मे देखने को मिली है, जब म्यांमार (वर्मा) से आए रोहिंग्या मुस्लिम शरणार्थी धीरेदृधीरे वहां बसते चले गए। आज स्थिति यह है कि उन्होंने अपनी बस्ती का नाम तक "वर्मा कॉलोनी" रख दिया। यह केवल नामकरण नहीं था, बल्कि एक स्थायी उपस्थिति की घोषणा थी। वर्षों तक चले इस मौन विस्तार पर जब सवाल उठे, तब तक बहुत देर हो चुकी थी। स्थानीय प्रशासन, खुफिया एजेंसियां और राजनीतिक नेतृत्वकृसबने अलगदृअलग स्तर पर आंखें मूंदे रखीं।

'मलकानगिरी की आग और ट्रांस हिंडन की रातेंरू भारत के भीतर छिपे समानांतर संकट'

अब उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद के ट्रांस हिंडन क्षेत्र, विशेषकर इंद्रा. पुरम थाना क्षेत्र में जो हो रहा है, वह इसी पृष्ठभूमि में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पहली बार ऐसा देखने में आ रहा है कि रात्रिकालीन स्तर पर व्यापक पुलिस अभियान चलाया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के बाद पुलिस रात के समय उन संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान और जांच कर रही है, जो दिन में गायब रहते हैं और रात में ठिकानों पर लौटते हैं। ठंड के मौसम में यह कार्रवाई इसलिए भी प्रभावी मानी जा रही है क्योंकि अस्थायी ठिकानों और झुग्गी बस्तियों तक पहुंच आसान हो जाती है।

जानकारी के अनुसार, वर्ष 2003 के बाद अवैध रूप से भारत आए बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुस्लिम, कनवानी गांव, इंद्रापुरम के श्मशान घाट क्षेत्र और कौशांबीदृदिल्ली बॉर्डर के आसपास झुग्गीदृझोपड़ियां बनाकर रह रहे थे। लंबे समय तक यह बसावट 'मजदूरी' और 'गरीबी' के नाम पर अनदेखी होती रही। लेकिन हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के आदेशों और उसके बाद उत्तर प्रदेश सरकार की सक्रियता ने इस पूरे नेटवर्क में हलचल पैदा कर दी है।

यह संयोग नहीं है कि मलकानगिरी में आग भड़की, जम्मू में कॉलोनियां स्थायी हुईं और अब गाजियाबाद में रातें जाग रही हैं। ये घटनाएं बताती हैं कि जब राज्य समय पर निर्णय नहीं लेता, तो समाज अपने तरीके से प्रतिक्रिया करता है, जो अक्सर हिंसक और अराजक हो जाती है। सवाल यह नहीं है कि कार्रवाई होनी चाहिए या नहींकृ सवाल यह है कि क्या यह कार्रवाई समय रहते, कानून के दायरे में और बिना सामाजिक विस्फोट के की जा सकती थी?

आज ट्रांस हिंडन की रातों में चल रही पुलिस की टॉर्च केवल संदिग्ध चेहरों को नहीं तलाश रही, बल्कि उन वर्षों की लापरवाही को भी उजागर कर रही है, जिनकी कीमत अब देश अलगदृअलग मोर्चों पर चुका रहा है।

'मतदाता पहचान पत्र नाले में कृ लोकतंत्र की नींव हिलाने वाली लापरवाही और सुनियोजित साजिशों का जाल'

देश के कई राज्यों में मतदाता पहचान पत्रों के नाले–नालियों में मिलने की घटनाएँ एक भयावह संकेत बन चुकी हैं। कुछ दिन पहले उत्तर प्रदेश में आधार और वोटर–आईडी कार्डों का पोस्ट ऑफिस से

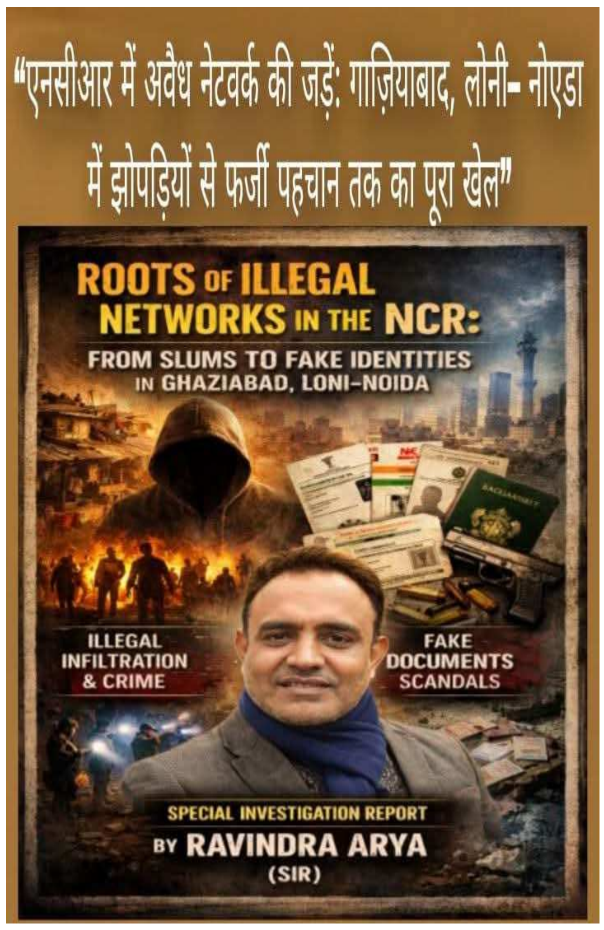

पहले ही नाले में बहते हुए मिलना सामने आया था, जिसने स्थानीय प्रशासन से लेकर निर्वाचन आयोग तक सभी को कठघरे में खड़ा कर दिया। इससे पहले भी यूपी के कई जिलोंकृविशेषकर अलीगढ़ और मुज़फ्फरनगरकृमें फर्जी वोटिंग, मृतकों के नाम वोटर–लिस्ट में पाए जाने, और मतदाता सत्यापन में लापरवाही के प्रमाण मिल चुके हैं। सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वयं अधिकारियों की बैठक में इस गंभीर अनियमितता पर नाराज़गी जताई और साफ कहा कि उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची शुद्धिकरण अभियान (ैत्त) में देरी और लापरवाही किसी भी रूप में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

इसी बीच पश्चिम बंगाल के नदिया जिले से एक और चौंकाने वाली घटना सामने आई, जहां नवद्वीप में एक नाले से लगभग 50 मतदाता पहचान पत्र बरामद किए गए। पुलिस और निर्वाचन विभाग द्वारा चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान इन कार्डों का मिलना राजनीतिक विस्फोट में बदल गया। तृणमूल कांग्रेस और विपक्षी दल भाजपा के बीच तुरंत आरोप–प्रत्यारोप शुरू हो गएकृकौन कार्ड फेंक रहा है, किसके इशारे पर मतदाता सूचियों में गड़बड़ी की जा रही है, और इन पहचान पत्रों का उपयोग फर्जी वोट डालने के लिए होने वाला था या नहीं। जाँच के दौरान कई नाम नदिया नगरपालिका के वार्ड–4 की सूची से मेल खाते पाए गए, हालांकि कुछ नागरिकों ने दावा किया कि उनके पास उनके मूल मतदाता पहचान पत्र पहले से मौजूद हैं। यह सवाल अब भी बरकरार है कि फिर ये कार्ड नाले में पहुँचे कैसेकृक्या यह प्रशासनिक लापरवाही थी या किसी राजनीतिक लाभ के लिए सुनियोजित साजिश?

उधर उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी के निर्देशों ने इस मुद्दे पर नए सवाल खड़े कर दिए हैं कि आखिर मतदाता सूची के पुनरीक्षण में फर्जी वोटिंग सबसे अधिक अलीगढ़ और मुज़फ्फरनगर में क्यों दिखी। योगी ने साफ कहा कि विपक्षी दलों ने वर्षों तक मतदाता सूचियों को अवैध रूप से प्रभावित किया, मृतकों के नाम शामिल कर फर्जी वोटिंग का आधार तैयार किया, और अब भी जब सूची शुद्ध करने का समय आया है तो अनेक बाधाएँ सामने आ रही हैं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों की बड़ी बैठक में चेतावनी दी कि मतदाता सूची में 100 प्रतिशत पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए और जो भी कर्मचारी या अधिकारी इस कार्य में लापरवाही करेगा, उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई होगी।

इन तीनों घटनाओंकृयूपी में नाले से आधार/वोटर–आईडी मिलने, नदिया में 50 वोटर–आईडी मिलने, और उत्तर प्रदेश में फर्जी वोटिंग पर सीएम की कड़ी फटकारकृने भारत के लोकतंत्र की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी "मतदाता पहचान" की विश्वसनीयता पर गहरा प्रश्नचिह्न लगा दिया है। यह केवल प्रशासनिक गड़बड़ी नहीं है, बल्कि यह पूरे चुनावी तंत्र को हिलाने वाली समस्या है। मतदाता पहचान पत्र लोकतंत्र का मूल अधिकार है; जब यही नालों में बहता मिले, अपमानित हो, या गलत हाथों में जाए तो चुनाव प्रक्रिया का पूरा ढांचा संदिग्ध हो जाता है। सवाल यह है कि क्या ये घटनाएँ केवल लापरवाही हैं, या फिर किसी राजनीतिक लाभ, धार्मिक–सांप्रदायिक ध्रुवीकरण, या संगठित फर्जी वोट नेटवर्क का हिस्सा?

चुनावी राजनीति में सबसे निचले स्तर पर काम करने वाले तत्वकृ जो कभी झोपड़ियों में रहते, फुटपाथों पर भीख माँगते, या थोड़े पैसों के लिए किसी भी काम को तैयार मिल जाते हैंकृअक्सर ऐसे नेटवर्कों में मोहरा बना दिए जाते हैं। कार्ड उठाकर कहीं फेंक देना, किसी वार्ड में काग़ज़ी जाल बिछाना, मृतकों के नाम वोट डालवानाकृइन सब में वही सबसे आसान निशाना होते हैं। ये घटनाएँ उन अदृश्य परतों को उजागर करती हैं जो लोकतंत्र की जड़ों में कीड़ा बनकर घुस चुकी हैं।

आज आवश्यकता इस बात की है कि मतदाता सूची सत्यापन को सिर्फ़ एक औपचारिक प्रक्रिया न मानकर इसे सुरक्षा प्रक्रिया की तरह सख़्ती से लागू किया जाए। डाक विभाग, नगरपालिकाएँ, प्रशासनिक अधिकारी, ब्लॉक स्तर के कर्मचारीकृसभी पर निगरानी मजबूत हो। साथ ही यह भी सुनिश्चित हो कि मतदाता पहचान पत्रों का वितरण हाई–सिक्योरिटी प्रक्रिया के तहत हो, जिससे किसी भी स्तर पर कार्ड खोने, चोरी होने या फेंकने जैसी घटनाएँ दोबारा न हों।

लोकतंत्र केवल वोट देने से नहीं चलता; यह तब चलता है जब वोट की प्रक्रिया पारदर्शी, स्वच्छ, सुरक्षित और विश्वसनीय हो। नालों से वोटर–आईडी मिलने की शर्मनाक घटनाएँ हमें याद दिलाती हैं कि लो. कतंत्र की जड़ें उतनी मजबूत नहीं हैं, जितना हम मानते हैं। इन घटनाओं का गंभीर, निष्पक्ष और कठोर परिणामों वाला समाधान ही आने वाले समय में चुनावों के प्रति जनता का विश्वास बचा सकता है।

'"भारत की सीमाओं के भीतर समानांतर बस्तियाँरू रोहिंग्यादृबांग्लादेशी अपराध कथाएँ"'

अमरोहा के मंडी धनौरा में अवैध रूप से रहने वाली बांग्लादेशी महिला रीना बेगम और उसके पति राशिद अली को पुलिस ने गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया है. बताया गया कि खुफिया विभाग के अधिक. ारियों ने दोनों से कई घंटों तक पूछताछ की है. खुफिया विभाग के अधिकारियों को उनके कब्जे से निकाह की रसीद मिली है.

पूछताछ में इन दोनों ने बताया है कि कुछ साल पहले सऊदी अरब में दोनों ने निकाह किया था. इसके बाद महिला अक्टूबर 2025 को नेपाल के रास्ते से पति के साथ भारत आ गई. पुलिस ने बांग्लादेशी महिला के खिलाफ विदेशी अधिनियम और उसके पति राशिद पर शरण देने के आरोप में एफआईआर दर्ज की है.

उत्तर प्रदेश की स्पेशल टास्क फोर्स ने हजारों की संख्या में फर्जी आधार कार्ड बनाने वाले गिरोह का भंडाफोड़ कर दिया है। एसटीएफ ने गिरोह के मास्टरमाइंड प्रमोद कुमार निषाद को गिरफ्तार कर लिया है। 28 वर्षीय प्रमोद निषाद बहराइच जिले का रहने वाला है। एसटीएफ के मुताबिक, आरोपी प्रमोद ने अब तक 18 से 19 हजार आधार कार्ड अपडेट या बनाए हैं।

उसके पास से 2 अदद मोबाइल फोन, 1 लैपटाप, 2 एटीएम कार्ड, 1 आधार कार्ड, 1 चेक बुक, 1 बायोमैट्रिक स्कैनर, 1 रेटिना स्कैनर, 1 वेबकैम, 87 वर्क मोबाइल फोन से लिए गए स्क्रीन शाट और अन्य दस्तावेजों की छाया प्रति, कार और 2680 रुपये नकद बरामद हुए हैं।

पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (ैप्ट) के पहले चरण में कई गंभीर खामियां उजागर हुई हैं। विशेष रूप से 2002 की मतदाता सूची के आधार पर नए मतदाताओं की पहचान, उनके पारिवारिक विवरण और मिलान प्रक्रिया में कई अनियमितताएं सामने आई हैं।

इंडियन एक्सप्रेस ने चुनाव आयोग के आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया है कि 85,01,486 मामलों में मतदाताओं के पिता का नाम गलत है या आपस में मेल नहीं खाता, जो कुल मतदाताओं का करीब 11.09 प्रतिशत है। इसके अलावा 24,21,133 मतदाता ऐसे दर्ज पाए गए हैं, जिनके छह से अधिक बच्चे दर्शाए गए हैं। माता–पिता की उम्र से जुड़े आंकड़ों में भी कई विसंगतियां पाई गई हैं।

लगभग 13 लाख मामलों में मतदाता और उसके माता–पिता के बीच उम्र का अंतर 15 वर्ष से कम दर्ज है, जबकि 8,77,736 मामलों में यह अंतर 50 वर्ष से अधिक पाया गया, जो व्यवहारिक रूप से संभव नहीं माना जा रहा। विस्तारित परिवार से जुड़े आयु रिकॉर्ड में भी खामियां मिली हैंकृ3,29,152 मामलों में दादा–दादी या नाना–नानी के साथ उम्र का अंतर 40 वर्ष से कम दर्शाया गया है।

इसके अलावा कुल 58,08,232 एन्यूमरेशन फॉर्म अब तक ब्लॉक लेवल ऑफिसर (ठस्व्) ऐप पर अपलोड नहीं किए गए। इनमें 24,18,699 मृत मतदाता, 12,01,462 लापता, 19,93,087 स्थायी रूप से अन्य राज्यों में बसे, 1,37,475 दोहराए गए नाम वाले मतदाता और 57,509 अन्य श्रेणियों से जुड़े मामले शामिल हैं।

भारत की सुरक्षा ढांचे के लिए यह निर्णायक मोड़ हैकृ
'"अवैध नेटवर्क अपने ही तरीकों में फँसने लगा है।"'

लेखकरू रविंद्र आर्य
स्पेशल इन्वेस्टिगेशन रिपोर्ट (ैप्ट)

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

'बंदे मातरम' पर बहस : नेहरू का क़द कहीं अधिक बड़ा हो गया है!'

(वंदे मातरम के मूल बांग्ला स्वरूप को ध्यान में रखते हुए इस लेख में बंदे मातरम शब्द प्रयुक्त किया गया है।)

कृष्ण प्रताप सिंह

कुछ मुसलमानों द्वारा बंदे मातरम का विरोध किए जाने का कोई सवाल नहीं है और हममें से ज्यादातर लोगों पर यहां इस बात का कोई असर नहीं है। ३(लेकिन क्या किया जाए कि) हममें से ज्यादातर लोग बड़ी शिद्दत से महसूस करते हैं कि मौजूदा संदर्भ में बंदे मातरम राष्ट्रगान बनाने के लिए सर्वथा अनुपयुक्त है। ३.हां, जहां तक जन–गण–मन को राष्ट्रगान बनाए जाने का सवाल है, तो मामला निश्चित तौर पर संविधान सभा ही तय करेगी। ३. बंदे मातरम हमारी आजादी की लड़ाई से जुड़ा हुआ गीत है और रहेगा। इसे इसी के अनुरूप सम्मान दिया जाएगा।

1948 में 15 जून को तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने ये बातें पश्चिम बंगाल के तत्कालीन मुख्यमंत्री बिधानचंद्र राय को उस पत्र में लिखी थीं, जो राय द्वारा तीन दिन पहले 12 जून को उन्हें भेजे गए पत्र का जवाब था।

दरअसल, उस वक्त मध्य प्रांत के बाद पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री बिधानचंद्र राय भी 'बंदे मातरम' को राष्ट्रगान बनाने के पक्ष में उठ खड़े हुए थे और इसे बंदे मातरम का पक्ष बहुत मजबूत हो जाने के रूप में देखा जा रहा था। इस कारण और कि राय ने नेहरू को अपने उक्त पत्र में यह लिखने से भी परहेज़ नहीं किया था कि भले ही कुछ मुसलमान इसका विरोध करें, तब भी बंदे मातरम को ही राष्ट्रगान बनाया जाए।

उनका यह लिखना इस अर्थ में बहुत स्वाभाविक था कि 'बंदे मातरम' में इस्तेमाल अधिकतर प्रतीक बंगाल से ही संबंधित थे और कई लोगों के अनुसार वह 'बंगाल का राष्ट्रगान' होने के लिए सर्वथा उपयुक्त था। ऐसे में, राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में, स्वाभाविक ही, बिधानचंद्र राय उसे लेकर बहुत भावुक थे। नेहरू ने इस बात को समझते हुए बिना देर किए राय को जवाबी पत्र में उक्त बातें तो लिखीं ही थीं, यह भी लिखा था कि राष्ट्रगान (का मामला) संघर्ष और रिश्ते को दिखाने वाली उन चीजों से अलग है, जिनका 'बंदे मातरम' प्रतिनिधित्व करता है।

उन्होंने लिखा था रू ष्राष्ट्रगान विजय और उससे मिली संतुष्टि का प्रतीक होना चाहिए, न कि अतीत के संघर्ष का। राष्ट्रगान मुख्य रूप से संगीत है, न कि शब्द। इसका संगीत ऐसा होना चाहिए, जो जोश दिलाए और जिसे संतोषजनक ढंग से पूरी दुनिया में कहीं भी बजाया जा सके३. राष्ट्रगान को देश की तुलना में विदेश में ज्यादा बजाया जाना होता है। हमारे हर दूतावास को, विदेश कार्यालय को इसे बजाना होता है३ (इस लिहाज से) जन–गण–मन हमारे खास प्रयास के बिना ही सुर्खियों में आ गया है। ३.जहां तक बंदे मातरम की भाषा का सवाल है, तो ज्यादातर लोग इसे समझ नहीं पाते। निश्चित तौर पर मैं भी इसे समझ नहीं पाता।

(आखिरी दो वाक्य कितने प्रामाणिक हैं, इसे इस तथ्य से समझ सकते हैं कि आज की तारीख में बंदे मातरम को राष्ट्रगान बनाने के अनेक प्रचंड समर्थक भी, पूरा कौन कहे, उसकी चार छह पंक्तियां तक न कंठाग्र रख पाते हैं, न सही–सही पढ़ पाते हैं।)

इतिहास गवाह है कि नेहरू अपने इस तार्किक और समावेशी रवैये से बिधानचंद्र राय को सहमत करने में सफल रहे थे, जिसके बाद आम सहमति के माहौल में देश ने जन–गण–मन को राष्ट्रगान और बंदे मातरम को राष्ट्रगीत के रूप में सहर्ष अंगीकार कर लिया था।

कायदे से इसके बाद 1937 में कांग्रेस की कार्यसमिति द्वारा बंदे मातरम के एक अंश को (ही) स्वीकार करने से जुड़ी छिद्रान्वेषण से भरी वे सभी अतार्किक बातें स्वतरू समाप्त हो जानी चाहिए थीं, जिनका सहारा लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गत सोमवार को इस गीत के डेढ़ सौ वर्ष पूरे होने के सिलसिले में लोकसभा में हुई बहस शुरू करते हुए नेहरू पर मुस्लिम लीग के नेता मोहम्मद अली जिन्ना के ऐतराजों के मद्देनजर बंदे मातरम को खंडित करने का 'महाभियोग' लगाया। साथ ही, उनको खलनायक बनाने के लिए उनके प्रति दुर्भावनाओं का एक और खेल खेलने की विफल कोशिश की।

काश, वे समझ सकते कि उनके इस 'महाभियोग' की सबसे बड़ी बेहिसी यह थी कि संविधान सभा ने 26 जनवरी, 1950 को देश के गणतंत्र बनने से महज दो दिन पहले को रवींद्रनाथ टैगोर के जन–गण–मन को भी पूरा का पूरा नहीं, उसके एक अंश को ही राष्ट्रगान घोषित किया था, वैसे ही जैसे 'बंदे मातरम' के एक अंश को राष्ट्रीय गान का गौरव प्रदान किया था।

लेकिन विडंबना यह कि देश में उस वक्त भी ऐसे विघ्नसंतोषी थे और आज तो वे सत्ता में हैं, जिन्हें अपने छिद्रान्वेषण को किसी भी मोड़ पर लगाम लगाना गवारा नहीं होता। उल्टे उसे बेलगाम रखने में मजा आता है।

यह विश्वास करने के कारण हैं कि इस मजे के लिए ही उन्होंने दूसरी ज्वलंत समस्याओं को दरकिनार कर संसद में 'बंदे मातरम' के डेढ़ सौ वर्षों पर चर्चा को जरूरी समझा। शायद उन्हें उम्मीद थी कि नेहरू के इस संसार को अलविदा कहने के छह दशकों बाद ही सही, इस बिना पर वे देश के इतिहास को उनके प्रति निर्मम बनाकर उन्हें खलनायक करार देने का करिश्मा कर दिखाने में सफल हो जाएंगे।

तभी तो नेहरू की हेठी करने के फेर में उनकी ओर से अनेक ऐसी बातें भी कहीं गईं, जो 'जन–गण–मन' की हेठी तक जाती थीं। 'बंदे मातरम' के मुकाबले उसके राष्ट्रगान बनने की पात्रता को प्रश्नांकित करने का इसके अलावा भला और क्या अर्थ हो सकता है? वह तो उनकी विवशता थी और है कि उनके पास नेहरू के उन तर्कों के जवाब ही नहीं, जो उन्होंने बिधानचंद्र राय को पत्र में इन दोनों गीतों की राष्ट्रगान बनने की पात्रता की तुलना करते हुए दिए थे। वरना वे जानें और क्या करते!

इस बहस में विपक्ष के नेताओं ने ठीक ही कहा कि सत्तापक्ष को इस बहस की मार्फत 'बंदे मातरम' की अतिरिक्त प्रतिष्ठा कतई अभीष्ट नहीं थी। इसलिए कि आजादी की लड़ाई की त्याग व बलिदान की जिस परंपरा से बंदे मातरम निकला और जिसे लगातार मजबूत करते रहने में उसने उल्लेखनीय भूमिका निभाई, उसमें इस पक्ष का कभी कोई हिस्सा ही नहीं रहा।

इसके पास तो राज्यसभा सदस्य संजय सिंह द्वारा पूछे गए इस सवाल का भी उत्तर नहीं कि वह अपने पितृ संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के चार ऐसे नेताओं के नाम बताए, जो 'बंदे मातरम' का नारा लगाकर जेल गए हों३ और३ वह मातृभूमि को बेचकर मातृभूमि की कैसी वंदना कर रहा है?

इसलिए उसके मुंह पर भले ही 'बंदे मातरम' था, उसकी निगाहें कहीं और थीं, तो निशाना कहीं और, और सबसे बड़ा लक्ष्य नेहरू का खलनायकीकरण ही था, जिससे जुड़ी उसकी कवायदें पुरानी पड़कर भी अभी तक सफल नहीं हो पाई हैं।

पूरी बहस में साफ था कि बार–बार की विफलताओं के बावजूद वह अपनी इन कवायदों को 'नई ऊंचाई' पर ले जाने के फेर में था और इसके लिए उसे प्रकारांतर से 'जन–गण–मन' को 'बंदे मातरम' से कमतर बताने से भी परहेज़ नहीं था। वैसे ही, जैसे प्रधानमंत्री को 'बंदे मातरम' के रचयिता बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय को 'बंकिम बाबू' के बजाय 'बंकिम दा' कहने से नहीं था।

कांग्रेस की सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने अपने भाषण में ठीक ही कहा कि सत्तापक्ष इस बहस से दो मकसद साधना चाहता था। इनमें पहला था रू अगले साल पश्चिम बंगाल में होने जा रहे विधानसभा चुनाव में खास वर्ग व समुदाय की भावनाओं से खेलकर चुनावी लाभ उठाना। दूसरा रू जिन लोगों ने स्वतंत्रता की लड़ाई लड़ी, देश के लिए कुर्बानियां दीं, उन पर नए आरोप लादने का मौका तलाशना और देश का ध्यान जनता के जरूरी मुद्दों से भटकाना.

लेकिन अब सवाल है कि क्या सत्ता पक्ष इनमें से अपने किसी भी उद्देश्य को प्राप्त करने या उसकी दिशा में बढ़ने में सफल हो पाया? और जवाब है कि ऐसा लगता तो नहीं। उलटे बहस में विपक्षी नेताओं के सवालों के सामने निरुत्तरता ने उसकी बची–खुची पोल भी खोलकर रख दी है। साफ कहें तो लम्बे अरसे बाद यह संसद में हुई ऐसी पहली बहस थी, जो सत्ता पक्ष के लिहाज से इस तरह बैक फायर कर गई कि वह उसमें फंसकर रह गया और अपने विजयी होने का दावा नहीं कर पाया।

जहां तक नेहरू का सवाल है, इस बहस के बाद वे कुछ और बड़े हो गए हैं और उनका महानायकत्व कुछ और असंदिग्ध हो गया है। इसलिए कि यह बात अब पब्लिक डोमेन में आ गई है कि 1937 में 'बंदे मातरम' के सिलसिले में उनके फैसले रवींद्रनाथ टैगोर की सलाह पर आधारित थे और टैगोर की ही सलाह पर कांग्रेस ने 1937 में फैसला किया था कि उसकी प्रमुख बैठकों में बंदे मातरम का केवल पहला भाग गाया जाएगा।

बकौल इतिहासकार व लेखक सुगत बोस रू 1937 के अक्टूबर–नवंबर में कलकत्ता (अब कोलकाता) में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) की बैठक के समय सुभाषचंद्र बोस और जवाहरलाल नेहरू ने साथ मिलकर काम किया।

उस समय एक बेहद संवेदनशील विषय पर रवींद्रनाथ टैगोर की सलाह ली और वह था बंदे मातरम। रवींद्रनाथ की सलाह पर ही कांग्रेस ने इस एआईसीसी बैठक में निर्णय लिया कि अब से पार्टी की राष्ट्रीय बैठकों में गीत का केवल पहला भाग गाया जाएगा, जो हमारे देश के राष्ट्रीय वैभव का एक सुंदर उद्घोष है। ऐसा इसलिए किया गया, क्योंकि टैगोर को लगता था कि हमें अपने राष्ट्रवादी आंदोलन में एकता एवं सहमति की जरूरत है और वह विभिन्न धार्मिक समुदायों के बीच प्रतिद्वंद्विता नहीं चाहते थे।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

संपादकीय

गारंटी की परीक्षा

संपादक – राज कुमार

भारत की ग्रामीण रोज़गार कहानी केवल नौकरियों, आवंटन या बजटीय आंकड़ों तक सीमित नहीं है। यह उस गहरे प्रश्न से जुड़ी है कि भारतीय राज्य अपने सबसे गरीब नागरिकों के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को कैसे परिभाषित करता है। बीते चार दशकों में देश की प्रमुख ग्रामीण रोज़गार योजनाओं का स्वरूप चुपचाप लेकिन निर्णायक रूप से बदला है। यह यात्रा राहत आधारित विवेकाधीन सहायता से शुरू होकर अधिकार आधारित गारंटी तक पहुची और अब धीरे–धीरे एक अधिक नियंत्रित, वित्तीय रूप से सीमित ढांचे की ओर बढ़ती दिखाई देती है। यह बदलाव केवल आजीविका से संबंधित नहीं है, बल्कि शासन की सोच और संवैधानिक मूल्यों के विकास को भी उजागर करता है। शुरुआती दौर में ग्रामीण रोज़गार योजनाओं को कल्याणकारी उपाय के रूप में देखा जाता था। काम तब मिलता था जब धन उपलब्ध होता था और प्रशासनिक इच्छा मौजूद होती थी। इसमें काम मांगने का कोई अधिकार नहीं था। स्थानीय शक्ति संरचनाएं और सामाजिक असमानताएं इस प्रक्रिया को प्रभावित करती थीं। राज्य एक दयालु संरक्षक की भूमिका में था, जबकि मज़दूर सहायता पाने वाला एक आश्रित व्यक्ति माना जाता था। इस व्यवस्था में जवाबदेही का अभाव था और रोज़गार को नागरिक अधिकार नहीं, बल्कि सरकारी कृपा के रूप में देखा जाता था। मध्य 2000 के दशक में यह सोच एक निर्णायक मोड़ पर पहुंची। संसद ने ग्रामीण मज़दूरी को कानूनी अधिक. ार का दर्जा दिया। यह केवल नीति परिवर्तन नहीं था, बल्कि राज्य और नागरिक के संबंध में एक मौलिक बदलाव था। ग्रामीण श्रमिक अब याचक नहीं, बल्कि अधिकार का दावा करने वाला नागरिक बन गया। काम की मांग करना उसका कानूनी हक बना और प्रशासन की विफलता सैद्धांतिक रूप से जवाबदेही के दायरे में आई। इस अधिकार आधारित ढांचे का संवैधानिक महत्व गहरा था, क्योंकि इसने आर्थिक सुरक्षा को अधिकारों की भाषा में स्थापित किया और स्थानीय स्वशासन को इसके केंद्र में रखा। इस मॉडल का उद्देश्य केवल आय समर्थन नहीं था। इसके माध्यम से गांवों को अपनी प्राथमिकताओं के अनुसार काम की योजना बनाने, स्थायी परिसंपत्तियां सृजित करने और सामाजिक निगरानी के जरिए पारदर्शिता सुनिश्चित करने की उम्मीद की गई थी। मजदूरी को लोकतंत्र को मजबूत करने वाले औजार के रूप में देखा गया, न कि केवल एक बजटीय व्यय के रूप में। पिछले एक दशक में तकनीक आधारित सुधारों ने इस संरचना को नए सिरे से ढाला। प्रत्यक्ष लाभ अंतरण, बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण और मोबाइल ऐप आधारित निगरानी ने पुराने भ्रष्टाचार के रास्तों को सीमित किया और स्थानीय स्तर पर जमी हुई संरक्षक–प्रणालियों को कमजोर किया। वित्तीय पारदर्शिता बढ़ी और धन का प्रवाह अधिक साफ–सुथरा हुआ। लेकिन इसके साथ ही सत्ता का संतुलन ऊपर की ओर खिसक गया। केंद्रीय डिजिटल प्रणालियों पर निर्भरता बढ़ने से तकनीकी त्रुटियों, डेटा गलतियों या नाम कटने जैसी समस्याओं के कारण कई श्रमिकों के लिए नए प्रकार का बहिष्करण पैदा हुआ। दक्षता तो बढ़ी, पर मानवीय त्रुटि के लिए जगह कम होती चली गई। अब ग्रामीण रोज़गार नीति के प्रस्तावित नए स्वरूप में एक और गहरा बदलाव दिखाई देता है। कागज़ पर अधिक काम के दिनों का वादा किया जाता है, लेकिन गारंटी की आत्मा ही बदलती नजर आती है। मांग आधारित अधिकार के स्थान पर मानक आधारित आवंटन आ जाता है। राज्यों को केवल क्रियान्वयनकर्ता नहीं, बल्कि सह–वित्तपोषक बना दिया जाता है, जिससे उन्हें मांग पूरी करने के बजाय उसे नियंत्रित करने का प्रोत्साहन मिलता है। मौसमी विराम जैसी व्यवस्थाएं इस विचार को कमजोर करती हैं कि संकट के समय काम उपलब्ध होना चाहिए, न कि केवल कैलेंडर के अनुसार। कानूनी गारंटी की ताकत उसकी लागू करने की क्षमता में होती है। जब सीमाएं, विराम और वित्तीय शर्तें व्यवस्था में स्थायी रूप से जुड़ जाती हैं, तो बोझ धीरे–धीरे फिर श्रमिक पर आ जाता है। उसे इंतजार करना पड़ता है, परिस्थितियों के अनुसार ढलना पड़ता है या बिना काम के रहना पड़ता है। जिसे विकेंद्रीकरण कहा जा रहा है, वह वास्तव में बिना सत्ता के विक. ेंद्रीकृत क्रियान्वयन बनकर रह सकता है। भारत की ग्रामीण रोज़गार योजना हमेशा केवल सुरक्षा जाल से अधिक रही है। यह नागरिक और राज्य के संबंध की घोषणा है। यदि यह गारंटी एक प्रबंधित लाभ में बदल जाती है, जिसे मांगने के बजाय केवल स्वीकार किया जाए, तो देश एक कठिन संघर्ष से अर्जित संवैधानिक प्रतिबद्धता से पीछे हटने का जोखिम उठाएगा। असली प्रश्न यह नहीं है कि कितने दिन काम का वादा किया गया है, बल्कि यह है कि क्या ग्रामीण श्रमिक के पास अब भी वह नैतिक और कानूनी अधिकार बचा है, जिससे वह काम की मांग कर सके।

जिन सुभाष चंद्र बोस को पब्लिक ने सिर आंखों पर बिठाया, उनकी इतनी उपेक्षा क्यों हुई?

कमलेश पांडे

हमारे हाल के इतिहास के दो हीरो पिछले एक दशक से अचानक धो–पोंछकर चमकाए जा रहे हैं. इनमें से एक हैं स्वामी विवेकानंद और तो दूसरे नेता जी सुभाष चंद्र बोस. डेढ़ दशक पहले तक ये पब्लिक के हीरो तो थे मगर सरकारों ने कभी भी इन्हें प्रतिष्ठित करने की नहीं सोची. लेफ़्टिस्ट और लिबरल लोग इन्हें धार्मिक और फासिस्ट बता कर खारिज करते रहे तो राइटिस्ट को कभी इनमें कोई मसाला नहीं मिला. पर अब इन दोनों को सब याद कर रहे हैं. सुभाष बोस तो आजादी के ऐसे हीरो हैं, जिनकी सदैव अनदेखी ही की गई. 1939 की त्रिपुरी कांग्रेस में जीतने के बाद भी इन्हें अध्यक्ष पद से इस्तीफा देना पड़ा. वे कट्टर देशभक्त थे परंतु सरकारें उन्हें कभी अपना नहीं सकीं. आधिकारिक तौर पर भले उन्हें भगोड़ा बताया गया हो पर पब्लिक ने सदैव उन्हें सिर आंखों रखा.

अंग्रेजों का दुश्मन सुभाष का दोस्त

अब भले ही उन्हें सरकार भी पूछ रही हो लेकिन सरकार ने कोई जांच नहीं शुरू करवाई कि सुभाष बोस 18 अगस्त 1945 को वाकई एक विमान दुर्घटना में मारे गए थे. अथवा वे रहस्यमय परिस्थितियों में गायब हो गए. चूंकि दूसरा विश्व युद्ध समाप्त होने के बाद मित्र राष्ट्रों की नजर में जर्मनी व जापान को दोषी करार दिया गया और इसी नाते नेता जी भी दूसरे विश्वयुद्ध के खलनायक समझ गए.

मगर नेता जी का मकसद अलग था वे कोई बाजार की होड़ में आकर इस युद्ध में जर्मनी व जापान के साथ नहीं कूदे. उनका मकसद तो भारत को अंग्रेजों से आजाद करना था. उन्हें भारत में कांग्रेस से कोई उम्मीद नहीं दिखी इसलिए उन्होंने उन सब की मदद ली जो उनकी नज़र में ब्रिटेन से लड़ रहे थे. फिर वे भले फासिस्ट रहे हों या डेमोक्रेटिक शक्तियां. उनका उद्देश्य था किसी तरह अंग्रेजों को पराजित करना.

नेता जी का कांग्रेस पर वर्चस्व

कांग्रेस और महात्मा गांधी 1939 से 1942 के शुरुआती सात महीनों तक युद्ध को लेकर अपना स्टैंड साफ नहीं कर पा रहे थे. किंतु नेताजी की सक्रियता देखकर अचानक 9 अगस्त 1942 को महात्मा गांधी ने भी अंग्रेजों भारत छोड़ो का नारा दे दिया. यह बताता है कि कांग्रेस के अंदर नेताजी के विचारों का दबाव इतना अधिक था कि गांधी जी को भी खुलकर अंग्रेजा. ें के विरुद्ध कड़े रूख का आह्वान करना पड़ा. यद्यपि कांग्रेस के भीतर जवाहर लाल नेहरू ने उनको आगे लाने के प्रयास किए थे. नेहरू जी जब अध्यक्ष निर्वाचित हुए तब उन्होंने युवा सुभाष बोस को अपना सहायक भी नियुक्त किया था. युवाओं को कांग्रेस से जोड़ने का काम भी सौंपा. नेहरू जी ने उन्हें योरोप भी भेजा था ताकि वे जर्मनी में चल रहे सोशलिस्ट इंटरनेशनल को समझ सकें.

कलेक्टरी को लात मार दी

23 जनवरी 1897 को कटक में एक बंगाली परिवार में जन्में सुभाष चंद्र बोस को अपने घर पर अपनी माँ से देशभक्ति और राष्ट्र प्रेम के संस्कार मिले थे. देश की आजादी को लेकर तमाम तरह के प्रश्न उनके मस्तिष्क में घुमड़ा करते और उनकी माँ यथासंभव उन्हें शांत करने का प्रयत्न करतीं. पहले तो उन्हें लगा कि देश की जनता की सेवा अंग्रेज सरकार में कलेक्टर बनकर की जा सकती थी इसलिए वे लंदन जाकर सिविल सेवा की परीक्षा में बैठे और पास हुए पर फिर लगा कि यह सिर्फ मृग मरीचिका ही है.

वे सरकारी सेवा में रहकर अंग्रेज स्वामियों के विरुद्ध नहीं जा सकते इसलिए उन्होंने इस नौकरी को लात मार दी और राजनीति में आ गए. उनकी मशहूर पुस्तक तरुणाई के सपने में यह सब बातें विस्तार से बताई गई हैं. देश सेवा का जज्बा सिर्फ महत्वाकांक्षा पालना ही नहीं है बल्कि उसे पूरा करने के लिए निरंतर प्रयास करना भी है.

नौकरी जीवन का मकसद नहीं

सुभाषचंद्र बोस के पिता बंगाल प्रांत के ओडिशा डिवीजन में कटक में वकालत करते थे. उनकी मां प्रभावती देवी एक सामान्य घरेलू महिला थीं. अपने चौदह भाई–बहनों में सुभाष बोस नौवें नंबर के बच्चे थे. कटक के प्रोटेस्टेंट स्कूल में उनकी शुरुआती पढ़ाई हुई. 1913 में वे कोलकाता के प्रेसीडेंसी कॉलेज में गए और बाद में स्कॉटिश चर्च कॉलेज से दर्शन में उन्होंने बीए किया. अपने पिता की इच्छा को पूरा करते हुए वे इंग्लैंड गए और वहां के फिट्ज बिलियन कॉलेज से पढ़ाई पूरी की और इंडियन सिविल सर्विस की परीक्षा में बैठे और जल्द ही उन्हें लग गया कि कलेक्टर बनना और देश सेवा में फर्क है.

इसलिए सिविल सर्विस की परीक्षा के 1919 बैच में चयनित होने तथा चौथे नंबर पर आने के बाद भी उन्होंने सरकारी नौकरी नहीं की. 1921 में उन्होंने इंडियन सिविल सर्विस से इस्तीफा दे दिया. इस्तीफे के पूर्व उन्होंने अपने बड़े भाई शरतचंद्र बोस को एक पत्र लिखा कि मात्र नौकरी करना ही जीवन का लक्ष्य नहीं हो सकता. अपनी मातृभूमि के प्रति भी उनका कोई दायित्व है.

बाबू चितरंजन दास ने सुभाष की प्रतिभा को पहचाना

नेता जी भारत लौट आए और राजनी. ति में कुछ करने के लिए वे कांग्रेस के निकट आए. उस वक्त कांग्रेस में जिन क्षत्रपों की तूती बोलती थी उनमें से एक चितरंजन दास थे. बाबू चितरंजन दास कई मायनों में गांधी जी से अलगराय रखते थे. दास बाबू ने नेताजी की प्रतिभा पहचानी और उन्हें बंगाल कांग्रेस की प्रांतीय कमेटी का प्रभारी बना दिया. साथ में नेता जी दास बाबू का अखबार स्वराज और फारवर्ड का कामकाज भी देखने लगे.

जल्दी ही नेताजी काम करने की अपनी ललक, मेहनत व जनसंपर्क के चलते बंगाल ही नहीं पूरे देश की कांग्रेस में पहचाने जाने लगे. नेताजी युवाओं के बीच इतने लोकप्रिय हो गए कि कांग्रेस की युवा इकाई का उन्हें अध्यक्ष चुन लिया गया. तब ही दास बाबू कलकत्ता नगर निगम में मेयर चुने गए तो उन्होंने नेता जी सुभाष चंद्र बोस को निगम का सीईओ बना दिया.

नेहरू से निकटता

निगम व सरकार में टकराव हुआ तो सुभाष बाबू को गिरफ्तार कर अंग्रेज सरकार ने बर्मा प्रांत की मांडला जेल में डाल दिया. वहां से नेता जी 1927 में आजाद हुए और उनके जेल से रिहा होते ही उन्हें कांग्रेस का राष्ट्रीय सचिव बना दिया गया. इसी दौरान सुभाष बाबू की निकटता जवाहर लाल नेहरू से हुई जो उनसे महज आठ साल बड़े थे. दोनों ही प्रतिभाशाली और आजाद ख्यालों और विचारों के. जवाहर लाल जी जब कांग्रेस के अध्यक्ष निर्वाचित हुए तो उन्होंने कांग्रेस का कामकाज देखने के लिए अपना सहायक सुभाष बोस को रखा.

सुभाष बाबू एक अद्भुत स्वप्नदृष्टा थे. शायद इसीलिए उन्हीं दिनों उन्होंने कलकत्ता में कांग्रेस की अखिल भारतीय सभा उन्होंने करवाई और कांग्रेस स्वयंसेवकों की कमांडरी उन्हें सौंपी गई. बतौर कमांडर उनके काम की तारीफ खुद महात्मा गांधी ने भी की थी. उनकी इस कमांडरी के बाद ही उन्हें नेताजी का खिताब मिला.

अंग्रेजों की कड़ी नजर

1929 में नेता जी पुनरू गिरफ्तार कर लिए गए. रिहा होने के बाद वे लंदन गए और वहां पर तमाम यूरोपीय नेताओं से मिले. वे कम्युनिस्ट नेताओं के भी संपर्क में आए और फासिस्ट नेताओं के भी. अंग्रेज सरकार के एजेंट इस युवा नेता की हर गतिविधि पर नजर रखे थे. उन्हें लगा कि कांग्रेस में इसकी बढ़ती लोकप्रियता और इस नेता के विचार पूरी पार्टी को यूरोप के मित्र देशों के हितों के विरुद्ध ले जाएंगे.

इसलिए कहा जाता है कि उन्होंने गांधी जी पर दबाव बनाया कि अगर नेता जी सुभाष चंद्र बोस की गतिविधियों पर रोक न लगाई गई तो भारत को आजाद करने के जिस प्लान पर वे सोच रहे हैं उस पर अंकुश लग जाएगा. उधर नेता जी कांग्रेस के भीतर युवाओं के हीरो बन चुके थे. यही कारण था कि 1938 में गुजरात के हरिपुरा में हुई कांग्रेस में अध्यक्ष चुन लिए गए.

नेहरू व मौलाना आजाद दोनों पीछे हटे

दूसरा विश्वयुद्ध जब छिड़ा तब गांधी जी पर अंग्रेजों का दबाव था कि वे उनकी फौज के लिए जवान भरती कराएं. पर कांग्रेस में इस बात का घोर विरोध हुआ. इसलिए अगले ही वर्ष जबलपुर के त्रिपुरी में जब कांग्रेस बैठी तो गांधी जी ने नेता. जी की पुनरू अध्यक्षी का घोर विरोध किया. सुभाष बोस को रोकने के लिए उन्होंने जवाहर लाल नेहरू से अध्यक्ष पद हेतु चुनाव लड़ने के लिए कहा. मगर जवाहर लाल नेहरू समझ रहे थे कि नेता जी के विरोध का मतलब सीधे अलोकप्रिय हो जाना है इसलिए उन्होंने गांधी जी को जवाब भेजा कि एक तो इस समय मैं लंदन में हूं, आ नहीं सकता दूसरे एक बार मैं रह चुका हूं इसलिए दुसरे युवा मौलाना आजाद को आप कहें. मगर मौलाना तो सिरे से ही नहीं कर दिया क्योंकि वे ताड़ गए कि उन्हें बलि का बकरा बनाया जा रहा है.

पट्टाभि नेता जी से लड़े और हारे

अंत में गांधी जी ने अपने विश्वस्त पट्टाभि सीतारामैया को चुनाव नेता जी के विरुद्ध चुनाव लड़वाया. मगर वे चुनाव हार गए तथा नेता जी सुभाष चंद्र बोस फिर से अध्यक्ष चुन लिए गए. इस पर गांधी जी ने खुलकर कहा कि यह मेरी हार है और मैं अनशन करूंगा. तब नेताजी पर दबाव बना और उन्होंने अध्यक्षी बाबू राजेंद्र प्रसाद को सौंप दी. इसके बाद नेता जी ने कांग्रेस छोड़ दी और बंगाल आकर 22 जून 1939 को आल इंडिया फारवर्ड ब्लाक के नाम से अलग पार्टी बनाई जिसका झुकाव कम्युनिज्म के प्रति अधिक था.

कांग्रेस के उनके सहयोगी एमएन धेवर भी कांग्रेस छोड़कर नेता जी के साथ चले गए.

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

आरएस पुरा में हुआ विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन

सबका जम्मू कश्मीर

आरएस पुरा। आरएस पुरा के देवी द्वारा मंदिर में रविवार को विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें अखिल भारतीय सह प्रचार प्रमुख नरेंद्र ठाकुर मुख्य तौर पर उपस्थित रहे इसके अलावा पूर्व मंत्री चौधरी श्यामलाल, सामा. जिक कार्यकर्ता ओम प्रकाश आडवाणी, पूर्व नगर अध्यक्ष सतपाल पपी, सामाजिक कार्यकर्ता राज. कुमार गुप्ता के साथ–साथ विभिन्न सामाजिक संगठनों से जुड़े हुए लोगों के साथ–साथ हिंदू समुदाय के लोग भी इस विराट संत सम्मेलन में शामिल हुए।

इस मौके पर अपने विचार प्रकट करते हुए अखिल भारतीय शहर प्रचार प्रमुख जम्मू कश्मीर नरेंद्र ठाकुर ने कहा कि अब समय आ चुका है कि हिंदू समुदाय के लोग एकजुट होकर काम करें। उन्होंने कहा कि समाज में हमें उन लोगा. ें की पहचान करने की जरूरत है जो हिंदू धर्म को तोड़ने के लिए काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि इस तरह के हिंदू सम्मेलनों में हमें हिस्सा लेना चाहिए ताकि अपने लक्ष्य के बारे में जानकारी मिल सके। ठाकुर ने कहा कि देश के भीतर तथा देश के बाहर देश विरोधी चाहते हैं वह लगातार हिंदू समुदाय को कमजोर करने में लगी हुई है और उनके खिलाफ हमें एकजुट होकर काम करने की जरूरत है।

इस मौके पर पूर्व मंत्री चौधरी श्यामलाल, अनिल कपूर, विक्रम शर्मा, हजूरी सिंह, कुलदीप सिंह, शशि उत्तम, विनय गुप्ता सहित अन्य लोग भी मौजूद रहे।

tEew laHkkx ds lkFk HksnHkko can djs us'kuy dkaÝsal ljdkj% o#.k 'kekZ

सबका जम्मू कश्मीर

आरएस पुरा। जनता दल यूनाइटेड जम्मू कश्मीर के जिला अध्यक्ष वरुण शर्मा की तरफ से आज एक पत्रकार वार्ता का आयोजन कर जम्मू कश्मीर सरकार पर जम्मू संभाग के साथ भेदभाव करने का आरोप लगाया। गांव ब्रिज नगर में आयोजित एक पत्रकार वार्ता के दौरान जनता दल यूनाइटेड के जिला अध्यक्ष वरुण शर्मा ने कहा कि श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के अधीन आने वाले मेडिकल कॉलेज में हिंदू समुदाय के विद्यार्थियों के साथ अनदेखी की गई है। उन्होंने कहा कि 50 मेडिकल सीट में से जम्मू के हिंदू विद्यार्थियों को मात्र पांच सीट ही दी गई हैं जोकि जम्मू कश्मीर सरकार के भेदभाव वाली नीति को उजागर करता है। इसके साथ ही उन्होंने संतोष ट्रॉफी के लिए चुने गए फुटबॉल खिलाड़ियों में जम्मू के नौजवानों को अनदेखा किया जाने का आरोप लगाते हुए कहा कि 22 खिलाड़ियों को इस ट्रॉफी के लिए चुना गया है जो की सभी कश्मीर के हैं। उन्होंने कहा कि जनता दल यूनाइटेड इन सब मुद्दों को लेकर आने वाले दिनों में सरकार के खिलाफ हल्ला बोलेगी। उन्होंने जम्मू संभाग के लोगों से अपील करते हुए कहा कि वह अपने हको के लिए एकजुट होकर आगे आए हैं।

डोगरी संस्था जम्मू द्वारा कृष्णा प्रेम की बाल साहित्य कृतियों का विमोचन

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू। क्षेत्र की सबसे पुरानी और प्रतिष्ठित साहित्यिक संस्था, डोगरी संस्था जम्मू (पंजीकृ त) ने कुंवर वियोगी सभागार, डोगरी भवन, कर्ण नगर, जम्मू में एक पुस्तक विमोचन समारोह का आयोजन किया। इस अवसर पर प्रसिद्ध लेखिका कृष्णा प्रेम द्वारा रचित दो डोगरी तथा एक हिंदी बाल साहित्य की पुस्तकों का लोकार्पण किया गया। विमोचित पुस्तकों में "कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती", "कुंडली उड़ारी" और "इंद्रधनुष" शामिल हैं।

समारोह की अध्यक्षता पद्मश्री प्रो. ललित मगोत्रा, अध्यक्ष, डोगरी संस्था जम्मू ने की। अपने अध्यक्षीय संबोधन में उन्होंने कहा कि बाल साहित्य समाज की नैतिक और सांस्कृतिक चेतना की नींव रखता है। उन्होंने सकारात्मक कथानकों और कल्पनाशील अभिव्यक्ति के माध्यम से युवा मनों को संबोधित करने हेतु श्रीमती कृष्णा प्रेम की सराहना की।

मुख्य अतिथि, सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी एवं सुप्रसिद्ध डोगरी लेखक अशोक अंगुराना ने लेखिका को बधाई देते हुए कहा कि बच्चों के लिए लेखन एक चुनौतीपूर्ण साहित्यिक विधा है, जिसमें ईमानदारी, जिम्मेदारी और भावनात्मक गहराई की आवश्यकता होती है। उन्होंने क्षेत्र में साहित्यिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए डोगरी संस्था जम्मू के सतत प्रयासों की भी प्रशंसा की। विशिष्ट अतिथि पद्मश्री डॉ. जितेंद्र उधमपुरी ने इन पुस्तकों को रंगीन, मूल्यपरक और बच्चों में जिज्ञासा, आशावाद तथा रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने वाली कृ तियाँ बताया। उन्होंने कहा कि आज के डिजिटल विचलनों के दौर में ऐसी रचनाएँ अत्यंत आवश्यक हैं।

इस अवसर पर बोलते हुए कृष्णा प्रेम ने अपनी पुस्तकों के विमोचन हेतु डोगरी संस्था जम्मू का हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि बच्चों के लिए लेखन का उनका मुख्य उद्देश्य सरल भाषा और सहज विषयों के माध्यम से आत्मविश्वास, नैतिक बल और आनंद का संचार करना है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि यदि साहित्य स्नेह और ईमानदारी से बच्चों से संवाद करे, तो वह उनके जीवन का मार्गदर्शक साथी बन सकता है।

पुस्तकों पर एक विस्तृत समीक्षात्मक आलेख प्रो. वीणा गुप्ता, उपाध्यक्ष, डोगरी संस्था जम्मू द्वारा प्रस्तुत किया गया, जिसमें कृतियों की शैक्षिक प्रासंगिकता, विषयवस्तु की समृद्धि और बालोचित भाषा पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम का सफल संचालन पवन वर्मा ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन प्रो. वीणा गुप्ता ने प्रस्तुत किया। उन्होंने उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों, लेखकों तथा साहित्य प्रेमियों का आभार व्यक्त किया।

जीएचएसएस टिकरी को पर्यावरण के अनुकूल स्कूल डेस्क मिले

सबका जम्मू कश्मीर

उधमपुर : उधमपुर की उपायुक्त सलोनी राय ने सरकारी उच्च माध्यमिक विद्यालय टिकरी का दौरा किया और स्कूल को पुनर्चक्रित अपशिष्ट पदार्थों से निर्मित पर्यावरण के अनुकूल डेस्क की एक खेप भेंट की। कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी पहल के तहत एसबीआई कार्ड्स एंड पेमेंट सर्विसेज लिमिटेड और आईपीसीए द्वारा स्कूल को ये डेस्क दान किए गए हैं। इस अवसर पर शिक्षा संयुक्त निदेशक उधमपुर–रियासी रेंज, जगदीश चंद्र और मुख्य शिक्षा अधिकारी सुभाष गुप्ता, डीसी के साथ उपस्थित थे।

इस अवसर पर बोलते हुए, उपायुक्त ने विद्यालय प्रशासन, कर्मचारियों और छात्रों को बधाई दी। उन्होंने एसबीआई कार्ड और आईपीसीए के सराहनीय सीएसआर प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण में योगदान देते हुए शिक्षा प्रणाली को मजबूत बनाने में ऐसे पर्यावरण अनुकूल पहलों के महत्व पर बल दिया।

डीसी ने प्रभावी अपशिष्ट प्रबंधन और विद्यालय के बुनियादी ढांचे में सुधार पर इस पहल के दोहरे फोकस की सराहना की। उन्होंने कहा कि इन पुनर्चक्रित डेस्क की व्यवस्था का उद्देश्य छात्रों के लिए बेहतर और अधिक अनुकूल शिक्षण वातावरण बनाना है, साथ ही पुनर्चक्रण और टिकाऊ प्रथाओं के बारे में जागरूकता फैलाना भी है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस तरह की पहल शिक्षा और पर्यावरणीय जिम्मेदारी को बढ़ावा देने में अधिक सामुदायिक भागीदारी और कॉर्पोरेट सहभागिता को प्रेरित करेगी।

जनमत को आकार देने और विकसित भारत के विज़न को आगे बढ़ाने में मीडिया की अहम भूमिकाः रोहिन चंदन

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) जिला जम्मू दक्षिण के मीडिया सचिव रोहिन चंदन ने भारत को बदलने और 2047 तक विकसित भारत (विकसित देश) के महत्वाकांक्षी लक्ष्य की ओर देश को ले जाने में मीडिया की अपरिहार्य भूमिका पर जोर दिया है। मीडिया के योगदान की पुरजोर पुष्टि करते हुए चंदन ने सकारात्मक बदलाव लाने और जन जागरूकता बढ़ाने में इसकी सक्रिय भागीदारी पर प्रकाश डाला।

चंदन ने कहा कि मीडिया सिर्फ़ एक मूक दर्शक नहीं है बल्कि यह राष्ट्रीय चर्चा को आकार देने, जनमत को प्रभावित करने और सामाजिक प्रगति को आगे बढ़ाने में एक गतिशील शक्ति के रूप में काम करता है। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि मीडिया महत्वपूर्ण मुद्दों, सरकारी नीतियों और विकास पहलों के बारे में नागरिकों में जागरूकता पैदा करने में एक प्रमुख भूमिका निभाता है। उन्होंने आगे कहा कि यह सक्रिय भागीदारी आम जनता को सशक्त बनाने और राष्ट्र निर्माण में सूचित भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए आवश्यक है। चंदन ने विशेष रूप से प्रमुख सरकारी कार्यक्रमों को बढ़ावा देने और उन्हें व्यापक राष्ट्रीय आंदोलनों में बदलने में मीडिया के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने विशेष रूप से स्वच्छ भारत अभियान, आत्मनिर्भर भारत और स्टार्टअप इंडिया जैसी पहलों के कवरेज और प्रचार की प्रशंसा की। चंदन ने कहा कि व्यापक रिपोर्टिंग, अभियानों और सार्वजनिक जुड़ाव के माध्यम से मीडिया ने इन कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक जन आंदोलनों में बदल दिया है जिससे लाखों लोगों को स्वच्छता, आत्मनिर्भरता और उद्यमशीलता नवाचार में योगदान करने के लिए प्रेरित किया गया है। स्वच्छ भारत ने पूरे देश में स्वच्छता और साफ–सफाई में क्रांति ला दी है और आत्मनिर्भर भारत ने स्वदेशी विनिर्माण और आर्थिक स्वतंत्रता को बढ़ावा दिया है जबकि स्टार्टअप इंडिया ने युवाओं के नेतृत्व वाले नवाचार और रोज़गार सृजन की लहर ला दी है।

इसके अलावा चंदन ने मीडिया को किसी भी ऐसे संगठन की रीढ़ बताया जो आम जनता से सीधा संबंध चाहता है। आज के डिजिटल युग में जो तेज़ सूचना प्रवाह और सोशल मीडिया के प्रभुत्व की विशेषता है, मीडिया नीति निर्माताओं और जनता के बीच की खाई को पाटकर लगातार अनुकरणीय परिणाम देता है। उन्होंने कहा कि जमीनी स्तर पर तुरंत जुड़ने की मीडिया की क्षमता यह सुनिश्चित करती है कि सरकारी योजनाएं अंतिम व्यक्ति तक पहुंच. ें जिससे समावेशिता और जवाबदेही को बढ़ावा मिलता है। चंदन के अनुसार यह सीधा जुड़ाव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विभिन्न कल्याण और विकास अभियानों की सफलता में महत्वपूर्ण रहा है।

केंद्रीय विद्यालय के छात्रों ने एसओएस चिल्ड्रन विलेज का किया दौरा

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू। पी.एम. श्री केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 2, जम्मू कैंट, के विद्यार्थियों ने प्रधानाचार्य सुनील कुमार यादव के मार्गदर्शन में एसओएस चिल्ड्रनस् विलेज, जम्मू का दौरा किया और वहाँ के बच्चों के लिए सर्दियों के स्वेटर, मोज़े, स्टेशनरी तथा खाद्य सामग्री भेंट की।

ये सभी वस्तुएँ 28 नवंबर को आयोजित बाल मेले से प्राप्त धनराशि से खरीदी गई थीं।

कई विद्यार्थियों ने व्यक्तिगत रूप से भी उदार योगदान दिया, जिसमें गेहूँ का आटा, खाद्य तेल, चॉकलेट तथा अन्य उपयोगी सामग्री शामिल थी, जो उनके सहायता–भाव और सामाजिक जिम्मेदारी को दर्शाता है। इस भ्रमण ने विद्यार्थियों को सहानुभूति, सेवा–भाव और सामाजिक उत्तरदायित्व का एक जीवनभर याद रहने वाला पाठ सिखाया।

जम्मू-कश्मीर में तीर्थयात्रा और पर्यटन को बदल देंगे रोपवे प्रोजेक्टः रमन सूरी

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के वरिष्ठ नेता रमन सूरी ने कहा कि जम्मू–कश्मीर के प्रमुख पर्यटन और धार्मिक स्थलों पर रोपवे प्रोजेक्ट का निर्माण न केवल इन जगहों के विकास के लिए, बल्कि देश भर के श्रद्धालुओं के लिए तीर्थयात्रा को सुरक्षित, आसान और सुलभ बनाने के लिए भी गेम–चेंजर साबित होगा।

रमन सूरी ने कहा कि श्रीनगर के ऐतिहासिक शंकराचार्य मंदिर को बाबा अमरनाथ की पवित्र गुफा से जोड़ने वाले एक महत्वाकांक्षी रोपवे के निर्माण की तैयारी चल रही है, जो पूरा होने के बाद तीर्थयात्रियों और पर्यटकों दोनों के लिए वरदान साबित होगा। उन्होंने कहा कि नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने पहले ही इस प्रोजेक्ट के लिए टेक्निकल बिड आमंत्रित कर ली हैं और सभी प्रस्तावित रोपवे पहलों के लिए विस्तृत प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार कर ली गई हैं, जो समय पर काम पूरा करने के प्रति भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार की गंभीरता और प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

मौजूदा रोपवे प्रोजेक्ट की सफलता पर प्रकाश डालते हुए बीजेपी नेता ने कहा कि जहां भी रोपवे शुरू किए गए हैं वहां तीर्थयात्रियों और पर्यटकों की संख्या में उल्लेखनीय और कई गुना वृद्धि हुई है। उन्होंने माता वैष्णो देवी भवन को भैरों बाबा मंदिर से जोड़ने वाले रोपवे का उदाहरण दिया जिसने श्रद्धालुओं की संख्या में काफी वृद्धि की है और लाखों भक्तों की यात्रा को आसान बनाया है।

रमन सूरी ने कहा कि हर साल जम्मू–कश्मीर में एक करोड़ से ज़्यादा तीर्थयात्री विभिन्न धार्मिक स्थलों पर जाते हैं लेकिन कई इलाक. ों में मुश्किल रास्तों और कठिन इलाकों के कारण श्रद्धालु यात्रा करने से हिचकिचाते हैं। उन्होंने कहा कि खासकर बाबा अमरनाथ यात्रा सबसे चुनौतीपूर्ण तीर्थयात्राओं में से एक है। ऊबड़–खाबड़ पहाड़, खराब मौसम और शारी. रिक थकान अक्सर बुजुर्ग श्रद्धालुओं और स्वास्थ्य समस्याओं वाले लोगों को हतोत्साहित करती है।

उन्होंने आगे कहा कि बाल्टाल से अमरनाथ गुफा तक प्रस्तावित रोपवे इन कठिनाइयों को काफी कम कर देगा। सूरी ने जोर देकर कहा कि एक रोपवे यात्रा को सुरक्षित और अधिक आरामदायक बनाएगा खासकर उन तीर्थयात्रियों के लिए जिन्हें लंबी दूरी तक ट्रेकिंग करना मुश्किल लगता है। यह कठिन यात्रा के दौरान थकान या दिल के दौरे से होने वाली मौतों सहित दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं को कम करने में भी मदद करेगा।

वरिष्ठ बीजेपी नेता ने कहा कि ऐसे इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट पूरे देश में एक मजबूत और सकारात्मक संदेश भेजेंगे जो जम्मू–कश्मीर को तीर्थयात्रियों और पर्यटकों के अनुकूल गंतव्य के रूप में दिखाएगा। उन्होंने कहा कि बेहतर कनेक्टिविटी और आसानी से पहुँचने की सुविधा से यात्रियों की संख्या बढ़ेगी, धार्मिक पर्यटन मज़बूत होगा और स्थानीय युवाओं के लिए रोज़गार के अवसर पैदा होंगे।

रमन सूरी ने नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया की भूमिका की तारीफ़ की और भरोसा जताया कि अथॉरिटी तय समय सीमा के अंदर इन रोपवे प्रोजेक्ट्स को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि पर्यटन और तीर्थयात्रा को बढ़ावा देने के प्रयास बहुत सराहनीय हैं लेकिन यह भी उतना ही ज़रूरी है कि रोपवे और दूसरे डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स समय पर पूरे हों ताकि तीर्थयात्रियों, पर्यटकों और स्थानीय लोगों को ज़्यादा से ज़्यादा फ़ायदा मिल सके।

उन्होंने फिर से कहा कि बीजेपी के नेतृत्व में भारत में लोगों की सुविधा, सुरक्षा और आर्थिक विकास के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट जम्मू–कश्मीर के लिए भी सबसे बड़ी प्राथमिकता बनी रहेगी और इस केंद्र शासित

गीत नए साल पर

जुग–जुग जीवे भारत प्यारा सब को साल मुबारक।
सागर धरती अम्बर सारा सब को साल मुबारक।
देश विदेशों में बैठे मेहनतकार जवानों।
हरियाली खुशहाली देवे सिर पर प्यार जवानों।
धरती को चुमे उजियारा सब को साल मुबारक।
जुग–जुग जीवे भारत प्यारा सब को साल मुबारक।
बीच सियासत शक्ति भक्ति शुद्ध बुद्धि आ जाए।
धर–घर आधुनिक यंत्र आएं विकसित देश कहाए।
शुभ तिरंगे का है नारा सब को साल मुबारक।
जुग–जुग जीवे भारत प्यारा सब को साल मुबारक।
सब धर्मो की एक ईकाई दूजे के काम आना।
तां कि दीपक जगमग चमके तेल निरंतर पाना।
इस के बिन नहीं कोई चारा सब को साल मुबारक।
जुग–जुग जीवे भारत प्यारा सब को साल मुबारक।
इस की सुन्दर कलगी अन्दर शोभित है कुर्बानी।
नवयुग परिवर्तन की प्रबल लौकिक प्रीत कहानी।
जनवादी नवनीत नज़ारा सब को साल मुबारक।
जुग–जुग जीवे भारत प्यारा सब को साल मुबारक।
धर्म–कर्म की श्रद्धा होवे परिश्रम भीतर सृजन।
संपूर्णता में उमंगे समतव होवे आर्पण।
झुग्गी–झोंपड बीच नज़ारा सब को साल मुबारक।
जुग–जुग जीवे भारत प्यारा सब को साल मुबारक।
मानवता की ज्योति प्रज्वलित विभिन्न शब्दों अन्दर।
पूजा अर्चन बीच सुगंधी होवे अनुपम मंज़र।
मन्दिर मस्जिद एंव गुरूद्वारा सबको साल मुबारक।
जुग–जुग जीवे भारत प्यारा सब को साल मुबारक।
शुभ इच्छाएं शुभआसीसें मालिक सब को देवे।
एक गुलदस्ता, जलते दीपक, थाल में गुड़ एंव मेवे।
बालम गीतों का बंजारा सब को साल मुबारक।
जुग–जुग जीवे भारत प्यारा सब को साल मुबारक।

बलविंदर बालम गुरदासपुर
ओंकार नगर गुरदासपुर पंजाब
मों– 98156–25409

गुलाबगढ़, किश्तवाड़ में पैडर क्रिकेट प्रीमियर लीग-2025 का सफल आयोजन

सबका जम्मू कश्मीर

किश्तवाड : भारतीय सेना द्वारा किश्तवाड़ जिले के गुलाबगढ़ क्षेत्र में पैडर क्रिकेट प्रीमियर लीगदृ2025 का सफल आयोजन किया गया। इस खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ 24 नवंबर 2025 को किया गया था, जिसमें पैडर क्षेत्र की कुल 32 टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस आयोजन ने क्षेत्र के युवाओं और स्थानीय लोगों के बीच खेल भावना और आपसी भाईचारे को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई।

टूर्नामेंट के दौरान कुल 30 रोमांचक लीग मुकाबले खेले गए, जिनमें खिलाड़ियों ने अपने कौशल, अनुशासन और खेल भावना का शानदार प्रदर्शन किया। पूरे टूर्नामेंट के दौरान दर्शकों में खासा उत्साह देखने को मिला और स्थानीय लोगों ने बड़ी संख्या में मैदान पर पहुंचकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

प्रतियोगिता का फाइनल मुक. ाबला कार्थई 11 और सीजी लायंस टीम के बीच खेला गया, जो बेहद रोमांचक रहा। इस मुक. ाबले में सीजी लायंस टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की और पैडर क्रिकेट प्रीमियर लीगदृ2025 की विजेता बनी।

विजेता टीम सीजी लायंस को चौंपियनशिप ट्रॉफी के साथ 16,000 रुपये की नकद राशि प्रदान की गई।

वहीं उपविजेता टीम कार्थई 11 को ट्रॉफी और 8,000 रुपये की नकद पुरस्कार राशि से सम्मानित किया गया।

इसके अलावा टूर्नामेंट में उत्कृ ष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

'मैन ऑफ द सीरीज' और 'मैन ऑफ द मैच' का खिताब हासिल करने वाले खिलाड़ियों को ट्रॉफी और नकद पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया। निष्पक्ष और अनुशासित ढंग से मैचों का संचालन करने वाले दो अंपायरों को भी उनके योगदान के लिए नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

इस क्रिकेट टूर्नामेंट का मुख्य उद्देश्य स्थानीय युवाओं को अपनी खेल प्रतिभा दिखाने के लिए एक सशक्त मंच प्रदान करना था, साथ ही स्वस्थ प्रतिस्पर्धा, अनुशासन और टीम भावना को बढ़ावा देना भी इसका अहम लक्ष्य रहा। भारतीय सेना की इस पहल से युवाओं में खेल के प्रति रुचि बढ़ी और उन्हें सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली।

स्थानीय लोगों द्वारा इस आयोजन की खूब सराहना की गई और इसे अत्यंत सफल बताया गया।

इस तरह के आयोजनों से न केवल युवाओं को प्रोत्साहन मिलता है, बल्कि स्थानीय समुदाय और सशस्त्र बलों के बीच आपसी विश्वास, सौहार्द और सहयोग की भावना भी और अधिक मजबूत होती है। गुलाबगढ़ में आयोजित पैडर क्रिकेट प्रीमियर लीगदृ2025 भारतीय सेना और स्थानीय जनता के बीच मजबूत रिश्तों का एक सशक्त उदाहरण बनकर उभरी है।

पूर्व सरपंच अक्षय कुमार डफ ने अपने ऊपर लगे आरोपों को बताया झूठा

सबका जम्मू कश्मीर

आरएस पुरा। ब्लॉक सुचेतगढ़ की चक बाजा पंचायत के पूर्व सरपंच अक्षय कुमार डफ की तरफ से आज एक पत्रकार माता का आयोजन कर कहा गया कि कुछ लोगों द्वारा उनकी छवि को खराब करने का प्रयास किया गया है जिन पर वह जल्द मानहानि का दावा करेंगे। इस मौके पर उनके साथ पंचायत के पूर्व प्रतिनिधियों के साथ–साथ काफी संख्या में पंचायत के लोग भी उपस्थित रहे।

इस मौके पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए पूर्व सरपंच अक्षय कुमार डफ ने कहा कि पिछले दिनों सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुई जिसमें कुछ लोगों द्वारा आरोप लगाया गया कि उन्होंने पैसे के लेनदेन में धोखाधड़ी की है जिसमें कोई सच्चाई नहीं है और वह किसी भी जांच के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। उन्होंने कहा कि सरपंच बनने के बाद उन्होंने लगातार अपनी पंचायत के साथ–साथ साथ लगती पंचायत में भी विकास कार्य करवाने में अपना भरपूर योगदान दिया और खासकर समाज के गरीब वर्ग के लिए अपना पूरा योगदान दिया।

उन्होंने कहा कि उन पर लगे झूठे आरोपों के बाद पंचायत के लोगों में भी काफी गुस्सा है। उन्होंने कहा कि अगर आरोप लगाने वाले लोगों ने जल्द अपने बयान वापस नहीं लिए तो उन पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि एक सरपंच होने के नाते उन्होंने लगातार पंचायत के मुद्दों को हल करने का प्रयास किया है और अब उन पर ही झूठे आरोप लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

युवा वाणी 2.0 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित, जेकेसीआईपी के तहत यूथ क्लबों को किया गया सशक्त

सबका जम्मू कश्मीर

कठुआ, कृषि उत्पादन एवं किसान कल्याण विभाग, कठुआ द्वारा जेकेसीआईपी के अंतर्गत "युवा वाणी 2.0" प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन मुख्य कृषि अधिकारी, कठुआ के कार्यालय परिसर में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य यूथ क्लबों के सदस्यों को जागरूकता अभियानों और सामुदायिक विकास के लिए तैयार करना रहा।

कार्यक्रम में मुख्य कृषि अधिकारी कठुआ जतिंदर खजूरिया ने युवाओं की भूमिका को अहम बताते हुए कहा कि यूथ क्लब गांव और समाज में बदलाव लाने का मजबूत माध्यम बन सकते हैं।

प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने पौधारोपण, जल स्रा. `तों के संरक्षण, पशुपालन, भेड़ पालन और स्वच्छता जैसे विषयों पर सरल तरीके से जानकारी दी। केवीके के वैज्ञानिकों ने आधुनिक कृषि तकनीकों पर भी प्रकाश डाला। नगर पालिका के प्रतिनिधि ने वैज्ञानिक कचरा निपटान और साफ–सफाई के महत्व पर जानकारी दी।

मुख्य अतिथि विधायक कठुआ डॉ. भारत भूषण ने युवाओं से अपील की कि वे सरकारी योजनाओं और जेकेसीआईपी की जानकारी गांव–गांव तक पहुंचाएं और समाज सेवा में आगे आएं। उन्होंने अधिकारियों को भी निर्देश दिए कि योजनाओं का लाभ आम लोगों तक समय पर पहुंचे।

कार्यक्रम में कृषि एवं संबद्ध विभागों के अधिकारी, विशेषज्ञ और पांच ब्लॉकों बरनोटी, कठुआ, बिलावर, लोहाई मल्हार और बनी से आए 20 यूथ क्लब प्रशिक्षुओं सहित 100 से अधिक लोगों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का समापन युवाओं को आगे बढ़ाने, टिकाऊ खेती को बढ़ावा देने और सामुदायिक भागीदारी मजबूत करने के संकल्प के साथ हुआ।

रामकृष्ण मिशन मेडिकल सेंटर में फ्री मल्टी–स्पेशियलिटी हेल्थ कैंप लगाया गया

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : रामकृष्ण मिशन मेडिकल सेंटर, रामकृष्ण विहार, उधयवाला, जम्मू ने शनिवार को सुबह 9रू00 बजे से दोपहर 2रू00 बजे तक सफलतापूर्वक एक फ्री मल्टी–स्पेशियलिटी हेल्थ कैंप का आयोजन किया।

इस कैंप में दिल की सेहत और मुंह की सेहत और साफ–सफाई पर ध्यान दिया गया, जिसमें स्थानीय समुदाय से बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए और निवारक और दयालु स्वास्थ्य सेवा के प्रति मिशन की प्रतिबद्धता की पुष्टि हुई।

इस कैंप का नेतृत्व एस्कॉम्स अविघ्न हार्ट सेंटर के जाने–माने कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. नीरज गुप्ता ने किया, साथ ही जाने–माने डेंटिस्ट डॉ. राकेश रैना, एमडीएस (पीएचडी), ओरल इम्प्लांटोलॉजी में च्ळ भी मौजूद थे।

उन्हें इंदिरा गांधी गवर्नमेंट डेंटल कॉलेज और हॉस्पिटल, अम्फल्ला के पब्लिक हेल्थ डेंटिस्ट्री विभाग की एक समर्पित टीम का सहयोग मिला, जिसकी देखरेख डॉ. मनीषा कौल, रजिस्ट्रार, पब्लिक हेल्थ डेंटिस्ट्री विभाग और डॉ. मयंक हाली ने की।

जनरल मेडिसिन, ऑर्थोपेडिक्स, डेंटिस्ट्री, गायनेकोलॉजी, ऑप्थल्मोलॉजी और फिजियोथेरेपी सहित कई क्षेत्रों के विशेषज्ञों द्वारा मुफ्त मेडिकल परामर्श प्रदान किया गया, जिससे एक ही छत के नीचे व्यापक स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित हुईं।

इसके अलावा, मरीजों को म्ब्ळ, न्यूरोपैथी टेस्ट, यूरिक एसिड टेस्ट और ब्लड शुगर टेस्ट जैसे मुफ्त डायग्नोस्टिक टेस्ट की सुविधा दी गई, जिससे स्वास्थ्य समस्याओं का जल्दी पता लगाने और उनका इलाज करने में मदद मिली।

फास्टिंग वाले मरीजों के लिए सीबीसी, लिपिड प्रोफाइल, ब्लड शुगर, थायराइड फंक्शन टेस्ट, लिवर फंक्शन टेस्ट, किडनी फंक्शन टेस्ट और विटामिन क असेसमेंट सहित एक फुल बॉडी चेक–अप पैकेज भी 2300 रुपये की मूल कीमत के मुकाबले 1200 रुपये की अत्यधिक रियायती दर पर उपलब्ध कराया गया।

इस कैंप में पल्लवी मिश्रा,आईएएस, एसडीएम मरह और रमन गुप्ता, डक पैंस एंड पॉट्स सहित विशिष्ट अतिथि मौजूद थे, जिन्होंने समुदाय को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने में मिशन के प्रयासों की सराहना की।

कुल 320 मरीजों ने 12 अनुभवी डॉक्टरों की सेवाओं का लाभ उठाया, जो कैंप की व्यापक पहुंच और सकारात्मक प्रभाव को दर्शाता है।

इस अवसर पर बोलते हुए, स्वामी यज्ञधरानंद जी, सचिव, रामकृष्ण मिशन, जम्मू ने श्री रामकृष्ण देव, मां शारदा और स्वामी विवेकानंद के आदर्शों के प्रति संगठन के समर्पण को दोहराया, और इस बात पर जोर दिया कि मानवता की सेवा ही ईश्वर की पूजा का एक रूप है।

यह हेल्थ कैंप रामकृष्ण मिशन मेडिकल सेंटर की कम्युनिटी वेलफेयर, प्रिवेंटिव हेल्थकेयर और निस्वार्थ सेवा के मकसद से चल रही पहलों का हिस्सा था। भविष्य के कार्यक्रमों के बारे में जानकारी के लिए, लोग रामकृष्ण मिशन मेडिकल सेंटर से 9596984032 पर संपर्क कर सकते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने 1996 के ड्रग्स ज़ब्ती मामले में संजीव भट्ट की सजा निलंबित करने की याचिका खारिज कर दी

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को पूर्व आईपीएस अधिकारी संजीव भट्ट द्वारा दायर उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने 1996 के ड्रग्स ज़ब्ती मामले में उन्हें मिली 20 साल की जेल की सजा को निलंबित करने की मांग की थी।

जस्टिस जेके माहेश्वरी और विजय बिश्नोई की बेंच ने कहा कि वे इस मामले पर सुनवाई करने के इच्छुक नहीं हैं।

सुप्रीम कोर्ट भट्ट द्वारा इस मामले में सजा के निलंबन की मांग वाली अपील पर सुनवाई कर रहा था। गुजरात के बनासकांठा जिले के पालनपुर कस्बे की एक सत्र अदालत ने भट्ट को 1996 के इस मामले में 20 साल की सजा सुनाई थी। भट्ट को राजस्थान के एक वकील को झूठा फंसाने का दोषी पाया गया था।

पूंछ के बनवत व्यू पॉइंट पर ऊंचे तिरंगे के लिए एक गौरवशाली शुरूआत

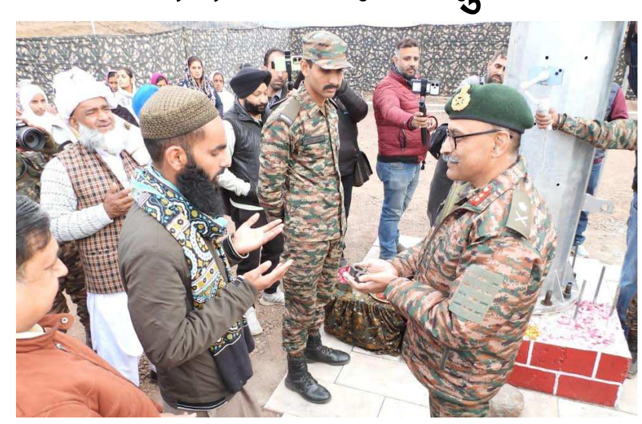

सबका जम्मू कश्मीर

पूंछ : गर्व, एकता और राष्ट्रीय भावना को दर्शाने वाले एक बहुत ही भावुक और प्रतीकात्मक समारोह में, मेजर जनरल कौशिक मुखर्जी,ैड, जनरल ऑफिसर कमांडिंग, ऐस ऑफ स्पेड्स डिवीजन ने पूंछ जिले के बांदीचेचियां गांव में बनवत व्यू पॉइंट पर 105 फीट ऊंचे राष्ट्रीय ध्वज के लिए आधारशिला रखी। यह अवसर एक ऐतिहासिक परियोजना की शुरुआत का प्रतीक था जो इस सीमावर्ती क्षेत्र में रहने वाले लोगों के साहस, लचीलेपन और आकांक्षाओं के स्थायी प्रतीक के रूप में खड़ा होगा।

पूंछ के सुंदर नज़ारों के बीच, प्रस्तावित विशाल तिरंगे को राष्ट्रीय गौरव की किरण और राष्ट्र की रक्षा में पीढ़ियों द्वारा किए गए बलिदानों को श्रद्धांजलि के रूप में देखा जा रहा है। आधारशिला रखने के समारोह ने एक महीने तक चलने वाली सामाजिक पहल की भी शुरुआत की, जिसका उद्देश्य सामूहिक भागीदारी, साझा जिम्मेदारी और उज्जवल भविष्य के लिए एक सामान्य दृष्टिकोण के माध्यम से सामुदायिक संबंधों को मजबूत करना है।

राष्ट्रीय ध्वज का भव्य उद्घाटन 26 जनवरी 2026 को गणतंत्र दिवस के अवसर पर निर्धारित है। पूरा होने पर, बनवत व्यू पॉइंट देशभक्ति प्रेरणा का केंद्र बनने की उम्मीद है, जो पर्यटन को बढ़ावा देने, स्थानीय सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करने और क्षेत्र के लोगों में अपनेपन और राष्ट्रीय गौरव की एक नई भावना पैदा करने में योगदान देगा।

इस कार्यक्रम में स्थानीय ग्रामीणों, समुदाय के प्रतिनिधियों, नागरिक गणमान्य व्यक्तियों और भारतीय सेना के कर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। माहौल कृतज्ञता और प्रशंसा की हार्दिक भावनाओं से भरा हुआ था। जो लोगों और भारतीय सेना के बीच मजबूत भावनात्मक जुड़ाव को दर्शाता है।

इस अवसर पर, भारतीय सेना ने स्थानीय आबादी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहने, एकता, विकास और सीमावर्ती क्षेत्रों में तिरंगे की स्थायी भावना को बढ़ावा देने की अपनी अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

साप्ताहिक राशिफल

मेष

मेष राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह कभी खुशी कभी गम लिए रहने वाला है। इस सप्ताह आपको निजी जीवन से लेकर करियर–कारोबार तक में उतार–चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं। हालांकि सप्ताह की शुरुआत सामान्य रहने वाली है। इस दौरान व्यक्तिगत और पेशेवर रूप से खुद को मजबूत पाएंगे। कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी। युवाओं का अधिकांश समय मौज–मस्ती करते हुए बीतेगा। घर–परिवार में मांगलिक कार्य संपन्न होंगे। सप्ताह के मध्य में आपको करियर–कारोबार में कुछ अप्रत्याशित बदलाव को झेलना पड़ सकता है।

इस दौरान नौकरीपेशा लोगों के सिर पर अचानक से अतिरिक्त जिम्मेदारी का बोझ आ सकता है। जिसे पूरा करने के लिए आपको अधिक समय और ऊर्जा खर्च करने की आवश्यकता रहेगी।

वृषभ

वृष राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मध्यम फलदायी है। वृष राशि के जो जातक किसी कार्य विशेष के लिए बीते कुछ समय से लगातार प्रयासरत हैं, उन्हें इस सप्ताह भी उससे जुड़ी सफलता के लिए इंतजार करना पड़ सकता है। सप्ताह के उत्तरार्ध के मुकाबले उनका पूर्वार्ध थोड़ा राहत भरा रहने वाला है।

ऐसे में इस राशि के जातकों को अपने करियर–कारोबार और जीवन से जुड़े अहम कार्यों को इसी दौरान करने का प्रयास करना चाहिए। सप्ताह के मध्य में किसी व्यक्ति विशेष से मेल–मुलाकात होगी। जिसकी मदद से अटके कार्यों में धीमी गति से ही लेकिन प्रगति होती नजर आएगी। सप्ताह के उत्तरार्ध में न सिर्फ कार्यक्षेत्र से जुड़ी बल्कि घर–परिवार से संबंधित समस्याएं भी आपकी परेशानी का कारण बन सकती हैं। इस दौरान पैतृक संपत्ति अथवा किसी जमीन–जायदाद को लेकर विवाद हो सकता है। अचानक से जीवन में तमाम तरह की समस्याएं सामने आने से आपका मन थोड़ा विचलित रह सकता है। हालांकि सुखद पहलू यह है कि इस दौरान आपके संगी–साथी आपकी ढाल बनेंगे और आपके साथ साए की तरह बने रहेंगे।

मिथुन

मिथुन राशि के जातकों को इस सप्ताह सौभाग्य का पूरा साथ मिलेगा। यदि आप किसी कार्य विशेष के लिए लंबे समय से प्रयासरत थे तो उम्मीद का दामन बिल्कुल न छोड़ें क्योंकि इस सप्ताह उसमें आ रही बाधाएं स्वतरू दूर होती हुई नजर आएंगी। सप्ताह के पूर्वार्ध का समय नौकरीपेशा लोगों के लिए अनुकूल रहने वाला है।

इस दौरान आपके शुभचिंतक आपको नेक सलाह देते हुए नजर आएंगे, जिस पर अमल करके आप अपनी चीजों को सुव्यवस्थित कर सकते हैं। सप्ताह के मध्य में किसी तीर्थ स्थान पर जाने का अचानक प्रोग्राम बन सकता है। इस पूरे सप्ताह घरेलू महिलाओं का मन धार्मिक–कार्यों में खूब रमेगा। किसी धार्मिक–आध्यात्मिक व्यक्ति की विशेष कृपा आप पर बरस सकती है। यदि आप व्यवसाय से जुड़े हुए हैं तो आपके लिए सप्ताह के पूर्वार्ध के मुकाबले उत्तरार्ध ज्यादा शुभ रहने वाला है। इस दौरान आप आप समझदारी के साथ अपने पैसे का सही जगह निवेश करते हैं तो आपको उससे भविष्य में बड़ा लाभ मिल सकता है। उच्च शिक्षा के लिए प्रयासरत लोगों के लिए यह सप्ताह गुडलक लेकर आएगा।

कर्क

कर्क राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिश्रित फलदायक रहने वाला है। इस सप्ताह इस राशि के जातकों को किसी भी फैसले को लेते समय जल्दबाजी करने से बचना चाहिए। रिश्ते–नाते में मिठास बनी रहे और किसी प्रकार की गलतफहमी न पैदा हो इसके लिए स्वजनों के साथ संवाद बनाए रखें।

सप्ताह की शुरुआत में आपको करियर–कारोबार के सिलसिले में बड़े फैसले लेने पड़ सकते हैं। ऐसा करते समय अपने शुभचिंतकों की सलाह अवश्य लें। यदि आप नौकरीपेशा व्यक्ति हैं तो अपने कार्यक्षेत्र में सीनियर और जूनियर को मिलाकर चलें। यदि कार्यक्षेत्र पर हालात आपके अनुकूल नहीं हैं तो आप उससे बजाय भागने के उसे बेहतर बनाने का प्रयास करें। भूलकर भी आवेश में आकर नौकरी में बदलाव जैसा फैसला लेने से बचें। सप्ताह के मध्य में घरेलू समस्याओं के चलते आपका मन थोड़ा खिन्न रहेगा। इस दौरान आपको आपके विरोधी आप पर हावी होने तथा आपके बनते काम बिगाड़ने की कोशिश कर सकते हैं।

सिंह

सिंह राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मध्यम फलदायी रहने वाला है। इस सप्ताह इस राशि के जातकों को अपनी ऊर्जा, धन और समय का प्रबंधन करके चलना उचित रहेगा। सप्ताह की शुरुआत में आपके सिर पर अचानक से कुछ बड़े खर्च आ सकते हैं। इस दौरान कार्य विशेष के लिए लंबी दूरी की यात्रा पर भी अचानक निकलना पड़ सकता है। यात्रा सुखद और नये संपर्कों को बढ़ाने वाली साबित होगी। व्यवसाय से जुड़े लोगों के लिए सप्ताह के उत्तरार्ध के मुकाबले पूर्वार्ध का समय ज्यादा अनुकूल रहने वाला है। ऐसे में आपको अपने कारोबार से जुड़े बड़े फैसले इसी दौरान करने चाहिए। सप्ताह के मध्य में आप कुछ चीजों को लेकर खुद को असमंजस की स्थिति में पा सकते हैं। ऐसे में इस दौरान कोई बड़ा फैसला लेते समय अपने शुभचिंतकों की सलाह अवश्य लें। नौकरीपेशा जातकों इस सप्ताह अपने कार्य दूसरों के भरोसे छोड़ने की बजाय स्वयं बेहतर तरीके से पूरे करने का प्रयास करना चाहिए अन्यथा पूर्व में की गई न सिर्फ आपकी मेहनत बेकार जा सकती है, बल्कि वरिष्ठ अधिकारियों की डांट भी सुननी पड़ सकती है।

कन्या

कन्या राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिलाजुला रहने वाला है। यदि आप चाहते हैं कि आपको जीवन में मनचाही सफलता और खुशियां मिले तो आपको अपने कार्य और व्यवहार में आमूलचूल बदलाव लाना होगा और अपने शुभचिंतकों को नाराज करने से बचना होगा। इस सप्ताह आपकी किसी बात या व्यवहार से आपके अपने नाराज हो सकते हैं। वाद–विवाद बढ़ने पर वर्षों से बने रिश्ते में दरार आ सकती है। करियर–कारोबार से लेकर घर–परिवार में सब कुछ अच्छा बना रहे इसके लिए दूसरों से अपेक्षा करने करने की बजाय आपको खुद ही आगे बढ़कर प्रयास करना होगा।

यदि आप नौकरीपेशा व्यक्ति हैं तो अपने कार्यक्षेत्र में कनिष्ठ लोगों के साथ रुखा व्यवहार न करें और अपने वरिष्ठ लोगों के साथ अच्छा तालमेल बनाए रखें। यदि आप व्यवसायी हैं तो शार्टकट तरीके से लाभ कमाने से बचें और कागजी काम पूरे करके रखें। यदि आप पार्टनरशिप में व्यवसाय करते हैं तो धन का लेनदेन सावधानी के साथ करें।

तुला

तुला राशि के जातकों के लिए करियर और कारोबार की दृष्टि से यह सप्ताह उत्तम और रिश्ते–नाते की दृष्टि से मध्यम फलदायी रहने वाला है।

सप्ताह की शुरुआत में आपको करियर–कारोबार से जुड़ा कोई बहुप्रतीक्षित शुभ समाचार प्राप्त हो सकता है। इस सप्ताह तुला राशि का नौकरीपेशा जातक हो या फिर व्यवसाय से जुड़ा कारोबारी, वह अपना शत प्रतिशत अपने कार्य में देता हुआ नजर आएगा।

खास बात कि उसके प्रयासों को सौभाग्य का भी पूरा साथ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी और सीनियर आपके कामकाज की खुले मन से प्रशंसा करते हुए नजर आएंगे। सप्ताह के अंत तक आपको बड़ा पद अथवा अहम जिम्मेदारी मिल सकती है। यदि आप लंबे समय से किसी नये कारोबार की शुरुआत करने अथवा किसी बड़ी डील को फाइनल करने के लिए प्रयासरत थे तो आपकी यह मनोकामना इस सप्ताह पूरी हो सकती है। यदि आप लंबे समय से रोजी–रोजगार के लिए प्रयासरत थे तो सप्ताह के उत्तरार्ध में आपकी यह मनोकामना पूरी हो सकती है।

वृश्चिक

वृश्चिक राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह गुडलक लिए है। इस सप्ताह आपको जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में शुभता–सफलता की प्राप्ति होगी। इस सप्ताह आपके सोचे हुए कार्य समय पर पूरे होंगे। करियर–कारोबार में मनचाही प्रगति होती नजर आएगी। कार्यक्षेत्र में आपको सीनियर और जूनियर दोनों का सहयोग और समर्थन मिलेगा। व्यवसाय में अच्छा मुनाफा कमाएंगे। यदि आपके कारोबार में बीते समय से कोई अड़चन आ रही थी इस सप्ताह वह किसी व्यक्ति विशेष की मदद से दूर हो जाएगी। मार्केट में आपकी साख बढ़ेगी। यदि आप साझेदारी में व्यवसाय करते हैं तो आप उसके विस्तार की योजना पर काम करेंगे। आपकी योजना को साकार रूप देने के लिए आपके शुभचिंतक और परिजन पूरी मदद करेंगे। इस संबंध में घर–परिवार के किसी वरिष्ठ सदस्य की सलाह लाभदायी साबित होगी। यह सप्ताह पठन–पाठन एवं शोध से जुड़े कार्यों को करने वालों के लिए अत्यधिक शुभ साबित होगा।

धनु

धनु राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह जीवन के नये अवसरों को लेकर आने वाला है, लेकिन उसका लाभ उठाने के लिए आपको आलस्य और आशंका को त्याग कर कठिन परिश्रम और प्रयास करना होगा। इस सप्ताह यदि आप अपने धन, समय और उर्जा का सही दिशा में उपयोग करते हैं तो आपको आशा से अधिक सफलता और लाभ मिल सकता हैं। वहीं इसकी अनदेखी करने पर बनते काम बिगड़ जाने से मन में निराशा के भाव जाग सकते हैं। धनु राशि के जातकों को इस सप्ताह खुले हाथ धन खर्च करने से बचना चाहिए अन्यथा सप्ताह के अंत तक उन्हें उधार मांगने की नौबत आ सकती है। व्यवसाय की दृष्टि से यह सप्ताह आपके लिए मिश्रित फलदायी साबित होने वाला है। इस सप्ताह आपको कारोबार में लाभ तो होगा लेकिन साथ ही साथ खर्च की अधिकता भी बनी रहेगी। धनु राशि के जातकों को इस सप्ताह मौसमी बीमारी को लेकर सतर्क रहने की आवश्यकता रहेगी। अपनी दिनचर्या और खानपान सही रखें अन्यथा पेट संबंधी दिक्कतें हो सकती है। परीक्षा–प्रतियोगिता की तैयारी में जुटे छात्रों को सप्ताह के मध्य में किसी सुखद समाचार की प्राप्ति संभव है।

मकर

मकर राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह उतार–चढ़ाव लिए रहने वाला है। इस सप्ताह आप अपने करियर–कारोबार में आ रही अड़चनों को लेकर चिंतित रह सकते हैं। कार्यक्षेत्र और कारोबार के अलावा निजी जीवन से जुड़ी समस्याएं भी आपकी बड़ी चिंता का कारण बनेंगी। हालांकि जीवन के कठिन समय में आपके शुभचिंतक एवं परिजन काफी मददगार साबित होंगे और काफी हद तक आप इन समस्याओं का समाधान खोजने में भी कामयाब होंगे। सप्ताह के मध्य में किसी भी कार्य को करते समय विशेष सावधानी बरतें। इस दौरान जल्दबाजी या असमंजस की स्थिति में लिया गया निर्णय आपके लिए हानिकारक साबित हो सकता है। इस दौरान स्वजनों के साथ बात–व्यवहार करते समय विनम्रता से पेश आएं अन्यथा लंबे समय से बने हुए रिश्तों में दरार आ सकती है। इस सप्ताह खर्च की अधिकता के चलते आपका बजट थोड़ा गड़बड़ा सकता है। सप्ताह के उत्तरार्ध में करियर–कारोबार के सिलसिले में लंबी दूरी की यात्रा पर निकलना पड़ सकता है।

कुंभ

जीवन में आने वाली छोटी–मोटी दिक्कतों को यदि नजरअंदाज कर दें तो कुंभ राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह शुभ साबित होगा। इस सप्ताह आपको आपकी मेहनत का पूरा फल प्राप्त होगा। करियर और कारोबार की दिशा में किए गये प्रयास सफल होंगे और आपके पद एवं प्रतिष्ठा में बढ़ोत्तरी होगी।

राजनीति से जुड़े लोगों के लिए यह सप्ताह गुडलक लिए हुए है। इस सप्ताह आपकी झोली में कोई बड़ा पद गिर सकता है। सत्तापक्ष से जुड़े लोगों के साथ आपका मेल–मिलाप बढ़ेगा। आपके मान–सम्मान में बढ़ोत्तरी होगी। नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी। आप अपनी सूझबूझ से अपने विरोधियों पर काबू पाने में कामयाब होंगे। कुंभ राशि के जो जातक तकनीक के क्षेत्र से जुड़े हुए हैं, उनके लिए यह सप्ताह अत्यंत ही शुभ साबित होगा। इसी प्रकार इलेक्ट्रानिक का कारोबार करने वालों को बड़े लाभ की प्राप्ति होगी। सप्ताह के उत्तरार्ध में किसी वरिष्ठ एवं अनुभवी व्यक्ति से कार्य विशेष के लिए मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

मीन

मीन राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिलाजुला रहने वाला है। सप्ताह के पूर्वार्ध का समय जहां अनुकूल तो वहीं उत्तरार्ध थोड़ा प्रतिकूल रहने वाला है। ऐसे में मीन राशि के जातकों को जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण कार्यों सप्ताह की शुरुआत में ही निबटाने का प्रयास करना चाहिए। यदि आप बेरोजगार हैं तो आपको इसी दौरान पूरे मनोयोग से रोजी–रोजगार के लिए प्रयास करना चाहिए। इस दौरान किसी व्यक्ति विशेष की मदद से भूमि–भवन से जुड़े विवाद का समाधान निकल सकता है। मीन राशि के जातकों को इस सप्ताह इस बात का पूरा ख्याल रखना होगा कि उनकी बात से ही बात बनेगी और बात से ही बात बिगड़ भी सकती है।

ऐसे में अपना काम निकलवाने के लिए लोगों की प्रशंसा करने में जरा भी कंजूसी न करें और सभी के साथ अच्छा तालमेल बनाए रखें। सप्ताह के पूर्वार्ध में आपके घर में कोई धार्मिक अथवा मांगलिक कार्यक्रम संपन्न हो सकता है। इस दौरान घरेलू महिलाओं का अधिकांश समय पूजा–पाठ में बीतेगा।

साप्ताहिक सबका जम्मू कश्मीर

आतंकी फंडिंग मामले में सुप्रीम कोर्ट 7 जनवरी को अलगाववादी नेता शब्बीर अहमद शाह की जमानत याचिका पर सुनवाई करेगा

सबका जम्मू कश्मीर

नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि वह आतंकी फंडिंग मामले में कश्मीरी अलगाववादी नेता शब्बीर अहमद शाह की जमानत याचिका पर 7 जनवरी को सुनवाई करेगा।

जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप मेहता की बेंच ने राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के वकील द्वारा सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की पैरवी के आधार पर सुनवाई स्थगित करने के अनुरोध के बाद यह आदेश पारित किया।

बेंच ने मामले की सुनवाई 7 जनवरी को तय करते हुए स्पष्ट किया कि एनआईए को और स्थगन नहीं दिया जाएगा।

शाह ने इस मामले में दिल्ली उच्च न्यायालय के 12 जून के उस आदेश को चुनौती दी है जिसमें उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया गया था।

गुरुवार को सुनवाई के दौरान, एनआईए के वकील ने कहा, "सॉलिसिटर जनरल हमारी ओर से सुनवाई कर रहे हैं। उनकी सुनवाई कोर्ट नंबर 7 में आंशिक रूप से चल रही है। कृपया इसे जनवरी में सुनवाई के लिए रखें।"

एजेंसी की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा ने कहा कि सॉलिसिटर जनरल इस मामले पर पैरवी करेंगे।

शाह की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कॉलिन गोंसाल्वेस ने कहा कि मामला अगले सप्ताह सूचीबद्ध किया जा सकता है।

"जनवरी ही क्यों? वह जमानत मांग रहे हैं। मामला सितंबर से लंबित है। नोटिस 4 सितंबर को जारी किया गया था। तीन महीने बीत चुके हैं," बेंच ने एनआईए के वकील से पूछा।

वकील ने कहा कि मेहता एनआईए की ओर से बहस करेंगे। बेंच ने फिर मामले की सुनवाई के चरण के बारे में पूछा।

लूथरा ने कहा कि गवाहों की जांच चल रही है और अब तक लगभग 30 गवाहों की जांच हो चुकी है। उन्होंने कहा कि 95 गवाहों को हटा दिया गया है और एनआईए इनकी संख्या और कम कर सकती है। गोंसाल्वेस ने कहा कि अब 248 गवाह हैं जिनमें से केवल 30 की जांच हुई है। "प्रतिवादी (एनआईए) को एक आखिरी मौका दिया जाता है। हम 7 जनवरी को सुनवाई करेंगे। हम कहेंगे कि आगे कोई समय नहीं दिया जाएगा," बेंच ने कहा।

जब गोंसाल्वेस ने मामले की सुनवाई अगले सप्ताह के लिए रखने का अनुरोध किया, तो बेंच ने कहा, "हम कल भी सुन सकते हैं। हम आज भी सुन सकते हैं। हमें कोई दिक्कत नहीं है, दिक्कत दूसरी तरफ है।"

4 सितंबर को, सुप्रीम कोर्ट ने शाह को अंत. रिम जमानत देने से इनकार कर दिया और एनआईए को नोटिस जारी कर उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली उनकी याचिका पर जवाब मांगा।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने शाह को जमानत देने से इनकार करते हुए कहा था कि उनके द्वारा इसी तरह की गैरकानूनी गतिविधियों को अंजाम देने और गवाहों को प्रभावित करने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है।

शाह को एनआईए ने 4 जून, 2019 को गिरफ्तार किया था।

2017 में, एनआईए ने केंद्र सरकार के खिलाफ युद्ध छेड़ने की साजिश रचने, पत्थरबाजी करने, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और अशांति फैलाने के लिए धन जुटाने के आरोप में 12 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

शाह पर जम्मू-कश्मीर में अलगाववादी आंदोलन को बढ़ावा देने में ष्महत्वपूर्ण भूमिकाष् निभाने का आरोप था। उन पर आम जनता को जम्मू-कश्मीर के अलगाव के समर्थन में नारे लगाने के लिए उकसाने, मारे गए आतंकवादियों या उग्रवादियों के परिवारों को ष्शहीदष् बताकर श्रद्धांजलि देने, हवाला लेनदेन के माध्यम से धन प्राप्त करने और नियंत्रण रेखा पार व्यापार के माध्यम से धन जुटाने का आरोप था, जिसका कथित तौर पर जम्मू-कश्मीर में विध्वंसक और उग्रवादी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए इस्तेमाल किया गया था।

उच्च न्यायालय ने 7 जुलाई, 2023 को शाह को जमानत देने से इनकार करने वाले निचली अदालत के आदेश के खिलाफ उनकी अपील खारिज कर दी थी।

आरोपों की गंभीरता को देखते हुए, अदालत ने उनकी ष्नजरबंदीष् की वैकल्पिक याचिका को भी खारिज कर दिया था। उच्च न्यायालय ने यह भी कहा था कि वह गैरकानूनी संगठन जम्मू और कश्मीर डेमोक्रेटिक फ्रीडम पार्टी के अध्यक्ष थे।

उच्च न्यायालय ने शाह के खिलाफ लंबित 24 मामलों का विवरण देने वाली तालिका की जांच की, जिसमें जम्मू-कश्मीर को भारत संघ से अलग करने की साजिश रचने से संबंधित कई समान प्रकृति के आपराधिक मामलों में उनकी संलिप्तता का संकेत मिलता है।

तत्काल ऑनलाइन बुकिंग के लिए 322 ट्रेनों में आधार ओटीपी सत्यापन शुरू, 3 करोड़ फर्जी यूजर आईडी का भंडाफोड़

सबका जम्मू कश्मीर

नई दिल्ली : दुरुपयोग को रोकने और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए, ऑनलाइन तत्काल टिकट बुकिंग के लिए आधार-आधारित ओटीपी सत्यापन अब 322 ट्रेनों में चालू हो गया है। इसके परिणामस्वरूप, इन ट्रेनों में तत्काल टिकट की उपलब्धता का समय लगभग 65 प्रतिशत बढ़ गया है। यह जानकारी गुरुवार को संसद को दी गई।

आरक्षण काउंटरों पर तत्काल बुकिंग के लिए आधार-आधारित ओटीपी को भी चरणबद्ध तरीके से शुरू किया गया है और अब तक 211 ट्रेनों में (4 दिसंबर तक) इसे लागू किया जा चुका है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि इसके परिणामस्वरूप, 96 लोकप्रिय ट्रेनों में से लगभग 95 प्रतिशत ट्रेनों में तत्काल टिकट की उपलब्धता का समय बढ़ गया है।

मंत्री ने यह भी बताया कि उपयोगकर्ता खातों का कड़ाई से पुनर्सत्यापन और सत्यापन किया गया है। उन्होंने कहा, ष्जनवरी 2025 से लगभग 3.02 करोड़ संदिग्ध उपयोगकर्ता आईडी निष्क्रिय कर दी गई हैं। अवैध उपयोगकर्ताओं को फ़िल्टर करने और वैध यात्रियों के लिए सुचारू बुकिंग सुनिश्चित करने के लिए ।ज्ञ।ड।प् जैसे एंटी-बॉट समाधानों का उपयोग किया जा रहा है।ष्

मंत्री जी ने आगे बताया कि संदिग्ध रूप से बुक किए गए पीएनआर (पीआरएन) के लिए राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल पर शिकायतें भी दर्ज की गई हैं। वैष्णव ने नेटवर्क फायरवॉल, घुसपैठ रोकथाम प्रणाली, एप्लिकेशन डिलीवरी कंट्रोलर और वेब एप्लिकेशन फायरवॉल जैसी कई सुरक्षा परतों के उपयोग के बारे में जानकारी दी, जो सिस्टम को साइबर खतरों से सुरक्षित रखती हैं।

Helpline

पुलिस स्टेशन	
बाग-ए-बहू	2459777
बख्शी नगर	2580102
बस स्टैंड	2575151
शहर	2543688
गांधी नगर	2430528
गंग्याल	2482019
नौबाद	2571332
पक्का डांगा	2548610
रेलवे स्टेशन	2472870
सैनिक कॉलोनी	2462212
सतवारी	2430364
चन्नी हिम्मत	2465164
ट्रांसपोर्ट नगर	2475444
त्रिकुटा नगर	2475133
गांधी नगर	2459660
एसएसपी शहर	2561578
एसपी शहर उत्तर	2547038
एसपी दक्षिण	2433778
सार्वजनिक उपयोगिता सेवाएँ	
इंडियन एयर लाइन्स	
शहर कार्यालय	2542735
एयर पोर्ट	2430449
जेट एयर वेज़	2453999
सिटी ऑफिस	2573399
रेलवे	
रेलवे पूछताछ	131, 132, 2476407
बुकिंग	2470318
आरक्षण	2470315
पब्लिक हेल्थ इंजीनियरिंग स्टेशन	
बख्शी नगर	2543557
गांधी नगर	2430786
कंपनी बाग	2542582
नया प्लॉट	2573429
पंजतीर्थी	2547537
दूरसंचार विभाग	
डायरेक्टरी पूछताछ	197
फॉल्ट रिपेयर	198
ट्रंक बुकिंग	180
बिलिंग शिकायत	2543896
जम्मू नगर पालिका	
जं. लाइन्स	2578503
प्रशासन अधिकारी	2542192
स्वास्थ्य अधिकारी	2547440
डाक सेवाएँ	
मुख्य डाकघर शहर	2543606
गाँधी नगर	2435863
अग्निशामन सेवाएँ	
नियंत्रण कक्ष	101,132, 2476407
शहर	2544263
गाँधी नगर	2457705
नहर	2554064
गंग्याल	2480026
रसोई गैस डीलर	
चिनाब गैस	2547633
गुलमौर गैस	2430835
जैकफेड	2548297
एचपी गैस	2578456
शिवांगी गैस	2577020
तवी गैस	2548455
पावर हाउस	
गाँधी नगर	2430180
नहर रोड	2554147
जानीपुर	2533828
नानक नगर	2430776
परेड	2542289
सतवारी कैंट	2452813
अस्पताल	
जीएमसी अस्पताल	2584290
एस.एम.जी.एस. अस्पताल	2547635
सी.डी. अस्पताल	2577064
डेंटल अस्पताल	2544670
गांधी नगर अस्पताल	2430041
सरवाल अस्पताल	2579402
जी.बी. पंत कैंट अस्पताल	2433500
आयुर्वेदिक कॉलेज	2543661
सी.आर.पी. अस्पताल	2591105
आचार्य श्री चंदर	2662536
मानसिक अस्पताल	2577444
स्वामी विवेकानंद	2547418
ब्लड बैंक	2547637
एम्बुलेंस	2584225, 2575364
एम्बुलेंस (रेड क्रॉस)	2543739
नर्सिंग होम	
मदन अस्पताल	2456727
मेडिकेयर	2435070
त्रिवेणी नर्सिंग होम	2452664
सुविधा नर्सिंग होम	2555965
अल. फिरदौस नर्सिंग होम	2545050
आस्था नर्सिंग होम	2576707
बी एन चैरिटेबल ट्रस्ट	2505310
चोपड़ा नर्सिंग होम	2573580
हरबंस सिंह मेम हॉस्पिटल	2541952
जीवन ज्योति	2576985
युद्धवीर नर्सिंग होम	2547821
मीडियाएड नर्सिंग होम	2466744
सीता नर्सिंग होम	2435007
विभूति नर्सिंग होम	2547969
रामेश्वर नर्सिंग होम	2580601
बी एन चेरिटेबल	2555631
महर्षि दयानंद	2545225

हिजाब विवाद पर आप जम्मू-कश्मीर का कड़ा रुख, बिहार के सीएम नीतीश कुमार के खिलाफ एफआईआर की मांग

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू, शुक्रवार को आम आदमी पार्टी, जम्मू–कश्मीर ने पुलिस पोस्ट बठिंडी में औपचारिक आवेदन सौंपकर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। यह मांग मीडिया में सामने आई उस कथित घटना को लेकर की गई है, जिसमें सार्वजनिक रूप से एक मुस्लिम महिला का हिजाब खींचने या हटाने का प्रयास बताया गया है।

आप जम्मू–कश्मीर ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए इसे महिलाओं की गरिमा पर हमला और संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकारोंकृधर्म की स्वतंत्रता, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और सम्मानपूर्वक जीवनकृका उल्लंघन बताया। पार्टी ने निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से बिना शर्त सार्वजनिक माफी की अपील की।

मीडिया से बातचीत में आप जम्मू–कश्मीर के समन्वयक यासिर मट्टू ने कहा कि हिजाब पहनना मुस्लिम महिलाओं का संवैधानिक अधिक. ार है और किसी भी महिला की पसंद में हस्तक्षेप अस्वीकार्य है।

पार्टी ने उत्तर प्रदेश के मंत्री गिरिराज सिंह के बयान की भी कड़ी आलोचना करते हुए उसे विभाजनकारी और धर्मनिरपेक्षता के खिलाफ बताया।

आप प्रवक्ता मुद्दसिर हसन ने कहा कि नफरत फैलाने वाले बयान लोकतांत्रिक भारत में स्वीकार्य नहीं हैं और "भारत देश में सब की कुर्बानियां बराबर हैं।"

आर्य समाज कठुआ में गीता ज्ञान सप्ताह का तृतीय दिवस, कर्म योग के संदेश से जनमानस हुआ प्रेरित

सबका जम्मू कश्मीर

कठुआ, स्वामी श्रद्धानंद जी के बलिदान दिवस की स्मृति में आर्य समाज कठुआ द्वारा आयोजित गीता ज्ञान सप्ताह के तृतीय दिवस पर श्रद्धा,कश्मी भक्ति और उत्साह का अद्भुत वातावरण देखने को मिला। कार्यक्रम में गीता के तृतीय अध्याय कर्म योग पर विस्तृत और प्रेरणादायी प्रवचन प्रस्तुत किए गए।

कार्यक्रम की शुरुआत गीता के द्वितीय अध्याय के संक्षिप्त सार से हुई, जिसके पश्चात कर्म योग अध्याय पर मुख्य वक्ता पूजनीय सुश्री गायत्री देवी जी ने विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि कर्म योग ही जीवन का मूल आधार है और बिना फल की आसक्ति के किया गया कर्म ही सच्चा धर्म है। उन्होंने बताया कि समाज का संचालन कर्म से ही संभव है और निस्वार्थ भाव से किए गए कार्य आत्मा को शुद्ध करते हैं। उनके विचारों ने उपस्थित श्रोताओं को आत्मचिंतन के लिए प्रेरित किया तथा जीवन में सकारात्मक दिशा प्रदान की।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि सरदार रणजीत सिंह एवं दलीप मेहता ने कहा कि गीता केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि सामाजिक एकता और राष्ट्रीय सशक्तिकरण का मार्गदर्शक है। उन्होंने युवाओं से कर्म योग को अपनाकर समाज सेवा में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

संरक्षक भारत भूषण ने कहा कि गीता का प्रत्येक अध्याय जीवन की कठिन परिस्थितियों में मार्गदर्शन करता है और समाज को एक सूत्र में बांधता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए आर्य समाज कठुआ के अध्यक्ष बिशन भारती ने मुख्य वक्ता, अतिथियों और उपस्थित जनसमूह का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि गीता ज्ञान सप्ताह अब एक प्रेरणादायी सामाजिक आंदोलन का रूप ले चुका है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, समाजसेवी और युवा उपस्थित रहे। गीता ज्ञान सप्ताह प्रतिदिन दोपहर 1 बजे से 4 बजे तक जारी रहेगा, जिसमें विद्वानों द्वारा गीता के विभिन्न अध्यायों पर प्रवचन दिए जाएंगे।

श्राइन बोर्ड ने वैष्णो देवी भवन में भक्तों के लिए 'साधना कक्ष' समर्पित किया

सबका जम्मू कश्मीर

कटरा : भक्तों के बीच आध्यात्मिक माहौल को और बेहतर बनाने और गहरी भक्ति भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए, श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड (ँडटक्टै) ने शुक्रवार को भवन क्षेत्र में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच एक 'साधना कक्ष' (ध्यान कक्ष) स्थापित किया और भक्तों को समर्पित किया। श्री मनोज सिन्हा, माननीय अध्यक्ष, ँडटक्टै (उपराज्यपाल, जम्मू–कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश) के निर्देशों के अनुसार स्थापित 'साधना कक्ष' को श्री सचिन कुमार वैश्य, मुख्य कार्यकारी अधिक. ारी, ँडटक्टै की देखरेख में भक्तों को समर्पित किया गया।

भवन में राम मंदिर के निचले बेसमेंट में निकास गुफा मार्ग के पास स्थित, 'साधना कक्ष' को सादगी और भक्तिमय पवित्रता पर जोर देते हुए विकसित किया गया है। लगभग 1,500 वर्ग फुट के क्षेत्र में फैली इस सुविधा में एक बार में लगभग 160–170 भक्त बैठ सकते हैं।

कक्ष के अंदर शांति और पवित्रता बनाए रखने के लिए विशेष ध्यान रखा गया है, जिससे शांत और आध्यात्मिक ध्यान का माहौल सुनिश्चित हो सके।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने कहा कि माँ वैष्णो देवी जी के गर्भगृह के पास एक समर्पित 'साधना कक्ष' की स्थापना भवन में आध्यात्मिक बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए श्राइन बोर्ड के व्यापक प्रयास का हिस्सा है।

संत बाबा नंद साध जी के निर्वाण दिवस पर हुआ विशाल भंडारे का आयोजन

सबका जम्मू कश्मीर

आरएस पुरा। आरएस पुरा क्षेत्र के गांव कुतुम निजाम में रविवार को संत बाबा नंद साध जी के निर्वाण दिवस के मौके पर एक विशाल धार्मिक समागम का आयोजन किया गया जिसमें सैकड़ो की संख्या में श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया और संत बाबा नंद साहिब जी के जीवन के बारे में जानकारी हासिल की।

इस मौके पर पंडित दर्शन लाल, पंडित ओम प्रकाश पंडित जतिन आदि ने संत बाबा नंद प्रसाद तथा अन्य संत महात्माओं की जीवनी पर प्रकाश डाला और संत बाबा नंद साहब को एक महान संत करार देते हुए कहा कि उन्होंने अपना सारा जीवन दूसरों की सेवा में समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा कि हमें हमेशा ऐसे संतो के दिखाए मार्ग पर चलकर समाज तथा देश की बेहतरी के लिए काम करना चाहिए।

इस मौके पर विशाल भंडारे का आयोजन भी किया गया जिसमें काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इससे पहले महिला मंडली की तरफ से भजन कीर्तन भी किया गया। इस मौके पर गांव के अन्य लोग भी मौजूद रहे।

लेफ्टिनेंट कर्नल बनकर घर लौटे किरपिंड निवासी कुलविंदर सिंह का हुआ जोरदार स्वागत

सबका जम्मू कश्मीर

आरएस पुरा। भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल बनने के बाद आज अपने गांव किरपिंड पहुंचे स कुलविंदर सिंह पुत्र बलबीर सिंह, कुलवंत कौर का गांव के लोगों द्वारा जोरदार तरीके के साथ स्वागत किया गया और स्थानीय गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की तरफ से गांव के नौजवान के लेफ्टिनेंट कर्नल बनने पर सम्मानित भी किया गया। इससे पहले लेफ्टिनेंट कर्नल बनने पर गांव पहुंचे कुलविंदर सिंह का गांव के लोगों द्वारा एक भव्य रैली निकालकर स्वागत किया गया और उसके उपरांत उन्हें सम्मानित किया गया।

इस मौके पर कुलविंदर सिंह के परिजन भी मौजूद रहे जिन्होंने बेटे के लेफ्टिनेंट कर्नल बनने पर खुशी जाहिर की। इस मौके पर कुलविंदर सिंह ने बताया कि वह 2012 में भारतीय सेना में एक जवान के रूप में भर्ती हुए थे और उसके उपरांत उन्होंने दो बार लेफ्टिनेंट कर्नल बनने के लिए परीक्षाएं दी लेकिन वह सफल नहीं हो सके लेकिन अब तीसरी बार परीक्षा में सफल हुए हैं और अब उन्हें भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल बनाया गया है और आयोजित कमिशिनंग परेड में उन्हें रैंक प्रदान किया गया है।

इस मौके पर गांव के लोगों ने कहा कि कुलविंदर सिंह ने गांव के साथ–साथ पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है और पूरे गांव को उन पर गर्व है। उन्होंने कहा कि कुलविंदर सिंह क्षेत्र के नौजवानों के लिए एक प्रेरणा है।

इस मौके पर कुलविंदर की माता कुलवंत कौर ने कहा कि बेटे ने पूरे परिवार के साथ–साथ पूरे क्षेत्र का नाम भी रोशन किया है। मां ने कहा कि बेटे की मेहनत और लगन ने आज रंग दिखाया है।

उन्होंने कहा कि मेहनत करने से इंसान बड़ी से बड़ी उपलब्धि हासिल कर सकता है।

इस मौके पर स्थानीय गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सदस्यों ने भी अपने विचार रखे और कहा कि आज गांव के लिए गौरव का पल है।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

चौनपुरा जखोले और मालमम्मन में विधायक राजीव जसरोटिया का जनसंवाद, जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान का आश्वासन

सबका जम्मू कश्मीर

जसरोटारू क्षेत्र में जनसंपर्क और जमीनी स्तर पर समस्याओं के समाधान को प्राथमिकता देते हुए जसरोता के विधायक राजीव जसरोटिया ने शुक्रवार को चौनपुरा जखोले और मालमम्मन में जनसभाएं आयोजित कर स्थानीय लोगों की समस्याएं सुनीं। इन जनसभाओं का उद्देश्य जनता को अपनी बात सीधे जनप्रतिनिधि तक पहुंचाने का अवसर प्रदान करना था, जिससे पारदर्शी और जवाबदेह शासन व्यवस्था को मजबूती मिल सके।

जनसंवाद के दौरान विधायक जसरोटिया ने सड़क, पेयजल, बिजली, स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छता और अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़े मुद्दों पर लोगों की शिकायतें ध्यानपूर्वक सुनीं। ग्रामीणों ने सड़कों की खराब स्थिति, अनियमित जल आपूर्ति और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में सुविधाओं की कमी जैसे मुद्दे प्रमुखता से उठाए। विधायक ने भरोसा दिलाया कि सभी समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर संबंधित विभागों के समन्वय से हल किया जाएगा।

इस अवसर पर मंडल प्रधान जसरोटा, सरपंच बलवंत सिंह, सरपंच शिव देव सिंह, कैप्टन ओमकार सिंह, पंच विनोद कुमार, सरपंच सुदर्शन खजूरिया, छागर सिंह, भविषन शर्मा, रणदीप सिंह पप्पी, एडवोकेट जसबीर, कैप्टन बलकार सिंह, सुनीत सिंह और जितेंद्र सिंह सहित अनेक स्थानीय नेता व गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

विधायक जसरोटिया ने महिलाओं, युवाओं और वरिष्ठ नागरिकों से भी संवाद कर उनकी विशेष आवश्यकताओं पर चर्चा की। उन्होंने युवाओं के लिए

कौशल विकास, शिक्षा में सुधार, महिलाओं की सुरक्षा और बुजुर्गों के कल्याण से जुड़ी योजनाओं की जानकारी दी और कहा कि सरकार का लक्ष्य समावेशी विकास के जरिए समाज के हर वर्ग को सशक्त बनाना है।

जनसभाओं के समापन पर विधायक ने जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनभागीदारी से ही विकास कार्यों को गति मिलती है।

उन्होंने स्थानीय लोगों से प्रशासन के साथ मिलकर क्षेत्र के समग्र विकास में सहयोग करने का आह्वान किया और भरोसा दिलाया कि जसरोता क्षेत्र को विकास की नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए निरंतर प्रयास जारी रहेंगे।

21 से 23 दिसंबर तक पल्स पोलियो अभियान, उपायुक्त कठुआ ने की अभिभावकों से भागीदारी की अपील

सबका जम्मू कश्मीर

कठुआ, उपायुक्त कठुआ राजेश शर्मा, जेकेएएस ने जिले के नागरिकों से 21 से 23 दिसंबर तक आयोजित होने वाले पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की है। यह अभियान पांच वर्ष से कम आयु के सभी बच्चों को पोलियो से सुरक्षित करने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है।

उपायुक्त ने बताया कि 21 दिसंबर को जिले के सभी जिला व उप-जिला अस्पतालों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में बच्चों को पोलियो की खुराक दी जाएगी।

वहीं, जो बच्चे किसी कारणवश टीकाकरण से वंचित रह जाएंगे, उन्हें 22 और 23 दिसंबर को स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा घर-घर जाकर पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी।

उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों को अवश्य पोलियो की दवा पिलवाएं और कठुआ जिले को पोलियो मुक्त बनाए रखने में सहयोग करें।

छवा चक हीरानगर में उज दरिया पर क्रेट डलवाने के कार्य का विधायक विजय शर्मा ने किया उद्घाटन

सबका जम्मू कश्मीर

सबका जम्मू कश्मीर
मढ़ीन। तहसील मढ़ीन के साथ लगते छवा चक में हीरानगर के विधायक विजय शर्मा ने आज उज दरिया में क्रेट डलवाने के कार्य का विधिवत उद्घाटन किया। इस परियोजना पर कुल 57 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। उद्घाटन के दौरान विधायक विजय शर्मा ने कहा कि उज दरिया से जुड़े बड़े कार्य के लिए 16 करोड़ 40 लाख रुपये की राशि भी जल्द ही मंजूर हो जाएगी।

विधायक ने कहा कि उनके विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है और हल्के में जितने भी छोटे-बड़े लंबित कार्य हैं, उन्हें भी शीघ्र पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का "विकसित भारत" का सपना दिन-प्रतिदिन साकार होता दिखाई दे रहा है और केंद्र व प्रदेश सरकार मिलकर विकास को नई दिशा दे रही है।

इस अवसर पर विधायक विजय शर्मा के साथ मंडल प्रधान प्रदीप सिंह, पूर्व सरपंच बंटू सिंह, बी.के. शर्मा, पूर्व सरपंच सलाल सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

कुलगाम पुलिस ने नशीले पदार्थों के नेटवर्क पर शिकंजा कसा; दो नशीले पदार्थों के तस्कर गिरफ्तार, चरस बरामद

सबका जम्मू कश्मीर

कुलगाम : चल रहे ष्नशा मुक्त कुलगामष् अभियान के तहत एक बड़ी कार्रवाई में, कुलगाम पुलिस ने फुर्रा बाईपास पर एक चेकपॉइंट पर दो कथित नशीले पदार्थों के तस्करों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से चरस जैसे प्रतिबंधित पदार्थ की भारी मात्रा बरामद की।

एक बयान में, इस संबंध में, मीरबाजार पुलिस चौकी के नेतृत्व में पुलिस दल ने फुर्रा बाईपास पर एक चेकपॉइंट (नाका) स्थापित किया। जाँच के दौरान, संदिग्ध परिस्थितियों में घूम रहे दो व्यक्तियों ने पुलिस दल को देखकर मौके से भागने की कोशिश की। हालाँकि, उनका पीछा किया गया और चतुराई से उन्हें पकड़ लिया गया।

जाँच के बाद, उपस्थित अधिकारियों ने उनके कब्जे से 115 ग्राम चरस जैसे प्रतिबंधित पदार्थ बरामद किए। उनकी पहचान जावेद गुलजार गनी और शाहिद मुश्ताक भट के रूप में हुई है, दोनों फुर्रा के निवासी हैं

इस घटना के संबंध में, काज़ीगुंड पुलिस स्टेशन में एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8/20 और 29 के तहत मामला संख्या 252/2025 दर्ज किया गया है और जांच शुरू कर दी गई है।

NOTICE

I, Pawan Kumar, S/o Sh. Chhaju Ram, resident of Ward No. 2, Pandori Pandori, Tehsil Nagri Parole, District Kathua, Union Territory of Jammu & Kashmir – 184151, hereby inform the general public and the concerned authorities that I am applying for permission to open a Fertilizer & Seeds Sale Centre at my shop located at Pamwal, Tehsil Nagri Parole, District Kathua. If any person has any objection regarding the establishment of the said Fertilizer & Seeds Sale Centre, the same may be submitted in writing to the concerned authorities within 07 (seven) days from the date of publication of this notice.

BEFORE THE LEARNED EXECUTIVE MAGISTRATE 1ST CLASS TEHSILDAR NAGRI PAROLE

Jura S/o Ali Hussain R/o Mirpur Ram Ward no: 02 Tehsil Nagri.

(Applicant)

v/s

Block Development Office, Nagri parole

(Respondent)

In the matter of: Application for directing Block Development Office Nagri Parole to enter the Date of Birth of the Child in the Birth register.
Name of the Child: Rafqat Ali, S/o Jura
Date of Birth: 18.09.2018
Place of Birth: At HOME.
R/Sir,
The applicant most humbly submits as under:-
That the applicant is permanent resident of Village Mirpur Ram Tehsil Nagri Parole District Kathua J&K UT.
1. That the Date of Birth of the Rafqat is 18.02.2018.
2. That unfortunately the Date of Birth of the child has not been entered in the register of Birth kept at Respondents Office Nagri Parole nor in the record of Chowkidar concerned.
3. That the applicant is in dire need of Date of Birth of his above named Child from the register of Birth kept at Respondents Office Nagri Parole.
An affidavit in sport of application is attached here with.
It is therefore humbly prayed that the Block Development Office Nagri parole may kindly be directed to enter the Date of Birth of the Child in the register of Birth kept at Respondents.

(Signature)
Date: 08.02.2019

SD/-
EXECUTIVE MAGISTRATE
1ST CLASS TEHSILDAR
NAGRI PAROLE

ब्रिगेडियर उस्मान प्रीमियर लीग 2025-26 : पी पी रॉयल्स और राजौरी 11 ने क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

सबका जम्मू कश्मीर

सबका जम्मू कश्मीर
नौशहरा, ब्रिगेडियर उस्मान प्रीमियर लीग 2025–26 के तहत शुक्रवार को खेले गए मुक. ाबलों में पी पी रॉयल्स और राजौरी 11 ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने–अपने मैच जीत लिए और क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया।

पहले मुकाबले में पी पी रॉयल्स और आसन वॉरियर्स आमने–सामने थे।

पी पी रॉयल्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए शहजाद मलिक की 57 रनों की दमदार पारी की बदौलत 115/6 का स्कोर बनाया।

जवाब में आसन वॉरियर्स दबाव में दिखे। अंतिम ओवरों में मैच रोमांचक हो गया, लेकिन पी पी रॉयल्स ने 4 गेंद शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया।

मैन ऑफ द मैचरू आसिफ मनहास (2 विकेट)

इस जीत के साथ पी पी रॉयल्स अपने ग्रुप में शीर्ष पर पहुंच गई है और अब शनिवार सुबह सुंदरबानी हरिकेन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल खेलेगी।

दोपहर के बाद खेले गए दूसरे मुकाबले में क्वार्टर फाइनल की दौड़ में बने रहने के लिए राजौरी 11 और गोल्डन टाइटन्स के बीच 'करो या मरो' मैच खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए राजौरी 11 ने 110/6 का स्कोर बनाया। गोल्डन टाइटन्स ने 111 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए शुरू से ही विकेट गंवाए और दबाव से उबर नहीं सके। पूरी टीम 90 रनों पर सिमट गई और 18 रनों से मैच गंवा बैठी।

मैन ऑफ द मैचरू सोहेल खान (4 विकेट)

इस जीत के साथ राजौरी 11 क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई है और वह रविवार सुबह ध्ध बाजाबैन से भिड़ेगी। गोल्डन टाइटन्स टूर्नामेंट से बाहर हो गई है।

जिला पुलिस पुंछ की बड़ी कार्रवाई, यूएपीए के तहत अवैध गतिविधियों में इस्तेमाल वाहन संलग्न

सबका जम्मू कश्मीर

पुंछ, जिला पुलिस पुंछ ने अवैध और आतंक से जुड़ी गतिविधियों के खिलाफ सख्त कदम उठाते हुए एक बड़ी कार्रवाई की है। थाना मंडी में दर्ज एक मामले के तहत गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967 की धारा 25 के अंतर्गत एक दोपहिया वाहन को संलग्न किया गया है।

पुलिस के अनुसार थाना मंडी में एफआईआर नंबर 72/2025 दर्ज की गई थी, जिसमें हथियार अधि. नियम की धारा 7/25 तथा यूएपीए की धारा 13, 18, 20 और 23 लगाई गई हैं। जांच के दौरान एक दोपहिया वाहन (पंजीकरण संख्या जेके12बी–5950), जो आरा. पी के नाम पर दर्ज है, को अवैध गतिविधियों में इस्तेमाल किया गया पाया गया।

कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उक्त वाहन को यूएपीए की धारा 25 के तहत संलग्न कर लिया गया है। कानून के अनुसार इस संलग्न संपत्ति को न तो बेचा जा सकता है और न ही किसी अन्य को हस्तांतरित किया जा सकता है। वाहन मालिक को इस कार्रवाई की जानकारी दे दी गई है और संबंधित प्राधिकारी को भी सूचित किया गया है।

पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है और सभी पहलुओं की गहनता से जांच की जा रही है। जिला पुलिस पुंछ ने दोहराया कि जिले में शांति, कानून व्यवस्था और सुरक्षा बनाए रखने के लिए वह पूरी तरह प्रतिबद्ध है। साथ ही आम जनता से अपील की गई है कि किसी भी संदिग्ध या गैरकानूनी गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें और सहयोग करें।

डीसी राजौरी ने युवाओं से लाभकारी व तकनीक आधारित कृषि अपनाने का किया आह्वान

अनिल भारद्वाज

राजौरी : कृषि विभाग राजौरी द्वारा जम्मू–कश्मीर प्रतिस्पर्धी कृषि एवं सहायक क्षेत्र परियोजना के अंतर्गत वार्षिक कार्य योजना एवं बजट 2025–2026 के प्रोजेक्ट एवं नॉलेज मैनेजमेंट घटक के तहत जिला स्तरीय जागरूकता एवं शैक्षणिक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला की अध्यक्षता उपायुक्त राजौरी अभिषेक शर्मा ने की। इस अवसर पर उन्होंने जिले भर से आए किसानों, युवाओं एवं अन्य हितधारकों से संवाद किया।

अपने संबोधन में उपायुक्त ने फसल विविधीकरण पर जोर देते हुए युवाओं से पारंपरिक खेती से आगे बढ़कर नवाचार एवं बाजारोन्मुख कृषि अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि जेकेसीआईपी के तहत राजौरी, थन्नामंडी, दरहाल और बुद्धल ब्लॉकों में लाभ प्रदान किए जा रहे हैं, जबकि अन्य ब्लॉकों के किसान समग्र कृषि विकास कार्यक्रम के तहत सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

उपायुक्त ने इच्छुक लाभार्थियों को जेकेसीआई पी की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से पंजीकरण करने, किसान खिदमत घरों तथा कृ षि उन्नति केंद्रों से मार्गदर्शन लेने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि आवेदन स्वीकृत होने के बाद लाभार्थियों को प्रशिक्षण लेना अनिवार्य होगा, ताकि योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने कहा कि ईमानदारी, गंभीरता और निरंतर प्रयास ही सफलता की कुंजी हैं। साथ ही कृषि एवं सहायक क्षेत्रों में तकनीक की भूमिका को भी रेखांकित किया। उपायुक्त ने आगे कहा कि स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) और युवा क्लब जमीनी स्तर पर सरकारी योजनाओं की जानक. ारी फैलाने एवं उनके सफल क्रियान्वयन में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त राजौरी मलिकजादा शेराज़ उल हक ने भी प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए लाभकारी कृषि की ओर बढ़ने और उच्च मूल्य वाली खेती अपनाने का आग्रह किया। मुख्य कृषि अधिकारी राजौरी राजेश वर्मा ने जीविकोपार्जन आधारित खेती से हटकर मांग आधारित कृषि की ओर संक्रमण पर बल दिया।

डालसा पुंछ ने जिला कोर्ट कॉम्प्लेक्स में चौथी राष्ट्रीय लोक अदालत का किया आयोजन

सबका जम्मू कश्मीर

पुंछ। जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण पुंछ ने आज जिला कोर्ट कॉम्प्लेक्स, पुंछ में चौथी राष्ट्रीय लोक अदालत का सफलतापूर्वक आयोजन किया, जिसका उद्देश्य विवादों के सौहार्दपूर्ण निपटारे के माध्यम से जनता को त्वरित और किफायती न्याय प्रदान करना था। इस कार्यक्रम में न्यायिक अधिकारियों, वकीलों, वादियों और कोर्ट कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

जम्मू-कश्मीर के प्रख्यात मूर्तिकार गणेश कुमार शर्मा अमेरिका में सम्मानित

सबका जम्मू कश्मीर

हीरानगर/कठुआ/जम्मू : जम्मू–कश्मीर के वरिष्ठ एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्यातिप्राप्त मूर्तिकार गणेश कुमार शर्मा को अमेरिका की प्रतिष्ठित संस्था "फेदर एंड एक्सटेंडर्स ह्यूमैनिटी अकादमी, फिलाडेल्फिया शाखा" द्वारा सम्मानित किया गया है। उन्हें वर्ष 2025 के लिए अकादमी की "टॉप हंड्रेड पर्सनैलिटीज़" सूची में शामिल करते हुए अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त "हाई ऑनरेरी सर्टिफिकेट" प्रदान किया गया है। यह सम्मान अकादमी के अध्यक्ष राजदूत डॉ. अब्दुल करीम अल फ़र्राजी तथा उपाध्यक्ष एवं डीन, प्रसिद्ध

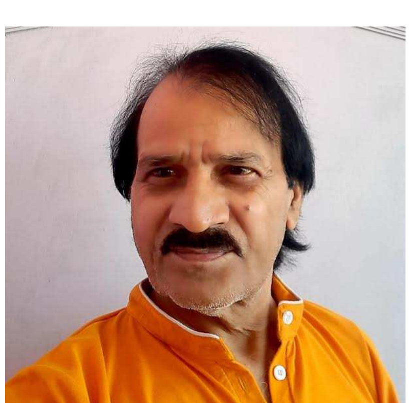

कलाकार जहान राबिया के नेतृत्व में दिया गया।

अकादमी ने यह सम्मान गणेश कुमार शर्मा को कला, संस्कृति और साहित्य के क्षेत्र में उनके दीर्घकालिक योगदान तथा विश्व स्तर पर कला के प्रसार और शैक्षणिक समुदाय की सेवा के लिए प्रदान किया।

अकादमी प्रबंधन ने अपने संदेश में कहा कि गणेश कुमार शर्मा अकादमी की अमूल्य धरोहर हैं, जिनके अथक प्रयासों और सृजनात्मक योगदान से संस्था की उपलब्धियों को नई ऊंचाइयां मिली हैं। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मान से न केवल गणेश कुमार शर्मा का नाम गौरवान्वित हुआ है, बल्कि जम्मू–कश्मीर की कला परंपरा को भी वैश्विक पहचान मिली है।

सबका जम्मू कश्मीर

नाम परिवर्तन, तहसीलदार नोटिस,
शोक संदेश, गुमशुदा सूचना,
बेदखली, हुडा नोटिस, वैवाहिक,
सार्वजनिक सूचना इत्यादि विज्ञापन
MOB:- +91 60051-34383, +91 87170 07205

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

कठुआ में जिला किराया आकलन समिति की बैठक, 27 किराया मामलों को मंजूरी

सबका जम्मू कश्मीर

कठुआ, उपायुक्त कठुआ राजेश शर्मा की अध्यक्षता में जिला किराया आकलन समिति (डीआरएसी) की बैठक डीसी कार्यालय परिसर के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा उपयोग में लाई जा रही निजी इमारतों के किराया आकलन मामलों को अंतिम रूप देना था।

बैठक में सहायक आयुक्त राजस्व कठुआ विशव प्रताप सिंह, एक्सईएन पीडब्ल्यूडी (आर एंड बी) कठुआ अरविंद लांघे सहित उन सभी विभागों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे, जिनके कार्यालय जिले में निजी भवनों में संचालित हो रहे हैं।

बैठक के दौरान पुलिस, हस्तशिल्प, हथकरघा, आयुष, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, शिक्षा, जेकेआरएलएम, आईसीडीएस, राजस्व, एफसीएस एंड सीए, भूविज्ञान एवं खनन, आरडीडी, पुस्तकालय, बागवानी तथा पीएमजीएसवाई सहित विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 30 किराया मामलों को समिति के समक्ष रखा गया।

समिति ने सभी मामलों पर विस्तार से विचार–विमर्श करते हुए प्रत्येक केस की गहन जांच की। मूल्यांकन के उपरांत 30 में से 27 किराया मामलों को स्वीकृति प्रदान की गई, जबकि तकनीकी खामियों के चलते 3 मामलों को पुनः प्रस्तुत करने का निर्णय लिया गया।

इस अवसर पर डीआरएसी के अध्यक्ष उपायुक्त राजेश शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विभिन्न कार्यालयों के संचालन हेतु उपलब्ध खाली सरकारी भवनों को प्राथमिकता दी जाए तथा लंबित किराया आकलन मामलों का शीघ्र निपटारा सुनिश्चित किया जाए।

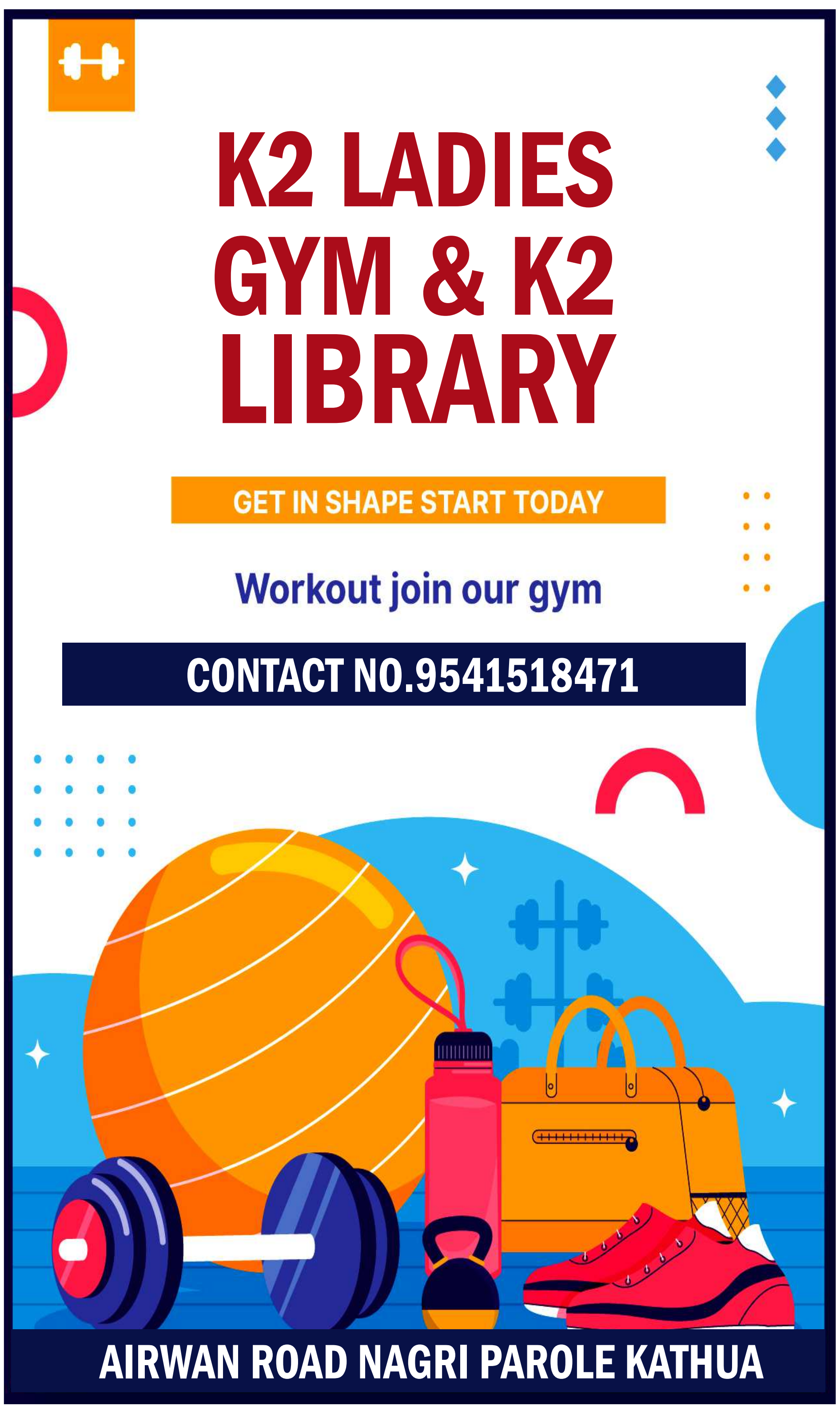

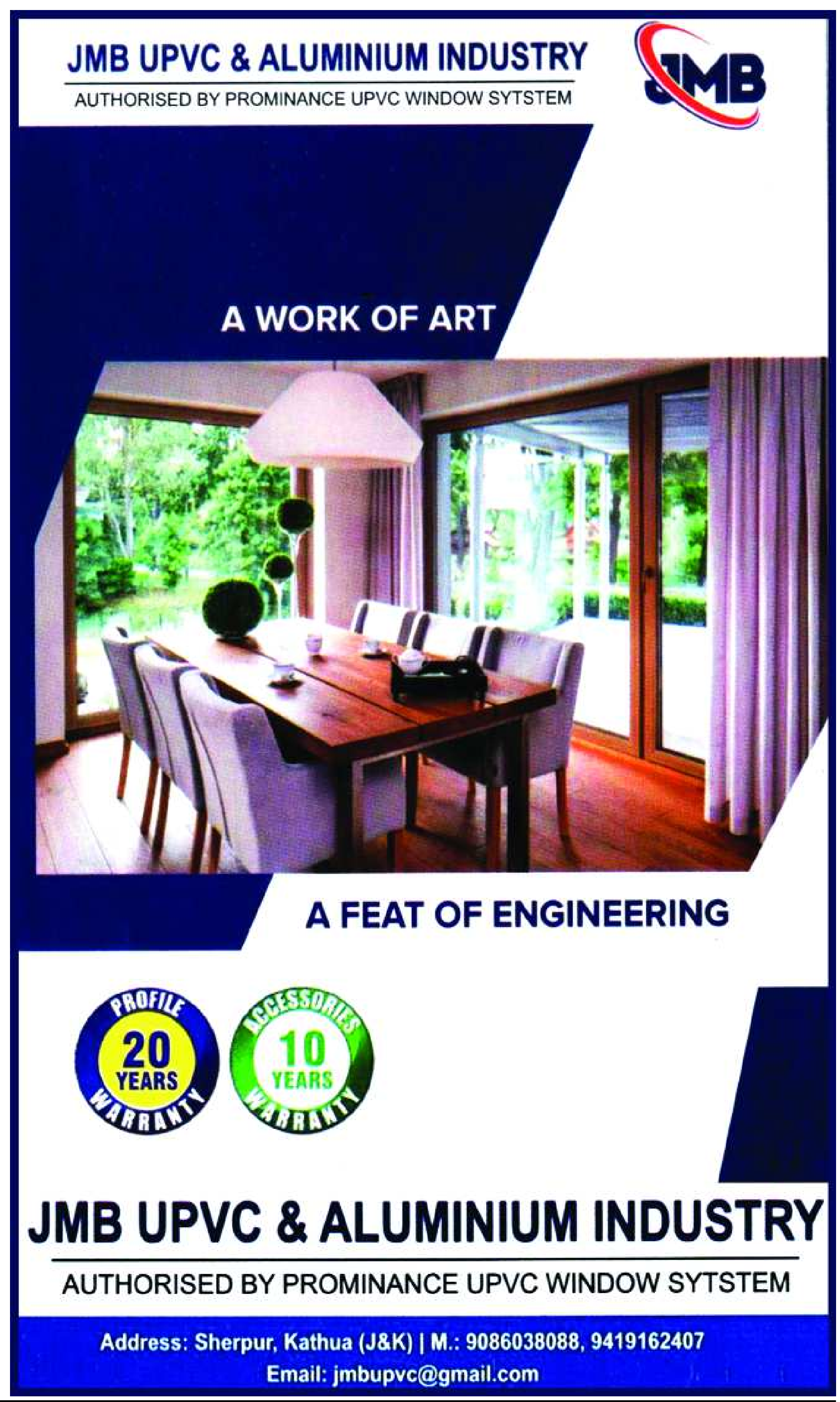

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशकः राज कुमार द्वारा एम/एस डी. आर प्रिंटिंग प्रेस, बैन बजाल्ता, तहसील जम्मू से मुद्रित एवं नगरी पैरोल नगरी, जिला कठुआ, जम्मू और कश्मीर पिन.कोड नं: 184151 | संपादकः राज कुमार